* ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.com

12 नवंबर, 2022
मार्गशीर्ष, कृष्ण पक्ष, चतुर्थी
संवत 2079
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
शनिवार, वर्ष 08, अंक 24

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

साहसिक कदम : झारखंड विधानसभा से स्थानीयता और आरक्षण संबंधित विधेयक पारित

झारखंडी की पहचान-1932 का खतियान

■ ओबीसी के लिए आरक्षण 27 प्रतिशत होगा
■ केंद्र से नौवीं अनुसूची में शामिल करने की सिफारिश

आजाद सिपाही संवदादाता

रांची। हेमंत सोरेन सरकार ने राज्य के दो अहम मुद्दे स्थानीयता और आरक्षण पर ऐतिहासिक कदम उठाया है। झारखंड विधानसभा के विशेष सत्र में शुक्रवार को सरकार ने 1932 आधारित स्थानीय नीति और आरक्षण संशोधन विधेयक पास करा लिया। इस विधेयक के अनुसार वे लोग झारखंड के स्थानीय या मूल निवासी कहे जायेंगे, जिनका या जिनके पूर्वजों का नाम 1932 या उससे पहले के खतियान में दर्ज होगा। वहीं, ओबीसी आरक्षण की सीमा 14 से बढ़ा कर 27 फीसदी कर दिया है। दोनों विधेयकों के पास होने पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि आज का दिन झारखड के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखा जायेगा। स्थानीयता विधेयक से आदिवासियों-मूलवासियों का सपना साकार हुआ है। इसके लिए झारखंड में कई लोगों ने अपनी शहादत दी है। उन्होंने कहा कि इसके पहले झारखंडियों के हक और अधिकार के मामले में छला गया था। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा इस विधेयक को लटका कर रखना चाहती थी। उन्होंने आजसू पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि विपक्ष जितना षडयंत्र रचे, झारखंड में हम उसका सुपड़ा साफ कर देंगे।

प्रवर समिति को सौंपने और संशोधन का प्रस्ताव खारिजः मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने विधानसभा सदन में दोनों विधेयकों को पेश किया। विधायक अमित यादव, विनोद सिंह और रामचंद्र चंद्रवंशी ने दोनों विधेयकों को प्रवर समिति को भेजने और अलग-अलग कंडिकाओं में संशोधन का प्रस्ताव रखा। मुख्यमंत्री ने तीनों विधायकों के प्रस्ताव पर सरकार का पक्ष रखा और उनके आग्रह को अस्वीकृत कर दिया। इसके बाद ध्वनिमत से दोनों विधेयकों को सदन से पारित कर दिया गया। खास बात यह रही कि दोनों विधेयकों के पक्ष में सत्ता पक्ष के साथ-साथ विपक्ष के सदस्य भी रहे। विधेयक का विरोध किसी ने भी नहीं किया।

केंद्र को भेजा जायेगा प्रस्तावः दोनों विधेयक को सुरक्षा कवच (मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के शब्दों में) पहनाने का भी प्रयास किया गया है। दोनों विधेयकों को नौवीं सूची में शामिल करने का प्रस्ताव है। राज्य सरकार इससे संबंधित प्रस्ताव केंद्र को भेजेगी। दोनों विधेयकों को केंद्र के पास भेजा जायेगा। वहां से मंजूरी के बाद राज्य में लागू होगा।

शुक्रवार को झारखंड विधानसभा के विशेष सत्र में 1932 खतियान आधारित स्थानीयता और नियुक्ति तथा सेवाओं में आरक्षण वृद्धि का विधेयक पारित होने के बाद राज्य सभा सांसद और पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन को जानकारी देते मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन।

स्थानीयता संबंधित विधेयक

- इस विधेयक का नाम 'झारखंड स्थानीय व्यक्तियों की परिभाषा और परिणामी सामाजिक, सांस्कृतिक और अन्य लाभों को ऐसे स्थानीय व्यक्तियों तक विस्तारित करने के लिए विधेयक-2022' है।
- स्थानीय व्यक्तियों का अर्थ झारखंड का अधिवास होगा, जो एक भारतीय नागरिक है और झारखंड की क्षेत्रीय और भौगोलिक सीमा के भीतर रहता है। व्यक्ति या उसके पूर्वजों का नाम 1932 या इससे पहले के सर्वेक्षण या खतियान में दर्ज हो।
- विधेयक में कहा गया है कि वैसे लोग, जिनका नाम 1932 खतियान में दर्ज नहीं होगा या फिर जिनका खतियान खो गया हो या नष्ट हो गया हो, ऐसे लोगों को ग्राम सभा से सत्यापन लेना होगा कि वे झारखंड के मूल निवासी हैं। भूमिहीन व्यक्तियों के मामले में स्थानीय व्यक्ति की पहचान ग्राम सभा की ओर से संस्कृति, स्थानीय रीति-रिवाज, परंपरा के आधार पर की जायेगी।

आरक्षण संबंधित विधेयक

- इस विधेयक का नाम झारखंड पदों एवं सेवा की रिक्तियों में आरक्षण (संशोधन) विधेयक-2022 है।
- इस विधेयक में पिछड़ी जाति का आरक्षण प्रतिशत 14 से बढ़ कर 27 प्रतिशत हो गया। अभी झारखंड में एसटी को 26, एससी को 10 और पिछड़ों को 14 फीसदी आरक्षण मिल रहा था। इस विधेयक के कानून बनने और नौवीं अनुसूची में शामिल होने के बाद एसटी को 28, एससी को 12 तथा पिछड़ों को 27 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा

आज का दिन इतिहास के पन्नों में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज

- विधानसभा से दोनों विधेयक पारित होने का जश्न मना रहा पूरा झारखंड
- आदिवासी-मूलवासियों को उनका अधिकार देने के साथ यहां रह रहे सभी लोगों के हितों का पूरा खयाल और संरक्षण किया जायेगा
- आदिवासियों, दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों और वंचित वर्गों के दुःख- दर्द को दूर करने की दिशा में सरकार आगे बढ़ रही है
- हमारे कार्यों को लेकर हर तरफ हर्ष-उल्लास का वातावरण
- लोगों की उम्मीदों और आशाओं के अनुरूप कर रहे कार्य
- विकास और जनकल्याण को लेकर सरकार के कदम ना रुके थे और ना रुकेंगे, लगातार आगे बढ़ते रहेंगे।

हेमंत सोरेन, मुख्यमंत्री झारखंड

पूरे झारखंड के लिए आज का दिन विशेष और ऐतिहासिक है। झारखंड विधानसभा से झारखंड वासियों की आत्मा और अस्मिता से जुड़े 1932 खतियान आधारित स्थानीयता और नियुक्ति तथा सेवाओं में आरक्षण वृद्धि का विधेयक पारित हो चुका है। आज पूरा झारखंड जश्न और खुशियां मना रहा है। एक बार फिर झारखंड के लिहाज से 11 नवंबर का दिन इतिहास के पन्नों में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज हो चुका है।

हमने वादा निभाया, अब केंद्र सरकार की जिम्मेदारी : हमारी सरकार ने जनता से जो वादा किया था, उसे निभाने का काम किया है। अब केंद्र सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि वह झारखंड की भावनाओं के अनुरूप संवैधानिक प्रावधानों के तहत 1932 खतियान आधारित स्थानीयता और नियुक्ति तथा सेवाओं में आरक्षण वृद्धि से संबंधित विधेयक को नौवीं अनुसूची में डालने की पहल करे, ताकि झारखंड वासियों को उनका मान-सम्मान और अधिकार मिल सके। जरूरत हुई तो पूरी सरकार दिल्ली में भी इसके लिए अपनी पूरी ताकत लगाने से पीछे नहीं हटेगी।

सरकार के हर निर्णय का हो रहा जोरदार स्वागत : सरकार जो भी निर्णय ले रही है, उसका झारखंड की जनता जोरदार स्वागत कर रही है। हमारे कार्यों को लेकर हर तरफ हर्ष-उल्लास का वातावरण है। हमारी कार्यप्रणाली से लोगों में काफी उम्मीदें हैं और हम उनकी आशाओं को धूमिल नहीं होने देंगे। सभी को उनका हक-अधिकार और मान-सम्मान देने का जो सिलसिला शुरू हुआ है, अब थमेगा नहीं।

विकास और जनकल्याण के कार्य निरंतर जारी : तमाम चुनौतियों का सामना करते हुए जनकल्याण और विकास के कार्य सरकार लगातार कर रही है। लंबे समय से जो समस्याएं यहां व्याप्त थीं, उन्हें दूर करने का कार्य लगातार जारी है। आदिवासियों, दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों और वंचित वर्गों का जो दुःख- दर्द है, उसे दूर करने की दिशा में सरकार आगे बढ़ रही है। सरकार के कदम ना रुके थे और ना रुकेंगे। हम लगातार आगे बढ़ते रहेंगे।

झारखंड के लिए 11 नवंबर का दिन बेहद खास है : झारखंड के लिहाज से 11 नवंबर का दिन बेहद खास और ऐतिहासिक है। 11 नवंबर 1908 को ही छोटानागपुर टेनेंसी एक्ट वजूद में आया था। वहीं, पिछले वर्ष 11 नवंबर को झारखंड विधानसभा में सरना अलग धर्म के विधेयक को पारित कर केंद्र सरकार को भेजा गया था और एक बार फिर आज 1932 खतियान आधारित स्थानीयता और नियुक्ति तथा सेवाओं में आरक्षण वृद्धि का विधेयक झारखंड विधानसभा से पारित किया गया है। आदिवासी और मूलवासियों को उनका अधिकार देने के साथ यहां रह रहे सभी लोगों के हितों का भी पूरा खयाल और संरक्षण किया जायेगा।

(सीएम हेमंत सोरेन ने जैसा पत्रकारों से कहा)

झारखंड विधानसभा में विपक्ष पर जमकर बरसे सीएम हेमंत सोरेन

जेल में रह कर भी विपक्ष का कर देंगे सूपड़ा साफ

मुख्यमंत्री श्री सोरेन ने कहा कि आज विपक्ष के सीने पर आदिवासी-मूलवासियों की भावनाओं की कील ठोकी जा रही है। इन्होंने जो भी संशोधन पेश किये हैं, उसका उद्देश्य येन-केन-प्रकारेण मामले को लटकाने का है। उन्होंने कहा कि यह समूह ही विचित्र है। झारखंड विधानसभा के एक दिन के विशेष सत्र में दो अहम बिल को पारित कराने के बाद मुख्यमंत्री ने जोरदार भाषण दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह इडी, सीबीआइ जैसी केंद्रीय जांच एजेंसियों से डरने वाले नहीं हैं। जेल में रहकर भी विपक्ष का सूपड़ा साफ कर देंगे।

आदिवासी बोका नहीं रहा, धो-पोंछ कर फेंकेगा बाहर

विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने विपक्षी दलों को आड़े हाथ लिया। हेमंत सोरेन ने कहा कि आपके जैसे बेवकूफ नहीं हैं हम। आदिवासी अब बोका नहीं रहा। यही बोका आपको धो-पोंछकर बाहर फेंक देगा।

आखिरी लड़ाई लड़ रहे हैं बाबूलाल : हेमंत सोरेन ने कहा कि आज बाबूलाल मरांडी गला फाड़ रहे हैं। इन लोगों ने मधु कोड़ा को बर्बाद कर दिया। अर्जुन मुंडा को बर्बाद कर दिया। अब इनकी बारी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबूलाल जी आखिरी लड़ाई लड़ रहे हैं।

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फोन पर धमकी देते हैं

सीएम हेमंत ने भारतीय जनता पार्टी के साथ-साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी निशाने पर लिया। केंद्रीय जांच एजेंसियों को भाजपा का रिश्तेदार करार दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा सामंती सोच की पार्टी है। इनके मुखिया मोदी जी फोन पर धमकी देते हैं। ये मॉब लिंचिंग करने वाले लोग हैं। दरअसल सीएम हेमंत सोरेन पीएम नरेंद्र मोदी के उस वायरल फोन के आधार पर यह बोल रहे थे, जिसमें पीएम हिमाचल विस चुनाव में एक बागी प्रत्याशी से नामांकन वापस लेने के लिए दवाब बना रहे थे।

डरना या घुटने टेकना आदिवासियों के डीएनए में नहीं

सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि इस राज्य के लोग स्वाभिमानी होते हैं। मान-सम्मान से समझौता नहीं करते। डरना या घुटने टेकना आदिवासियों के डीएनए में नहीं है।

11 नवंबर का स्पेशल कनेक्शन बताया : मुख्यमंत्री ने 11 नवंबर का कनेक्शन भी बताया। पिछले साल इसी तारीख को हमने सरना कोड पास किया था। आज 11 नवंबर को ही 1932 का खतियान और ओबीसी को आरक्षण का अधिकार देने संबंधी बिल पास किया। उन्होंने बताया कि 11-11-1908 को ही सीएनटी लागू हुआ था।

हेमंत ने विधेयक को लंबी यात्रा में भेज दिया: बाबूलाल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी हमेशा झारखंड वासियों के हितों की चिंता करती रही है। हम स्थानीयता और आरक्षण विधेयक का कभी भी विरोधी नहीं रहे हैं। मरांडी ने कहा कि जब हम राज्य के मुख्यमंत्री थे, तो 27 प्रतिशत रिजर्वेशन और खतियान आधारित स्थानीय नीति पारित करवाया था, लेकिन बाद में कोर्ट में मामला अटक गया था। राज्य सरकार कुछ नया नहीं कर रही। इनको छोटा सा काम करना था, जो उन्होंने नहीं किया। इन्हें लंबी यात्रा में नहीं जाना चाहिए था। पता नहीं इनकी यात्रा कब समाप्त होगी। लंबी प्रक्रिया से गुजरना होगा। मरांडी ने कहा कि कोर्ट ने

जिन बिंदुओं पर आपत्ति दर्ज की थी, उन बिंदुओं का सिर्फ समाधान कर देने से यह विधेयक यहीं पर पारित हो जाता और फिर कल से लागू भी हो जाता। लेकिन उन्होंने इसे लंबी यात्रा में भेज दिया है, क्या पता वह तीर्थ यात्रा से कब लौटेगा। तीर्थयात्रा से लौटने के बाद ही तो प्रसाद मिलेगा।

मरांडी ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को इतनी घबराहट क्यों है। मॉनसून सत्र से लेकर शीतकालीन के अब तक इस सत्र को बनाये रखा है। पता नहीं इस सत्र को कब तक ले जायेंगे। उन्होंने कहा कि आनन-फानन में इस बिल को पारित कराने में बार-बार इधर से उधर पुर्जा देखना पड़ रहा था। इससे समझ में आता है कि मुख्यमंत्री ने भी कोई तैयारी नहीं की हुई थी। उन्होंने कहा कि भाजपा ने तो विधायक दल का नेता चुन कर के विधानसभा अध्यक्ष को भेज दिया है। वह जानबूझ कर मामला को लटकाये हुए हैं। उन्हें इस बात की चिंता है। वह जानते हैं, अगर नेता अपोजिशन के पद पर वहां बैठ जायेंगे तो हेमंत सोरेन जी को जवाब देना मुश्किल हो जायेगा। क्योंकि जब हमलोग सड़क पर निकलते हैं तो उनका पसीना छूटने लगता है। मरांडी ने कहा कि दावे के साथ कह सकता हूं कि शिबू सोरेन के परिवार ने रांची से लेकर दुमका तक सीएनटी/ एसपीटी एक्ट का सबसे ज्यादा उल्लंघन किया है।

मरांडी ने कहा कि सीएम हेमंत सोरेन के अभिभाषण से ऐसा प्रतीत हो रहा था, जैसे विदाई भाषण दे रहे हों। हेमंत सोरेन को आभास हो गया है कि उन्होंने जो गलती की है, इससे बचना मुश्किल है। इसलिए आज वह अंतिम भाषण शायद दे रहे थे। मरांडी ने कहा कि जिस प्रकार से इस राज्य में लूट हुई है, चाहे बालू हो, चाहे कोयला हो, चाहे लोहा हो, यहां तक कि जमीन भी, तो फिर उस लूट की जब जांच होगी तो बचेंगे नहीं। इनके कई एक दलाल और बिचौलिया होटवार के जेल पहुंच चुके हैं। अब इनकी बारी है।

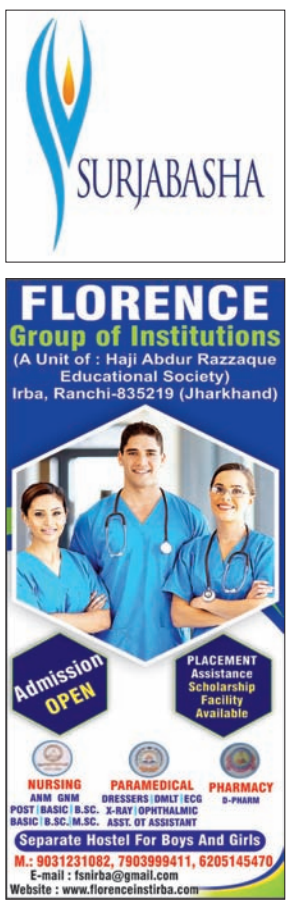

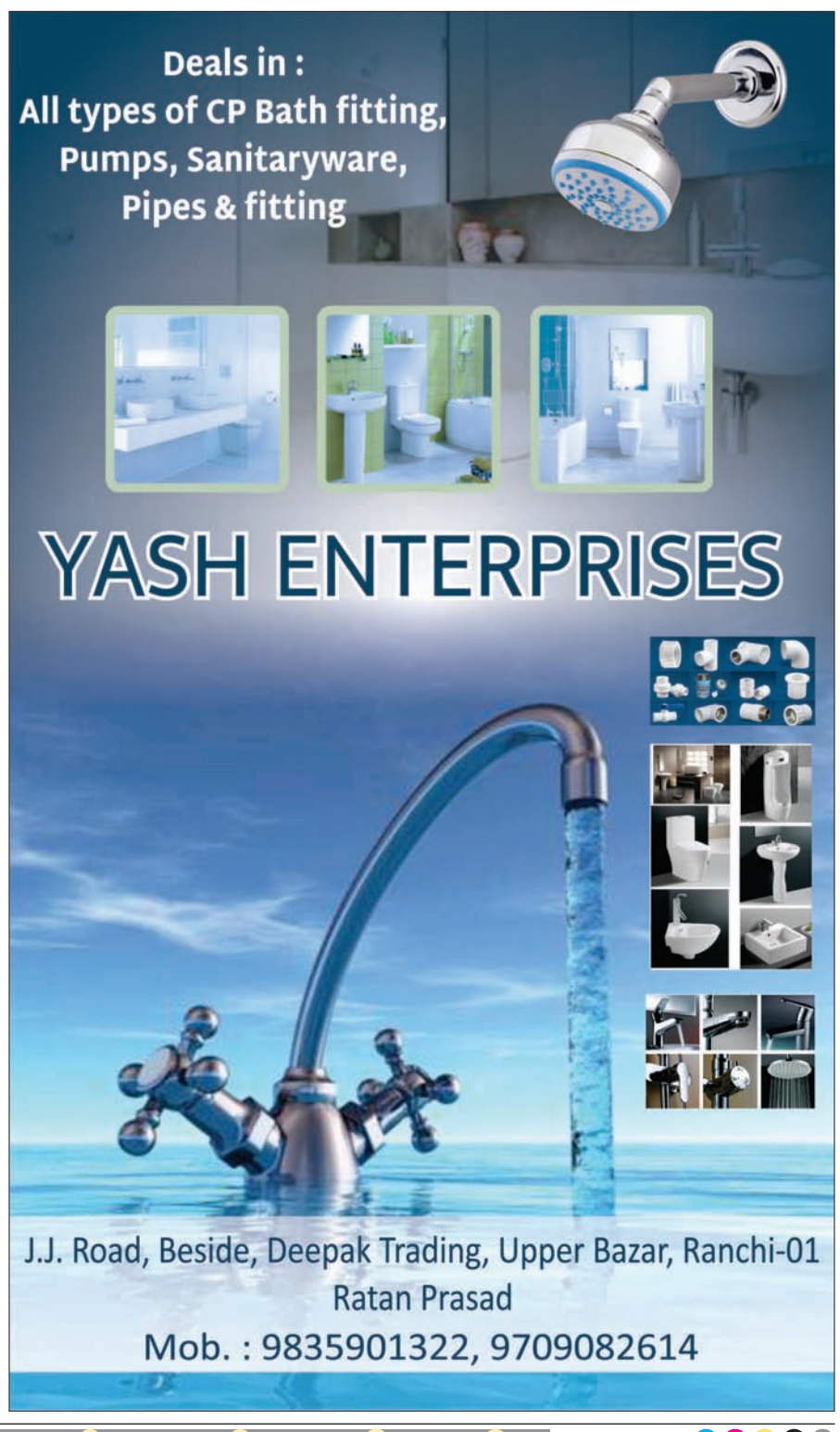

आजाद सिपाही
188100 Subscribers
झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
VIEWERSHIP 3 Crore 80 lakh+
Watch Time (HR) 11 Lakh+
YouTube Channel
Subscribe NOW
No 1 Channel

सर्राफा
सोना (बिक्री) 49,300 रु./10 ग्राम
चांदी 65,500 रु./प्रति किलो

आजाद सिपाही
रांची, शनिवार, 12 नवंबर, 2022
www.azadsipahi.com
02

ऐतिहासिक : दृढ़इच्छाशक्ति का प्रतीक है 1932 आधारित स्थानीय नीति और 27 प्रतिशत आरक्षण

हेमंत ने फिर साबित किया, जो कहते हैं, वह करते हैं

झारखंड की पांचवीं विधानसभा के दूसरे एक दिवसीय विशेष सत्र में 1932 के खतियान और पिछड़ा वर्गों को 27 प्रतिशत आरक्षण देने का विधेयक पास कराने के बाद अब मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सियासी अखाड़े में एक कदम आगे निकल गये हैं, क्योंकि ये दोनों मुद्दे उनके पास के दो सबसे बड़े सियासी हथियार माने जा रहे थे। पिछले साल 11 नवंबर को ही सरना धर्म कोड का प्रस्ताव पारित कर हेमंत सोरेन आदिवासियों के सबसे बड़े हितैषी बन गये थे और अब 1932 का खतियान का प्रस्ताव पास कर वह झारखंड को अपने एक मजबूत किले में बदलने की दिशा में एक कदम आगे बढ़ गये हैं। इसलिए केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई के बीच स्थानीयता और ओबीसी आरक्षण विधेयक लाने को हेमंत सोरेन का सबसे बड़ा राजनीतिक दांव कहा जा सकता है। यह सर्वविदित है कि झारखंड में स्थानीयता का मुद्दा यहां के आदिवासियों-मूलवासियों के लिए भावनाओं से जुड़ा रहा है। शायद यही वजह भी है कि 2019 के विधानसभा चुनाव से पहले जारी अपने घोषणापत्र में झामुमो ने इसका वादा किया था और आज उन्होंने साफ कर दिया कि वह जो कहते हैं, करते हैं। हेमंत राजनीतिक रूप से कितने परिपक्व हैं, इसका अंदाजा विधानसभा में शुक्रवार को उनके भाषण से भी लगता है। वह यह भी जानते हैं कि सरना धर्म कोड की तरह 1932 के खतियान और ओबीसी आरक्षण का मुद्दा दरअसल इस समय उनके लिए दोनों हाथों में लड्डू जैसा है। इन दोनों विधेयकों को विधानसभा से पारित कराने के बाद इन्हें केंद्र के पास भेजा जाना है। यदि वहां से मंजूरी मिली, तो झामुमो का चुनावी वादा पूरा हो जायेगा। यह हेमंत की सियासी जीत होगी। यदि केंद्र इसे नामंजूर करता है, तो झामुमो के लिए यह बड़ा चुनावी मुद्दा बनेगा। अपने इस कदम से हेमंत सोरेन फुल कॉन्फिडेंट नजर आ रह हैं, वह आगाज कर रहे हैं कि अबकी बार हम 75 की संख्या में रहेंगे। 1932 के खतियान और ओबीसी आरक्षण के मुद्दों के विभिन्न सियासी पहलुओं को रेखांकित कर रहे हैं आजाद सिपाही के **विशेष संवाददाता राकेश सिंह।**

राकेश सिंह

11 नवंबर का दिन एक बार फिर झारखंड के इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गया। 11 नवंबर 1908 को सीएनटी एक्ट बना। 11 नवंबर 2000 को झारखंड का गठन हुआ। 11 नवंबर 2021 को हेमंत सोरेन सरकार ने सरना धर्म कोड विधानसभा से पास कराया। अब 11 नवंबर 2022 को दो और एतिहासिक विधेयक झारखंड विधानसभा से पास हुए। राज्य की पांचवीं विधानसभा के दूसरे विशेष सत्र में 1932 का खतियान लागू करने के लिए विधेयक पारित हुआ। इसके तहत झारखंड में अब तीसरी और चौथी श्रेणी की नौकरी उसी को मिलेगी, जिसके पास 1932 का खतियान होगा। वहीं दूसरे विधेयक के पास होने से अब राज्य में ओबीसी आरक्षण 14 से बढ़ा कर 27 फीसदी हो जायेगा। इस तरह राज्य में कुल 77 प्रतिशत आरक्षण लागू होगा। विधानसभा ने इन दोनों विधेयकों को संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल करने का भी प्रस्ताव पारित किया है। दोनों विधेयकों को अब सुरक्षा कवच पहनाने के लिए केंद्र सरकार के पास भेजा जायेगा। केंद्र की मंजूरी के बाद ये विधेयक कानून का रूप लेंगे। हेमंत सोरेन ने यह इसलिए किया है, क्योंकि नौवीं अनुसूची में एक बार शामिल होनेवाले कानूनों को कोर्ट में चुनौती नहीं दी जा सकती।

झारखंड के सियासी आसमान पर छाये राजनीतिक बादलों की घुमक्कड़ी के बीच हेमंत सोरेन सरकार ने इन दोनों विधेयकों को पास करा कर अपना पक्ष पूरी तरह मजबूत कर लिया है। विधानसभा से पारित इन दोनों विधेयकों के बाद राज्य की सियासत में चर्चाओं का बाजार फिर से गर्म हो गया है। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि इसका नतीजा क्या होगा और हेमंत सोरेन को इसका सियासी लाभ क्या होगा। सियासी लाभ के सवाल का जवाब हेमंत सोरेन के एक बयान से समझा जा सकता है, जहां उन्होंने कहा कि अबकी बार वह 52 से बढ़ कर 75 कि संख्या में रहेंगे। इस विधेयक के पास होने से हेमंत सोरेन राजनीतिक रूप से किस कदर मजबूत महसूस कर रहे हैं, इसका अंदाजा उनके इस बयान से लगाया जा सकता है कि अब केंद्र चाहे केंद्रीय एजेंसियों को जितना भी हमारे पीछे लगाये, चाहे षडयंत्र करके जेल भेज दे, हम जेल से भी इन्हें हरा देंगे, चुनाव में इनका सूपड़ा साफ कर देंगे। यही नहीं, उन्होंने यहां तक कहा कि झारखंड में एक ऐसा गिरोह सक्रिय है, जो नहीं चाहता है कि आदिवासियों को उनका हक मिले, उनकी पहचान बने।

1932 के खतियान की पूरी कहानी

झारखंड में 1932 के खतियान को स्थानीयता का आधार मानने की मांग यहां के लोग झारखंड गठन के बाद से ही करते रहे हैं। यहां के आदिवासी और मूलवासी हमेशा से कहते रहे हैं कि झारखंड में बाहर से आकर बसे लोगों ने यहां के स्थानीय बाशिंदों के अधिकारों का अतिक्रमण किया है, उनका शोषण किया है। लिहाजा, यहां की स्थानीय नीति 1932 के खतियान के आधार पर बनायी जानी चाहिए। उनके इस कथन में सच्चाई भी है, क्योंकि हर राज्य वहां के स्थानीय निवासियों के हित में स्थानीय और नियोजन नीति बनाता है और उसे लागू करता है।

लेकिन एक बात साफ है कि हेमंत सोरेन 1932 के खतियान और ओबीसी आरक्षण के मुद्दे की संवेदनशीलता को समझते हैं और इसके प्रति अपनी सरकार की गंभीरता-प्रतिबद्धता को कई बार दर्शा चुके हैं। ऐसे में एक बड़ा सवाल है कि आखिर स्थानीयता के लिए 1932 के खतियान पर ही जोर क्यों दिया जा रहा है। क्या इसके पीछे कोई राजनीतिक या सामाजिक कारण है। इस सवाल का जवाब पाने के लिए इस तथ्य पर ध्यान देना होगा कि झारखंडी की पहचान बताने वाला शब्द जोहार अब खतियानी जोहार में बदल रहा है। अब सिर्फ जोहार काफी नहीं है।

बार-बार 1932 का ही जिक्र क्यों

झारखंड गठन के बाद से ही 1932 के खतियान का जिक्र होता रहा है। 1932 के खतियान को आधार बनाने का सीधा अर्थ है कि उस समय के लोगों का नाम ही खतियान में होगा, यानि 1932 के वंशज ही झारखंड के असल निवासी माने जायेंगे। हालांकि राजनीतिक रूप से 1932 के खतियान को भी विवादास्पद बनाने की कोशिश की जाती रही है। कहा जाता रहा है कि झारखंड में ऐसे बहुत से लोग हैं, जिनके पास 1932 का खतियान नहीं है। वे लोग ऐसे कानून से वंचित हो जायेंगे। हेमंत सोरेन ने बहुत ही बुद्धिमानी से उसका भी काट खोज निकाला है। उन्होंने साफ किया है कि जो यहां शुरू से रहते आ रहे हैं और उनके पास अगर खतियान नहीं है, वह भूमिहीन है, तो ग्रामसभा उनकी शिनाख्त करेगी। उसके आधार पर उन्हें खतियानी मान लिया जायेगा।

क्या है इतिहास

बिरसा मुंडा के आंदोलन के बाद 1908 में छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम यानी सीएनटी एक्ट बना। इसी एक्ट में 'मुंडारी खूंटकट्टीदार' का प्रावधान किया गया। इसी प्रावधान में यह व्यवस्था की गयी, जिसके जरिये आदिवासियों की जमीन को गैर आदिवासियों के हाथों में जाने से रोका गया। आज भी 'खतियान' यहां के भूमि अधिकारों का मूल मंत्र या संविधान है। 1831-1833 के कोल विद्रोह के बाद 'विल्किंसन रूल' आया। कोल्हान की भूमि 'हो' आदिवासियों के लिए सुरक्षित कर दी गयी। यह व्यवस्था निर्धारित की गयी कि कोल्हान का प्राशासनिक कामकाज हो, मुंडा और मानकी के द्वारा कोल्हान के सुपरिंटेंडेंट करेंगे। इस इलाके में साल 1913-1918 के बीच जमीन का सर्वे हुआ और इसी के बाद 'मुंडा' और 'मानकी' को खेवट में विशेष स्थान मिला। आदिवासियों को जंगल पर हक इसी सर्वे के बाद दिया गया। फिर 1947 में देश आजाद हुआ और 1950 में बिहार भूमि सुधार एक्ट आया। इसको लेकर आदिवासियों ने प्रदर्शन किया। साल 1954 में एक बार इसमें संशोधन किया गया और मुंडारी खूंटकट्टीदारी को इसमें छूट मिल गयी।

बाबूलाल मरांडी के शासन काल में 2002 में राज्य की डोमिसाइल पॉलिसी घोषित की गयी थी। उसके तहत भी 1932 के सर्वे सेटलमेंट को स्थानीयता का आधार माना गया था, लेकिन वह फैसला इतना विवादास्पद हो गया कि राज्य हिंसा की आग में जलने लगा और अंततः बाबूलाल मरांडी को कुर्सी गंवानी पड़ी थी। उसके बाद झारखंड हाइकोर्ट की खंडपीठ ने इससे संबंधित जनहित याचिकाओं की सुनवाई करते हुए सरकार के उस निर्णय पर तत्काल रोक लगा दी थी। हाइकोर्ट ने सरकार को कहा था कि वह अपनी स्थानीय नीति लेकर आये। उसके बाद राज्य में कई सरकारें बनीं, लेकिन किसी सरकार ने स्थानीयता की नीति नहीं बनायी। सरकारें इसे विवादास्पद मान कर इससे बचती रहीं। हेमंत सोरेन ने साहसिक कदम उठाते हुए इसी स्थानीय नीति के सवाल पर अर्जुन मुंडा की सरकार को अलविदा कर दिया। फिर उन्होंने कांग्रेस की मदद से राज्य में सरकार बनायी। सरकार बनने के बाद साल 2013 में अपने पहले मुख्यमंत्रित्व काल में हेमंत सोरेन ने स्थानीय नीति पर सुझाव देने के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित कर दी। हालांकि तब यह नीति नहीं बन सकी। विपक्ष इसके लिए उन्हें ताना भी मारता रहा। दिशोम गुरु और झामुमो प्रमुख शिबू सोरेन भी 1932 के खतियान को आधार मान कर स्थानीय नीति बनाये जाने की वकालत करते रहे हैं, लेकिन उनके खुद के मुख्यमंत्री रहते यह नीति नहीं बन सकी। साल 2014 में हुए विधानसभा चुनाव के बाद हेमंत सोरेन की सरकार चली गयी और भाजपा गठबंधन की सरकार ने कामकाज संभाला। उस सरकार ने साल 1985 को कट ऑफ डेट मानते हुए स्थानीय नीति की घोषणा की, जिसका व्यापक विरोध हुआ। तब भी लोगों ने साल 1932 को कट ऑफ मान कर स्थानीय नीति बनाने की अपनी सालों पुरानी मांग दोहरायी। 2019 के विधानसभा चुनाव में झामुमो ने 1932 के खतियान को अपना मुख्य मुद्दा बनाया। उसका असर यह हुआ कि चुनाव में भाजपा बुरी तरह पराजित हो गयी और हेमंत सोरेन की झामुमो ने 30 का आंकड़ा पा लिया। झामुमो की मदद से यहां कांग्रेस की भी बांछें खिल गयीं। 2019 में हेमंत सोरेन के नेतृत्व में झारखंड में नयी सरकार बनी। तब 1932 के खतियान के पक्ष में झामुमो नेताओं के स्टैंड से यह मामला झारखंड की सियासत का केंद्र बिंदु बन गया। यही नहीं, हेमंत सोरेन ओबीसी आरक्षण के सवाल पर भी बार-बार भाजपा को घेरते रहे कि उसने इसे घटा कर 14 प्रतिशत कर दिया। यही कारण था कि ओबीसी आरक्षण को 27 प्रतिशत तक बढ़ाने का प्रस्ताव भी राजनीतिक तौर पर बहुत आगे बढ़ चुका था।

इसलिए हेमंत सोरेन ने इन दोनों प्रस्तावों को पास कराने के बाद गेंद अब केंद्र के पाले में डाल दी है। केंद्र सरकार अगर राज्य के इस प्रस्ताव को मानेगी, तो 1932 के सर्वे सेटलमेंट के आधार पर बनी स्थानीय नीति का मामला नौवीं अनुसूची में शामिल हो जायेगा। उसे किसी अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकेगी। इसका सीधा लाभ हेमंत सोरेन और झामुमो को मिलेगा। दूसरी तरफ अगर केंद्र सरकार इसे नहीं मानती है, तो हेमंत सोरेन इसे चुनावी मुद्दा बना कर फिर 2024 के चुनाव में आदिवासियों का वोट बटोर लेंगे। कुल मिला कर यह कहा जा सकता है कि हेमंत सोरेन ने निश्चित रूप से अपना कद बड़ा कर लिया है और झारखंड में झामुमो को एक मजबूत पार्टी के रूप में स्थापित कर दिया है। यही नहीं, वह 1932 की खतियान आधारित स्थानीय नीति की मांग करनेवाले झारखंडियों के हीरो बन गये हैं।

सदन में विपक्ष ने कहा: नौवीं अनुसूची में शामिल करना लंबी प्रकिया

रांची (आजाद सिपाही)। हेमंत सरकार ने शुक्रवार को विधानसभा में बहुतप्रतीक्षित 1932 खतियान आधारित स्थानीय नीति और नया आरक्षण विधेयक पास किया। विपक्ष ने इसे आईवॉश करार देते हुए नौवीं अनुसूची में शामिल करने को लंबी प्रक्रिया बताया। विपक्ष ने सरकार से आवश्यक संशोधन प्रस्ताव लाते हुए कहा कि सरकार संकल्प जारी करके इसे पहले लागू करे, इसके बाद नौवीं अनुसूची में शामिल करे, क्योंकि यह पूरी तरह से राज्य सरकार का मसला है। विपक्ष का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि हम पिछले अनुभव को देखते हुए इसे कोर्ट-कचहरी के चक्कर से बचाना चाहते हैं, साथ ही इसे कानूनी सुरक्षा कवच प्रदान करना चाहते हैं।

आरक्षित सीट को आरक्षित कोटे से ही भरा जाये : अमित यादव

निर्दलीय विधायक अमित कुमार यादव ने ओबीसी आरक्षण और स्थानीय नीति में संशोधन प्रस्ताव लाते हुए कहा कि एसटी, एससी और ओबीसी आरक्षण को लेकर स्थिति यह है कि सामान्य जाति के छात्र-छात्राएं भी आरक्षित सीटों में घुस कर नौकरी प्राप्त कर ले रहे हैं। ऐसी व्यवस्था हो कि आरक्षित सीट को आरक्षित कोटे के स्टूडेंटस से ही भरा जाये इसलिए नये आरक्षण प्रस्ताव पर संशोधन की जरूरत है। अमित यादव ने कहा कि कई जिलों के लोगों के पास खतियान नहीं है। उनका क्या होगा। सरकार यह व्यवस्था सुनिश्चित करे कि ग्राम सभा वंशावली को एप्रूव करे, बीडीओ उसे अटेस्टेड करें, नहीं तो लाखों बांग्लादेशी और अन्य लोग उसका लाभ ले लेंगे।

सीएम का जवाब

प्रभारी मंत्री सह सीएम ने कहा कि इन्हीं सब समस्याओं का समाधान करने के लिए सरकार इस विधेयक को ला रही है और इसे कानूनी सुरक्षा प्रदान करने जा रही है। 20 साल में पहली बार जेपीएससी ने एकाउंट का रिजल्ट जारी किया, जिसमें 90 प्रतिशत एसटी, एससी और ओबीसी के छात्रों ने पास किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई बाहर नहीं होगा, आप चिंता न करें। सरकार बहुत सोच-समझ कर कदम आगे बढ़ा रही है।

पिछड़ा आयोग की अनुशंसा के आधार पर ओबीसी को मिले 36 प्रतिशत आरक्षण : डॉ लंबोदर महतो

आजसू विधायक लंबोदर महतो ने संशोधन प्रस्ताव लाते हुए कहा कि हम सरकार के दोनों विधेयकों का समर्थन करते ह,मगर ओबीसी के साथ फिर अन्याय होने जा रहा है। सरकार की ही इकाई राज्य पिछड़ा आयोग ने 55 प्रतिशत ओबीसी के लिए 36 से 50 प्रतिशत तक आरक्षण सीमा दायरा बढ़ाने की सिफारिश की है। इसलिए बीसी वन को 15 से बढ़ा कर 20 और बीसी टू को 12 से बढ़ा कर 16 प्रतिशत करते हुए 36 प्रतिशत आरक्षण दें। उन्होंने कहा कि सरकार लोगों की आंख में धूल झोंकने का काम कर रही है। राज्य सरकार को पहले संकल्प जारी करके इसे राज्य में लागू करना चाहिए, ताकि बहालियों में ओबीसी को तुरंत उसका लाभ मिल सके। इसके बाद नौवीं अनुसूची में शामिल करने के लिए भेजा जाये। उन्होंने यह भी कहा कि इसे लागू करने के बाद ही नयी बहालियां हों, ताकि स्थानीय इसका लाभ उठा सकें।

सीएम का जवाब

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सदन में इसका जवाब देते हुए कहा कि आपने ही तो पहले 27 प्रतिशत दिया था। क्या हुआ कोर्ट में चला गया और फिर आपने कम कर दिया। अब कानूनी सुरक्षा प्रदान करके इसे लागू करना चाहते हैं, ताकि कोर्ट के झमेले में न पड़े.

नौवीं अनुसूची लंबी प्रक्रिया, सरकार संकल्प जारी करके इसे लागू करे: रामचंद्र चंद्रवंशी

भाजपा विधायक रामचंद्र चंद्रवंशी ने सरकार द्वारा लाए गये दोनों विधेयक का समर्थन किया, मगर कहा कि इसमें कई त्रुटियां हैं, जिन्हें दूर करने की जरूरत है। इसे नौवीं अनुसूची में शामिल करने के लिए भेजने से देर होगी। इधर बहालियां शुरू हो जायेंगी। इसलिए सरकार झुनझुना दे रही है। सरकार के पास अधिकार है कि इसे वह एक संकल्प जारी करके लागू कर सकती है। जब बहाली शुरू हो जायेगी, तो इन नीतियों को लेकर जनता क्या झाल बजायेगी। यह महज दिखावा है।

सीएम का जवाब

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि नौवीं अनुसूची में शामिल करने की जरूरत क्यों पड़ रही है, ये खुद भाजपा के लोग भी जानते हैं। आपने 1985 आधारित स्थानीय और नियोजन नीति बनायी, क्या हुआ। कोर्ट के पचड़े में पड़ कर फंस गयी। आप फिर क्या चाहते हैं कि ये मसले उलझे ही रहें। हम अब वैसा कोई काम करने नहीं जा रहे हैं।

स्थानीय नीति में नियोजन शब्द जोड़ा जाये, तभी लोगों को फायदा : विनोद सिंह

माले विधायक विनोद सिंह ने संशोधन प्रस्ताव लाते हुए कहा कि 15 नवंबर 2000 के बाद पहली बाहर ये दोनों अहम मसले आज सदन में लाये गये हैं। इसका उनकी पार्टी समर्थन करती है। 1985 खतियान आधारित स्थानीय नीति में कई कमियां थी, जो अब खत्म होंगी। मगर इन विधेयकों में भी कई कमियां हैं, जिन्हें सुधारने की जरूरत है। स्थानीय नीति आधारित ही नियोजन नीति बननी चाहिए। अगर नियोजन नीति इसमें नहीं जुड़ी, तो यह नीति अधूरी रह जायेगी। ऐसे परिवार जिनके पास खतियान नहीं हैं, उनका क्या होगा। इसके बारे में भी सरकार को स्पष्ट नीति बनानी चाहिए।

सीएम का जवाब

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि जो स्थानीय नीति बनायी जा रही है, यही नियोजन का भी आधार बनेगी। आपकी चिंता सही है, मगर यही आधार बनेगी तृतीय और चतुर्थ वर्ग की नौकरियों का। न केवल सरकारी, बल्कि निजी क्षेत्रों में भी इसका लाभ मिलेगा।

बाबूलाल और सुदेश खामोश बैठे रहे, विधायकों ने हंगामा मचाया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान विपक्ष (भाजपा और आजसू) ने स्थानीय नीति और ओबीसी आरक्षण बढ़ाये जाने का समर्थन किया। सत्र के दौरान पूरे दिन भाजपा विधायकों ने केवल हंगामे और नारेबाजी में समय बर्बाद किया।

भाजपा विधायकों ने किया हंगामा

सीएम के भाषण के पहले और भाषण के दौरान भाजपाइयों ने बार-बार हंगामा मचाया। कई बार तो भाजपा के कुछ विधायक भानु प्रताप शाही, नवीन जयसवाल, रणधीर सिंह आदि वेल तक पहुंच गये।

बाबूलाल और सुदेश रहे खामोश

स्पीकर डॉ रवींद्र नाथ महतो ने कई बार विपक्षी विधायकों को फटकार लगायी, मगर किसी ने नहीं सुनी। स्पीकर ने भानु प्रताप शाही से कहा कि आप संशोधित प्रस्ताव तो नहीं लाये, मगर केवल हंगामा कर रहे हैं। इसके बावजूद भाजपा विधायकों का हंगामा और नारेबाजी जारी रही। सदन में विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी और आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो पूरी तरह से खामोश बैठे रहे।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
188100 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 80 lakh+
Watch Time (HR) 11 Lakh+
YouTube Channel
Subscribe NOW
No. 1 Channel

वेदर

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	26.6 °c	15.2 °c
सूर्यास्त (आज) :		17.05 बजे
सूर्योदय (कल) :		06.00 बजे

आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार
22 दिन
कुल आवेदन प्राप्त 46,60,236*
कुल निष्पादन 29,02,093*
कुल प्रक्रियाधीन 17,58,143*
*डाटा जानकारी 11/11/2022, 06:00 PM
स्रोत :- https://sarkaraapkedwar.jharkhand.gov.in/
P.R. 282102 (IPRD) 22-23
सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

विधानसभा से 1932 खतियान आधारित स्थानीय नीति और नयी आरक्षण पॉलिसी पास होने पर हर तरफ खुशी

सीएम हाउस से लेकर मेन रोड तक जश्न, हेमंत ने की आतिशबाजी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा से 1932 खतियान आधारित स्थानीय नीति और नयी आरक्षण पॉलिसी पास होने पर सीएम हाउस से लेकर मेन रोड तक जश्न मनाया गया। मेन रोड में झामुमो ने विजय जुलूस निकाला। रांची के विभिन्न सरना संगठनों और सरना स्थलों पर भी जश्न मनाया गया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से केंद्रीय सरना समिति, मूलवासी-सदान मोर्चा सहित कई आदिवासी-मूलवासी संगठन और नेताओं ने मुलाकात की।

खुद मुख्यमंत्री ने भी आदिवासियों के साथ अपने आवास पर आतिशबाजी की। केंद्रीय सरना समिति अध्यक्ष अजय तिर्की के नेतृत्व में कई लोग सीएम से मिले। सीएम को बधाई दी। मूलवासी-सदान मोर्चा नेता राजेंद्र प्रसाद भी स्पीकर और सीएम से मिले। सीएम से मिल कर बधाई देने वालों में प्रकाश हंस, नवनीत उरांव, किशोर लोहरा, राजी पड़हा सरना धर्म प्रार्थना सभा के प्रो प्रवीण

उरांव, सुभानी तिग्गा, योगेंद्र उरांव, राहुल उरांव, जयंत कच्छप, मुन्ना उरांव, रीना तिर्की, रीता तिर्की, गुड़िया तिर्की सहित कई शामिल थे।

निकाला विजय जुलूस

1932 की खतियान आधारित स्थानीयता और आरक्षण विधेयक के पास होने पर झामुमो कार्यकर्ताओं ने भी खुशी मनायी। अल्बर्ट एक्का चौक पर जुटे सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को धन्यवाद दिया। कहा कि आज का दिन झारखंड के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखा जायेगा। रांची जिला झामुमो अध्यक्ष मुश्ताक आलम ने बताया कि झामुमो जो कहता है, वह करता है। सरकार के करीब तीन साल पूरे होने के बाद हेमंत सोरेन ने इस वादे पर अमल करते हुए आज इसे विधानसभा से पारित कर दिया। पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति को 28 प्रतिशत, अनुसूचित जाति को 12 प्रतिशत आरक्षण का विधेयक भी सदन से पास कराया गया। तृतीय और चतुर्थ वर्ग की नौकरियां अब स्थानीय को ही मिलेंगी। सही मायने में अब झारखंडियों को इसका लाभ मिलेगा।

1932 खतियान विधेयक पारित होने पर सीएम का जताया आभार

रांची। झारखंड विधानसभा के विशेष सत्र में 1932 खतियान आधारित स्थानीयता और नियुक्ति तथा सेवाओं में आरक्षण वृद्धि का विधेयक पारित होने पर मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय परिसर में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का जोरदार स्वागत और अभिनंदन किया गया। केंद्रीय सरना समिति झारखंड प्रदेश और सरना प्रार्थना सभा के प्रतिनिधियों ने आभार जताया। वहीं, सीएम ने इस अवसर पर राज्यसभा सांसद और पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन से मुलाकात की और उनका आशीर्वाद लिया।

गुरुजी ने दिया झारखंड, हेमंत ने दिलायी झारखंडियों को पहचान : झामुमो

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झामुमो रांची जिला समिति के जिलाध्यक्ष मुशताक आलम के नेतृत्व में सभी कार्यकर्ता अल्बर्ट एक्का चौक के समीप एकत्रित होकर झारखंड विधान सभा के विशेष सत्र का लाइव प्रसारण देखा। सरकार के ऐतिहासिक निर्णयों का साक्षी बने।

वहीं झामुमो कार्यकर्ताओं ने लोगों के बीच मिठाई बांट कर खुशी मनायी। कार्यकर्ताओं ने कहा कि गुरुजी ने दिलाया झारखंड, हेमंत सोरेन ने दिलाया झारखंडियों का हक और अधिकार। इस मौके पर झामुमो के केंद्रीय सदस्य समनुर मंसूरी, डॉ चिंतामणि सांगा, अफरोज अंसारी, अंतु तिर्की, एजाज शाह, डॉ हेमलाल कुमार मेहता हेमू, अश्विनी शर्मा, जनक नायक, कलाम आजाद, बीरू साहू, बीरू तिर्की, लालज कुमार नाथ शाहदेव, जुलफीकार खान, आदिल इमाम, आफताब आलम, प्रदीप मिर्धा, नौशाद चांद, जितेंद्र गुप्ता, अजित नायक, डॉ तालकेश्वर महतो, मधु तिर्की, प्रदीप शर्मा, संजय राय, मंटू लाला, रमेश साहू, दिलीप कच्छप सहित कई अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

सरकार की नयी स्थानीय और नियोजन नीति लटकाने, भटकाने अटकानेवाली: दीपक प्रकाश

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। हेमंत सोरेन सरकार ने शुक्रवार को विधानसभा में स्थानीय और नियोजन नीति विधेयक पास कर दिया। इसके बाद भी प्रदेश भाजपा इस पर सवाल उठा रही है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और सांसद दीपक प्रकाश ने सरकार की नयी स्थानीय और नियोजन नीति को लटकाने, भटकाने और अटकाने वाली विधेयक बताया है। कहा कि भारतीय जनता पार्टी राज्य गठन के पूर्व से ही जन भावनाओं के साथ खड़ी है। स्व अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी के नेतृत्व में झारखंड राज्य का गठन हुआ। भाजपा ने अलग राज्य के सपनों को साकार किया, जबकि आज के सत्ताधारी दलों ने कैसे अलग राज्य के आंदोलन को बदनाम किया, बेचा और खरीदा, यह जनता जानती है। आज भ्रष्टाचार में आकंठ डूबी सरकार, आरोपों से घिरे मुख्यमंत्री और उनके कुनबे को 32 महीनों के बाद 1932 के खतियान की याद आ गयी। मुख्यमंत्री ने फिर एक बार राज्य की जनता को दिग्भ्रमित किया है। इनकी मंशा साफ नहीं है। ये सिर्फ दिखावा करना चाहते हैं।

इनकी नियत में खोट है। राज्य सरकार को स्थानीय नीति, नियोजन नीति बनाने, लागू करने का पूरा अधिकार भारत के संविधान ने दिया है, फिर नौवीं अनुसूची की बहानेबाजी क्यों हो रही। इससे यह स्पष्ट हो चुका है कि हेमंत सोरेन सरकार की मंशा साफ नहीं है।

संकल्प लाकर हो नीति की घोषणा : दीपक प्रकाश ने कहा कि जैसे भाजपा की पूर्व सरकार ने संकल्प के आधार पर स्थानीय नीति और नियोजन नीति को परिभाषित करते हुए लागू किया था, उसी तर्ज पर हेमंत सरकार भी बहानेबाजी छोड़ स्थानीय नीति और नियोजन नीति लागू करे। हेमंत सरकार का आदिवासी, दलित, पिछड़ा विरोधी चेहरा उजागर हो चुका है। विधेयक में अनुसूचित जाति का उल्लेख तक नहीं है। ऐसे ही अपनी परंपरा, संस्कृति का पालन करनेवाला जनजाति समाज विकास की बाट जोह रहा है। दीपक ने सीएम से उनके मंत्रिमंडल में हो, मुंडा, आदिम जनजाति समाज के लोगों की भागीदारी पर भी सवाल पूछा है।

पिछड़ा विरोधी है कांग्रेस

दीपक प्रकाश ने कहा कि आज जिस कांग्रेस की गोद में बैठ कर हेमंत सोरेन सरकार चला रहे, उसी कांग्रेस ने दस वर्षों तक मंडल कमीशन रिपोर्ट को ठंडे बस्ते में डाल दिया था। पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक अधिकार नहीं दिया था। आज ये लोग पिछड़ों का हितैषी बनने का नाटक कर रहे। पिछड़ों को आरक्षण संबंधी बिल भी दिखावा है। राज्य सरकार को यदि पिछड़ों की इतनी ही चिंता थी तो फिर बिना आरक्षण दिये पंचायत चुनाव क्यों कराये गये और अब नगर निकाय चुनाव कराने की भी बात बिना आरक्षण के ही हो रही। आखिर यह कैसी सोच है। स्पष्ट है कि राज्य सरकार की नियत और नीति दोनों में खोट है। मोदी सरकार ने पिछड़ा वर्ग आयोग को सांवैधानिक दर्जा दिया। आज केंद्रीय मंत्रिमंडल में सर्वाधिक मंत्री पिछड़ा समाज के हैं। भाजपा जो कहती है, वही करती है।

दलीय चर्चा नहीं करा कर लोकतांत्रिक परंपराओं की अनदेखी हुई है : सुदेश

वंशावली व्यवस्था को मंजूरी देनी चाहिए थी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार द्वारा स्थानीयता एवं आरक्षण के संदर्भ में पास कराया गया विधेयक बस एक राजनीतिक पहल मात्र है। विषयों को जिंदा रख कर राजनीति करना ही झामुमो-कांग्रेस की फितरत रही है। उन्होंने कहा कि झारखंडी जनमानस की भावनाओं तथा यहां की पहचान और अस्मिता से जुड़े विषय पर दलीय रूप से चर्चा नहीं होना दुर्भाग्यपूर्ण है। विशेष सत्र में लोकतांत्रिक परंपराओं की अनदेखी हुई। श्री महतो ने कहा कि एक तरफ सरकार झारखंडियों को रक्षा कवच प्रदान करने की बात करती है और दूसरी ओर स्थानीय नीति में वंशावली को जगह नहीं देती। इससे इनकी मंशा स्पष्ट होती है। सरकार को यह सुनिश्चित करना था कि कोई अयोग्य व्यक्ति किसी भी रास्ते से आकर झारखंडियों की हकमारी नहीं करे, लेकिन वंशावली व्यवस्था को हटा कर सरकार ने बहुत बड़ी गलती की है।

आबादी के अनुसार ही आरक्षण का दायरा सुनिश्चित हो

श्री महतो ने कहा कि हमारा यह स्पष्ट मंतव्य है कि आबादी के अनुसार ही आरक्षण का दायरा सुनिश्चित हो। इसके लिए जातीय जनगणना की निहायत जरूरत है। बिहार सरकार की तर्ज पर अगर हम भी आगे बढ़ते तो चुनौती देने का रास्ता बंद हो जाता, लेकिन सरकार ने अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षा के चक्कर में हड़बड़ी में निर्णय लेकर चुनौतियों का द्वार खोल दिया है। कहा कि इसे लेकर हमने विभिन्न मंचों के माध्यम से सरकार से आग्रह भी किया और मुख्यमंत्री को पत्र लिख कर स्थानीय नीति के साथ-साथ नियोजन नीति लागू करने की मांग भी की। लेकिन विधानसभा के विशेष सत्र में इस विषय पर सरकार की ओर से कोई जवाब नहीं आया। यह अफसोसजनक है।

अधिकार दिवस के तौर पर मनाया जायेगा 11 नवंबर : झामुमो

हर वर्ष पूरे देश में जितने भी आदिवासी और मूलवासी हैं, उनके लिए यह दिन शुभ दिन होगा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के वरिष्ठ नेता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि 11 नवंबर का दिन धर्म सम्मान, पहचान और अधिकार दिवस के तौर पर मनाया जायेगा। उन्होंने कहा कि आज का दिन झारखंड के लिए ऐतिहासिक है। ये लड़ाई और मांग छोटी नहीं थी। राज्य अलग होने की बुनियाद इसी से तय की गयी थी। राज्य के साढ़े तीन करोड़ लोग दिशोम गुरु के पुत्र मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गुरुजी के संघर्ष को सर्वोच्च सम्मान दिया। सुप्रियो भट्टाचार्य शुक्रवार को पार्टी कार्यालय में प्रेस कांफ्रेंस में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि राज्य जब अलग हुआ, तो पिछड़ों के पास 27 प्रतिशत आरक्षण का अधिकार था, जिसे इस प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी के साथ मिल कर सुदेश महतो ने 14 प्रतिशत कर दिया था। आज उस गद्दारी को सबक मिला। यहां के लोगों की मांग सरना धर्म कोड को लेकर 11 नवंबर को पिछले साल सरना धर्म कोड पास किया गया था। इस वर्ष 11 नवंबर को झारखंडियों की पहचान और अधिकार देते हुए 1932 खतियान आधारित स्थानीय नीति और ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण देने का काम किया। अगले वर्ष से 11 नवंबर के दिन धर्म सम्मान पहचान और अधिकार दिवस के तौर पर मनाया जायेगा। अब हर वर्ष पूरे देश में जितने भी आदिवासी और मूलवासी हैं, उनके लिए यह दिन शुभ दिन होगा। उन्होंने कहा कि 1928 में ब्रिटिश काल में मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा ने ब्रिटिश सरकार से मांग की थी कि झारखंड, बिहार, ओड़िशा और बंगाल को मिला कर आदिवासी इलाके को एक अलग प्रांत बनाया जाये। इसके बाद अलग प्रांत की फिर पहचान की लड़ाई शुरू हुई। उन्होंने कहा कि 100 साल तक चली इस पहचान की लड़ाई को हेमंत सोरेन ने उपहार स्वरूप दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा राजनीति के लिए आदिवासी महिला को राष्ट्रपति तो बना सकती है, लेकिन आदिवासी मुख्यमंत्री को सहन नहीं कर सकती।

आजाद सिपाही
188100 Subscribers
झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
VIEWERSHIP 3 Crore 80 lakh+
Watch Time (HR) 11 Lakh+
YouTube Channel
Subscribe NOW
No 1 Channel

आजाद सिपाही
रांची, शनिवार, 12 नवंबर, 2022
www.azadsipahi.com

झारखंड में अब सिर्फ 1932 के खतियान वालों को थर्ड और फोर्थ ग्रेड की नौकरी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। 11 नवंबर का दिन एक बार फिर झारखंड के इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गया। 11 नवंबर 1908 को सीएनटी एक्ट बना, 11 नवंबर 2021 को सरना कोड विधानसभा से पास हुआ। अब 11 नवंबर 2022 को दो और ऐतिहासिक विधेयक झारखंड विधानसभा से पास हुए। विधानसभा के विशेष सत्र में (झारखंड स्थानीय व्यक्तियों की परिभाषा और परिणामी सामाजिक, सांस्कृतिक और अन्य लाभों को ऐसे स्थानीय व्यक्तियों तक विस्तारित करने के लिए विधेयक 2022) पारित हुआ। इसके तहत अब झारखंड में थर्ड और फोर्थ ग्रेड की नौकरी उसी को मिलेगी, जिसके पास 1932 का खतियान होगा। वहीं दूसरे विधेयक (झारखंड पदों एवं सेवाओं की रिक्तियों में आरक्षण (संशोधन) विधेयक के पास होने से अब राज्य में ओबीसी आरक्षण 14 से बढ़ा कर 27 फीसदी हो जायेगा। इस तरह राज्य में कुल 77 प्रतिशत आरक्षण लागू होगा। विधानसभा ने इन दोनों विधेयकों को संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल करने का भी प्रस्ताव पारित किया है। दोनों विधेयकों को अब केंद्र सरकार के पास भेजा जायेगा। केंद्र की मंजूरी के बाद ये विधेयक कानून का रूप लेंगे। नौवीं अनुसूची में एक बार शामिल होने वाले कानूनों को कोर्ट में चुनौती नहीं दी जा सकती।

स्थानीयता को नियोजन से जोड़ा गया

सदन की कार्यवाही के दौरान भाकपा माले के विधायक बिनोद सिंह ने (झारखंड स्थानीय व्यक्तियों की परिभाषा और परिणामी सामाजिक, सांस्कृतिक और अन्य लाभों को ऐसे स्थानीय व्यक्तियों तक विस्तारित करने के लिए विधेयक 2022) संशोधन प्रस्ताव लाया और स्थानीयता को नियोजन से जोड़ने की मांग की। इसके बाद मुख्यमंत्री ने विधेयक को नियोजन नीति से स्पष्ट तरीके से जोड़ा।

विधानसभा के मुख्य गेट पर यूपीए विधायकों ने दिखायी एकजुटता

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। विशेष सत्र शुरू होने से पहले शुक्रवार को विधानसभा के मुख्य गेट पर सत्ता पक्ष का कब्जा दिखा। विधानसभा के मुख्य गेट पर झामुमो, कांग्रेस और आरजेडी के विधायक हाथों में तख्तियां लेकर खड़े दिखे।

हमने बनाया है, हम ही संवारेंगे : विधायकों ने कहा कि झारखंड को हमने बनाया है हम ही संवारेंगे। जो वादा सरकार ने किया था, उसे पूरा किया जा रहा है। झारखंड की पहचान 1932 का खतियान है और हम इसे लागू करने जा रहे हैं। सत्ता पक्ष के विधायक पूरी तरह एकजुट थे, वहीं विपक्षी पार्टी के विधायक गाड़ियों से उतरते ही सीधे विधानसभा के अंदर चले गये।

मैं बिहार का हूं, 1932 के खतियान से मुझे कोई आपत्ति नहीं है : अनूप सिंह

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। कांग्रेस विधायक अनूप सिंह ने 1932 के खतियान के आधार पर स्थानीय नीति लागू करने पर कहा कि मैं इस नीति का समर्थन करता हूं। उन्होंने कहा कि यह काम 20 साल पहले ही हो जाना चाहिए था, जो आज किया जा रहा है। अनूप सिंह ने कहा कि मैं खुद बिहार का हूं, उसके बावजूद मुझे कोई आपत्ति नहीं है। यहां के आदिवासी मूलवासियों को स्थानीय कहलाने का हक है, इसलिए हम सबकों इसका समर्थन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कभी नहीं कहा कि दूसरे राज्य के लोगों को भगा दिया जायेगा। यहां रहने नहीं दिया जायेगा। सभी लोग यहां रह सकते हैं, जीवन यापन कर सकते हैं।

इरफान, कोंगाड़ी और राजेश कच्छप भी पहुंचे विधानसभा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा के एक दिवसीय विशेष सत्र में शुक्रवार को कोलकाता में कैश के साथ पकड़े गये तीनों विधायक नमन विक्सल कोंगाड़ी, डॉ इरफान अंसारी और राजेश कच्छप भी शामिल हुए। तीनों विधायकों ने खुद को निर्दोष बताया और कहा कि कुछ नेताओं ने उन्हें फंसाया है। डॉ इरफान अंसारी ने कहा, कुछ नेताओं को फोटो खिंचवाने और खबर में रहने का लालच है। इरफान अंसारी ने कहा, हाईकोर्ट ने जमानत दी है, सच की जीत हुई है। सरकार बनाने में हमारी भूमिका है। जिसने साजिश रची, आलाकमान को गुमराह कर दिया। तीनों विधायक के पास से मिले पैसे को एक साथ जोड़ कर केस बना दिया गया है। अनूप सिंह पार्टी नहीं हैं, पार्टी ने एक पक्ष का फैसला लिया है। हम इस मामले में पार्टी को विस्तार से जानकारी देंगे। हमने भी मांग की है कि दुनिया भर की सबसे अच्छी एजेंसी से जांच करा लें। अनूप सिंह, शिल्पी नेहा तिर्की और भूषण बाड़ा को उन आरोपों को साबित करना होगा। हमें फंसाया गया है। अनूप को मैं बचपन से जानता हूं ,वह इमानदार बनने का ढोंग कर रहे हैं। हमने एक साल से उनसे बात नहीं की है।

तीनों विधायकों को लेकर आलाकमान के पास जायेंगे मंत्री आलमगीर आलम

रांची। विधायक इरफान अंसारी, राजेश कच्छप और नमन विक्सल कोंगाड़ी अब दिल्ली जायेंगे। वहां कांग्रेस आलाकमान के पास अपनी बात रखेंगे। 14 नवंबर के बाद किसी भी समय उनके साथ कांग्रेस विधायक दल के नेता और मंत्री आलमगीर आलम भी साथ होंगे। तीनों विधायकों डॉ इरफान अंसारी, राजेश कच्छप एवं नमन विक्सल कोंगाड़ी ने शुक्रवार को आलमगीर आलम से उनके आवास पर भेंट की। इनके बीच लंबी वार्ता हुई। तीनों विधायकों ने अपना पक्ष रखा। बताया एक साजिश के तहत उन लोगों को फंसाया गया और आलाकमान को गुमराह किया गया। परंतु अब उन लोगों को कोलकाता हाईकोर्ट द्वारा रेगुलर बेल दे दिया गया है। कोर्ट ने भी माना है कि तीनों ही विधायकों का सरकार गिराने जैसे किसी भी साजिश में हाथ नहीं है। साथ ही साथ हाइकोर्ट ने विधायक अनूप सिंह द्वारा उन तीनों के खिलाफ किये गये एफआइआर पर भी सवाल उठाया है। तीनों विधायकों की बात सुनने के बाद आलमगीर आलम ने भरोसा दिलाया कि उन लोगों के साथ उचित न्याय होगा। 14 नवंबर के बाद वे उन लोगों के साथ दिल्ली जाकर आलाकमान के समक्ष उनकी बातों को रखेंगे।

हाइकोर्ट ने सीएम के खिलाफ अरगोड़ा थाना में दर्ज एफआइआर रद्द करने का दिया आदेश

रांची (आजाद सिपाही)। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को झारखंड हाइकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। हाइकोर्ट ने सीएम के खिलाफ रांची के अरगोड़ा थाना में दर्ज प्राथमिकी को निरस्त कर दिया है। यह मामला चुनाव आचार संहिता से जुड़ा हुआ था। झारखंड हाइकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस संजय द्विवेदी की कोर्ट ने इस मामले में अपना फैसला सुनाया है। इससे पहले हुई सुनवाई में झारखंड हाइकोर्ट ने रांची एमपी-एमएलए कोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी थी, जिसमें कोर्ट ने इन्हें आचार संहिता से जुड़े मामले में सशरीर उपस्थित होने का आदेश दिया था।

आरक्षण और स्थानीय नीति पारित करा जनता को धोखा दे रही सरकार : रघुवर

आजाद सिपाही संवाददाता

दुमका। पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने कहा कि हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली सरकार पूरी तरह से विफल है। हेमंत सरकार विधानसभा से 1932 आधारित स्थानीय नीति और आरक्षण संशोधन विधेयक पारित करा जनता को धोखा दे रही है। झारखंड की जनता 2019 के इसी झांसे में आकर कि आप अबुआ राज बनाइए कह तीन माह के अंदर स्थानीयता नीति बनायेंगे। लेकिन सरकार के तीन साल से अधिक बीत गये लेकिन खतियान 1932 का राग इन्हें याद नहीं है। जब इडी मुख्यमंत्री के द्वार गयी तो तब इनको सरकार आपके द्वार

याद आया, 1932 का खतियान याद आया, 27 फीसदी आरक्षण याद आया। इस पूरा झारखंड का पिछड़ा समाज यह जान चुका है कि पंचायत में आरक्षण था उसको समाप्त किया, नगर चुनाव का आरक्षण समाप्त किया। उन्होंने कहा कि आप बहुमत में हो उसे विधानसभा में पास करा सकते हो। लेकिन बिना तैयारी के किसी समाज को आरक्षण देने से पहले उसका सामाजिक और आर्थिक सर्वेक्षण होना आवश्यक होता है। भाजपा भी 27 फीसदी आरक्षण की समर्थक थी। रघुवर दास शुक्रवार को रामगढ़ प्रखंड के सतरला के स्कूल मैदान में भाजपा द्वारा आयोजित जन चौपाल कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि राज्य में कानून व्यवस्था पूरी तरह से चौपट है। आम जनता की कौन कहे पुलिस अधिकारी भी मारे जा रहे हैं। बेटियों को पेट्रोल डालकर जिंदा जलाया जा रहा है। अपराधियों का मनोबल बढ़ता जा रहा है।

महागठबंधन की सरकार ने दलितों की पहचान को छीनने का काम किया : अमर कुमार बाउरी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झामुमो, कांग्रेस, राजद की महागठबंधन वाली सरकार जो दलित हितैषी होने का ढोंग करती है। आज राज्य के 14 प्रतिशत (लगभग 50 लाख आबादी) अनुसूचित जाति समाज के साथ अन्याय व विश्वासघात करते हुए कानूनी रूप से उनके अस्मिता और पहचान को छीनने का काम कर रही है। गठबंधन सरकार ने झारखंड विधानसभा में सत्र बुला कर स्थानीयता को परिभाषित करने वाले विधेयक को पारित तो कर दिया, लेकिन विधेयक में

अनुसूचित शब्द को ही दरकिनार कर दिया। जो सीधे तौर पर राज्य के 14 प्रतिशत अनुसूचित जाति समाज को प्रभावित कर रहा है। इस विधेयक से अनुसूचित जाति की पहचान ही खो जायेगी। जेएमएम कांग्रेस राजद की सरकार को यह शायद पता नहीं है कि लोकतंत्र के सबसे बड़े मंदिर में कहे गये हर शब्द और लिखित में दिये गये प्रत्येक शब्दों का अवलोकन उच्च न्यायालय एवं उच्चतम न्यायालय द्वारा किया जाता है। बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर का पूरा जीवन कठिन संघर्ष वाला रहा लेकिन जब उन्होंने संविधान लिखा तो अपने संघर्ष से कुंठित हो कर नहीं लिखा। लेकिन महागठबंधन वाली सरकार स्थानीयता को परिभाषित करने वाले विधेयक में कुंठित मानसिकता को ध्यान में रखते हुए विधेयक को पारित कर दिया।

आरकेडीएफ विश्वविद्यालय में दो दिवसीय पंजाबी फूड फेस्टिवल आज से

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राजधानी स्थित आरकेडीएफ विश्वविद्यालय के होटल प्रबंधन विभाग और झारखंड कैटरर एसोसिएशन द्वारा पंजाबी फूड फेस्टिवल साडा पंजाब का आयोजन 12-13 नवंबर की संध्या सात बजे से रात्रि 10 बजे तक होगा। फूड फेस्टिवल के हॉस्पिटैलिटी पार्टनर्स के अंतर्गत केसी इवेंट्स रांची, ग्रीन एकर्स, कैफे कॉफी बार, एनआर होटल वेयर एंड इक्यूपमेंट, किंग्स इवेंटस चुटिया रांची, टेक्नोलैंड टूर, ट्रैवल्स एंड ऑनलाइन मार्केटिंग कोलकाता शामिल हैं। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आरकेडीएफ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एस चटर्जी एवं विशिष्ट अतिथि आरकेडीएफ

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अमित कुमार पांडे होंगे। इसके अतिरिक्त कमल अग्रवाल, प्रेसिडेंट झारखंड कैटरर्स एसोसिएशन, डॉ. भूपेश कुमार, प्रिंसिपल, होटल मैनेजमेंट, आइएचएम ब्रांबे रांची, अरुण कुमार सिंह, सचिव, झारखंड कैटरर्स एसोसिएशन, हेमंत मेहता, जनरल मैनेजर, होटल रेडिसन ब्लू, रांची, रामचंद्र उरांव, एक्सिक्यूटिव शेफ रेडिसन ब्लू, इस कार्यक्रम में उपस्थित होंगे। पंजाबी फूड फेस्टिवल में वेलकम ड्रिंक हॉट, केसर दूध विद पिन्नी, सूप भेज-भूट्टा पुदीना का शोरबा, नॉनवेज गोश्त काली मिर्च का शोरबा, स्टार्टर भेज लोहरी पनीर टिक्की, नॉनवेज जालंधरी फिश टिक्की, सरसों का साग मक्के की रोटी, नानभेज कक्कड़ मखानी दाल, अमृतसरी मेथी जीरा राइस, अजवाइन पूरी, हरी सलाद कचुंबर सलाद, मीठा व्यंजन मूंग दाल हलवा, डेको मफीन आदि विभिन्न व्यंजनों के व्यवस्था की गयी है। होटल प्रबंधन विभाग के विभाग अध्यक्ष पंकज चटर्जी ने यह जानकारी दी कि इस दो दिवसीय फूड फेस्टिवल के लिए 400 रुपये का एंट्री टिकट रखा गया है। विभाग के छात्रों द्वारा इस टिकट की बिक्री की जा रही है। ताकि बच्चों में सेल्समैनशिप की कला विकसित हो। इस फेस्टिवल का आयोजन छात्रों द्वारा ही किया जा रहा है। इसमें छात्रों का इवेंट मैनेजमेंट का प्रैक्टिकल अनुभव मिल रहा है। फूड फेस्टिवल का नेतृत्व शेफ अलका उरांव, शेफ किशोर राम, सौमिक चटर्जी, बलजीत कलसी एवं तृतीया वर्ष होटल प्रबंधन के छात्र द्वारा किया जा रहा है।

राजेश कुमार गुप्ता ने सीएम को दी बधाई

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड विधान सभा में ओबीसी आरक्षण बढ़ाने वाले विधेयक को पास करने के लिए सदन के एवं गठबंधन के नेता राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को बधाई और आभार है। भारतीय जनता पार्टी को अपनी 20 साल की गलती सुधारने का मौका मिला। उक्त बातें राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार गुप्ता ने विधानसभा में ओबीसी विधेयक पास किये जाने पर कहीं। उन्होंने कहा कि भाजपा को ओबीसी के आरक्षण 27 परसेंट से 14 परसेंट करने की गलती को सुधारने का 20 साल बाद मौका मिल गया है। राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा केंद्र सरकार से मांग करता है कि इन विधेयक को लोकसभा के मानसून सत्र में नौवीं अनुसूची में डाला जाये।

महत्वपूर्ण न्यूज

कैंब्रियन पब्लिक स्कूल में मनाया गया राष्ट्रीय शिक्षा दिवस

रांची (आजाद सिपाही)। कैंब्रियन पब्लिक स्कूल कांके रोड रांची में शुक्रवार को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के साइबर कमेटी की ओर से कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। पारंपरिक शिक्षा बनाम आधुनिक शिक्षा विषय पर आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिता में वर्ग 'अ' में गोदावरी हाउस और यमुना हाउस क्रमशः विजेता और उपविजेता रहा। जबकि वर्ग 'ब' में गोदावरी हाउस विजेता और गंगा हाउस उपविजेता रहा। इस अवसर पर बच्चों ने शिक्षा पर आधारित स्लोगन और पोस्टर प्रस्तुत किया। प्रातः कालीन सभा में छात्रा खुशी श्रीराज राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला।वैभव और उन्नति ने राष्ट्रीय शिक्षा पर आधारित क्विज का संचालन किया। मौके पर उप प्राचार्य उज्जवल कुमार नायक, एक्टिविटी कोऑर्डिनेटर आशा राज, विनीता वर्मा, ममता पाठक एवं आइटी इंचार्ज मनोज कुमार मिश्रा ने शिक्षा की आवश्यकता और उपलब्धियों पर विचार व्यक्त किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में शिक्षक प्रवीण कुमार और अनूप नंदन प्रसाद ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम का संयोजन एक्टिविटी कोऑर्डिनेटर आशा राज व संचालन शिक्षिका मनीषा कुमारी ने की।

इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल ने मनाया शिक्षा दिवस

रांची (आजाद सिपाही)। इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड मैनेजमेंट रांची के अंतर्गत कार्यरत इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल द्वारा शुक्रवार को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस मनाया गया। इस अवसर पर निदेशक डॉ गंगा प्रसाद सिंह ने मानव जीवन में गुणवत्ता युक्त शिक्षा की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की विशेषताओं के बारे में बताया। इसके अंतर्गत, शिक्षा का माध्यम क्षेत्रीय भाषाओं के माध्यम से जन-जन को शिक्षित करने का उद्देश्य है। स्वागत भाषण में परीक्षा नियंत्रक रुद्र नारायण भांजदेव ने शिक्षा को व्यावहारिक और रूचिमय बनाने पर बल दिया। संस्थान के छात्र कुमार प्रणीत और मनदीप कुमार ने भी वर्तमान शिक्षा व्यवस्था पर अपने अपने विचार रखे। बीजू कुमारी, अध्यापक (होटल मैनेजमेंट) ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। कार्यक्रम में अन्य प्राध्यापक अनिमेश सरकार, रवि रंजन कुमार और सभी छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। कार्यक्रम का समन्वयन रुचि मिश्रा सहायक प्राध्यापक (बिजनेस मैनेजमेंट) ने किया और मंच संचालन का कार्य छात्र आर्या ने किया।

एसपीएमयू में एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड की जनजातीय भाषाओं और हिंदी, उर्दू के बीच संबंध विषय पर आधारित एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन शुक्रवार डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय रांची के सभागार में किया गया। झारखंड की जनजातीय भाषाओं का ऐतिहासिक संबंध, हिंदी और उर्दू जैसे भाषाओं से रहा है, इसी विषय पर व्याख्यान देने के लिए नीदरलैंड से प्रोफेसर डॉ. मोहन कांत गौतम, चांसलर, यूरोपियन यूनिवर्सिटीज ऑफ वेस्ट एंड ईस्ट एंड कर्न इंस्टीट्यूट ऑफ साउथ एशियन स्टडीज, इस संगोष्ठी में पहुंचे। संगोष्ठी में शामिल अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ और शॉल से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति तपन कुमार शांडिल्य ने कहा कि मातृभाषा केवल संवाद के लिए नहीं बल्कि सांस्कृतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है वर्तमान में पूरे देश में जनजातीय भाषा का संवर्धन आवश्यक है। किसी भाषा का व्यकारण और शब्दकोश तो हमारे पास होता है पर इसका उपयोग हमारी संस्कृति को दर्शाता है।

पं. दीन दयाल उपाध्याय मंडल संसदीय समिति की बैठक में सांसदों ने दिये सुझाव

हाजीपुर (आजाद सिपाही)। पं.दीन दयाल उपाध्याय मंडल की मंडल संसदीय समिति की बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में पं.दीन दयाल उपाध्याय मंडल क्षेत्राधिकार के सांसदगण ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता सासाराम के सांसद छेदी पासवान द्वारा की गयी। सभी सांसद द्वारा जनहित से जुड़े मुद्दे एवं रेल के सर्वांगीण विकास हेतु अपने-अपने सुझावों को रखा गया। इस अवसर पर पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक अनुपम शर्मा, पं.दीन दयाल उपाध्याय मंडल के मंडल रेल प्रबंधक राजेश कुमार पांडेय सहित मुख्यालय एवं मंडल के अधिकारीगण उपस्थित थे। आज की इस बैठक में पलामू के सांसद विष्णु दयाल राम, काराकाट के सांसद महाबली सिंह, औरंगाबाद के सांसद सुशील कुमार सिंह एवं सांसद (राज्य सभा) दर्शना सिंह उपस्थित थीं। इनके अलावा भारी उद्योग एवं सार्वजनिक उद्यम मंत्री, भारत सरकार डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय के प्रतिनिधि अनिल तिवारी, उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री, भारत सरकार अश्विनी कुमार चौबे के प्रतिनिधि जितेंद्र पांडेय एवं गया के सांसद विजय कुमार के प्रतिनिधि अजय कुमार श्रीवास्तव उपस्थित थे। बैठक में सांसदगण ने रेल विकास व यात्री सुविधाओं में और वृद्धि एवं उसे सुदृढ़ करने के संबंध में बहुमूल्य सुझाव दिये। सांसदगण द्वारा आधारभूत संरचनाओं के विकास से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने पर बल दिया गया। साथ ही बैठक में भविष्य की कार्य योजनाओं पर भी चर्चा हुई। इसके पूर्व बैठक के प्रारंभ में महाप्रबंधक अनुपम शर्मा नेसांसदगण एवं सांसद के प्रतिनिधिगण का स्वागत किया। महाप्रबंधक ने पं.दीन दयाल उपाध्याय मंडल द्वारा यात्री सुविधा, आधारभूत संरचनाओं के विकास आदि के क्षेत्र में किये गये कार्यों एवं नयी परियोजनाओं से सांसदगण को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि विश्वस्तरीय अत्याधुनिक यात्री सुविधाओं से युक्त वर्ल्ड क्लास स्टेशन बनाने हेतु गया स्टेशन के पुनर्विकास का कार्य प्रगति पर है तथा पं. दीन दयाल उपाध्याय जं. के भी स्टेशन पुनर्विकास हेतु कंसलटेंसी सर्विस ली जा रही है। महाप्रबंधक महोदय ने सांसदों से प्राप्त बहुमूल्य सुझावों के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सुझाव हमें भविष्य में रेल विकास कार्यों की रूप-रेखा तय करने में काफी सहायक सिद्ध होगा।

महत्वपूर्ण न्यूज

सोनपुर मेले में डॉ मृणालिनी अखौरी ने शानदार प्रस्तुति दी

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड के सुप्रसिद्ध गायिका डॉक्टर मृणालिनी अखौरी ने गुरुवार को विश्व प्रसिद्ध हरिहर क्षेत्र सोनपुर मेले में अपने गीत गजलों की शानदार प्रस्तुति दी। जिसे श्रोताओं और अधिकारियों के द्वारा काफी सराहा गया। कार्यक्रम के बाद डॉक्टर मृणालिनी अखौरी को टीडीएम शरण के हाथों मोमेंटो और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। डॉक्टर मृणालिनी ने एक से बढ़ कर एक गजलें प्रस्तुत की। उन्होंने सबसे पहले किसी नजर को तेरा इंतजार आज भी है... होशवालों को खबर क्या बेखुदी क्या चीज है... चांदी जैसा रंग है तेरा और चिट्ठी आई है... जैसी गजलें गाकर श्रोताओं की खूब तालियां बटोरी। उनके साथ देव कुमार एंड ग्रुप ने संगत की। कार्यक्रम में आयोजन समिति के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रपति के दौरे को लेकर 15 आइपीएस अधिकारियों को सुरक्षा का जिम्मा

रांची (आजाद सिपाही)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दो दिवसीय झारखंड दौरे पर आ रही हैं। इसको लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये जा रहे है। पुलिस मुख्यालय ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम करने का आदेश दिया है। रांची रेंज के पुलिस उप महानिरीक्षक अनीश गुप्ता के नेतृत्व में 15 आईपीएस अधिकारी सुरक्षा व्यवस्था की कमान संभालेंगे। जिन आईपीएस को सुरक्षा की जिम्मेवारी दी गयी है, उसमें प्रियदर्शी आलोक, धनंजय सिंह, संजय रंजन सिंह, शैलेंद्र वर्णवाल, अजीत पीटर डुंगडुंग, तमिल वानन, निधि द्ववेदी, विनित कुमार, अश्विनी सिन्हा समेत कई अन्य शामिल है। बता दें, 14 और 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू रांची आ रही हैं। राष्ट्रपति रांची और खूंटी के उलिहातू में आयोजित राजकीय कार्यक्रमों में शामिल होंगी। 14 नवंबर और 15 नंवबर को खूंटी के उलिहातू स्थित बिरसा मुंडा की जन्मस्थली पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगी। राष्ट्रपति के झारखंड आगमन के पूर्व अधिकारी विधि व्यवस्था दुरुस्त करने की कोशिश में जुटे हुए हैं।

103 दिन बाद जेल से बाहर आये अधिवक्ता राजीव कुमार

रांची (आजाद सिपाही)। कैश कांड में फंसे झारखंड हाईकोर्ट के अधिवक्ता राजीव कुमार 103 दिन तक न्यायिक हिरासत में रहने के बाद जेल से बाहर निकल चुके हैं। कुछ दिन पहले झारखंड हाईकोर्ट ने उन्हें इस मामले में जमानत दे दी थी। हाइकोर्ट के आदेश के मुताबिक उन्होंने निचली अदालत में एक-एक लाख रुपये के जमानती मुचलके भर दिये हैं। जेल से रिहाई के वक्त बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा के बाहर राजीव कुमार के परिजन और अन्य लोग उन्हें रिसीव करने पहुंचे। इस दौरान राजीव कुमार ने मीडिया से कहा कि उन्हें फंसाया गया है। उन लोगों की मंशा पूरी नहीं होगी। यह लड़ाई जारी रहेगी।

223 पुलिस पदाधिकारियों को मिलेगी ट्रेनिंग

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड के 223 पुलिस पदाधिकारियों की 08 सप्ताह की ट्रेनिंग होगी। इसको लेकर ऊक्त ट्रेनिंग अनुराग गुप्ता ने आदेश जारी कर दिया है। हजारीबाग में प्रशिक्षण संचालित करने का आदेश दिया इस प्रावधान के तहत सब इंस्पेक्टर से इंस्पेक्टर के पद पर प्रोन्नति के पूर्व निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करना जरूरी है। 73 इंस्पेक्टर और 150 सब इंस्पेक्टर यानी कुल 223 पुलिस अधिकारियों के लिए 17 नवंबर तक झारखंड पुलिस अकादमी हजारीबाग में प्रशिक्षण संचालित करने का आदेश दिया गया है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 15 जनवरी 2023 तक चलेगा।

एस मूवी के बैनर तले नागपुरी वीडियो गाना बेवफा की लॉचिंग

रांची (आजाद सिपाही)। राजधानी रांची के करम टोली स्थित प्रेस क्लब सभागार में शुक्रवार को एस मूवी के बैनर तले बनी नागपुरी वीडियो गाना बेवफा की लॉन्चिंग प्रेस क्लब में की गयी। इस मौके पर बतौर मुख्य अतिथि नरेंद्र सिंह धोनी सहित एल्बम के निर्देशक और कलाकार उपस्थित रहे। एस मूवी के बैनर तले यह दूसरा गाना लॉच किया गया। कार्यक्रम के दौरान ही इस गाने को एस मूवीस के यूट्यूब पर भी अपलोड किया गया। नरेंद्र सिंह धोनी ने कहा कि इस एल्बम में काम कर रहे सारे लोगों को मेरी ओर से हार्दिक शुभकामनाएं हैं।

रांची विश्वविद्यालय में व्याख्यान का आयोजन

रांची (आजाद सिपाही)। जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा संकाय, रांची विश्वविद्यालय, रांची में ईस्ट एंड वेस्ट यूनिवर्सिटी नीदरलैंड के पूर्व चांसलर प्रोफेसर डॉ मोहन कांत गौतम के द्वारा अंतःसंबंध भाषाओं की अतीत, वर्तमान एवं भविष्य : विश्व परिदृश्य में विषय पर विशेष व्याख्यान प्रस्तुत किया। व्याख्यानमाला में अपने विचार व्यक्त करते हुये प्रोफेसर डॉ गौतम ने कहा कि बोली का साहित्य नहीं है तो वह भाषा नहीं हो सकती, ऐसी बात नहीं है। वह भी एक भाषा है। उन्होंने कहा कि हमें दूसरी भाषाओं का भी ज्ञान रखना चाहिए. चूंकि संस्कृति की रिफ्लेक्सन ही सभ्यता है। इसलिए भाषा की दृष्टि से दूसरे देशों में आदिवासियों की भाषा कैसे बढ़ी, इस पर बात पर शोध होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि संसार की लगभग 3000 भाषाएं समाप्त हो गयी। ऐसी स्थिति परिस्थिति हम अपनी भाषा को कैसे बढ़ाये, कैसे समृद्ध किया जाये, इस दिशा में पहल करनी चाहिए। अपनी भाषा को बोलना और लिखना सीखें. उन्होंने कहा कि भारत में पांच पारिवारिक भाषाएं बोली जाती हैं। आदिवासियों की भाषा में जो मिलता है, वह हिन्दी संस्कृति में नहीं पाया जाता है। हम दूसरी भाषाओं की सामग्री को, जिसमें बच्चों का खेल, व्यंग्य, संवाद आदि को अनुवाद करके नये भाषा को सीखा जा सकता है। साथ ही अपनी भाषा की अंतरराष्ट्रीय पहचान कैसे बने, इस दिशा में हमें बात करनी चाहिए. अंग्रेजी भाषा को जाने बगैर हम अपनी भाषा को अन्तर्राष्ट्रीय भाषा नहीं बना सकते। उन्होंने कहा कि स्कूलों में प्राथमिक स्तर से मातृभाषा की पढ़ाई होनी चाहिए, ताकि शुरू से बच्चे अपनी भाषा के प्रति सजग व जागरूक हो सकें। व्याख्यानमाला में स्वागत समन्वयक डॉ. हरि उराँव ने जबकि धन्यवाद नागपुरी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ उमेश नन्द तिवारी किया। इस मौके पर मुण्डारी विभाग के विभागाध्यक्ष नलय राय, मनय मुंडा, डॉ सविता केसरी, डॉ राम किशोर भगत, कुमारी शशि, डॉ गीता कुमारी सिंह, डॉ बीरेन्द्र कुमार महतो, डॉ रीझू नायक, किशोर सुरिन, डॉ बीरेन्द्र कुमार सोय, करम सिंह मुंडा, राजकुमार बास्की, प्रेम मुर्मू, डॉ दमयन्ती सिंकू, डॉ किरण कुल्लू, डॉ राकेश किरण, डॉ सरस्वती गागराई, दिनेश कुमार, बीरेन्द्र उरांव, डॉ धीरज उरांव, रमाकांत महतो, डॉ उपेंद्र कुमार, गुरुचरण पूर्ति और नितेश कुमार मौजूद थे।

गुरुनानक देव जी का जीवन मानवता के लिए वरदान : इकबाल सिंह लालपुरा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। श्री गुरुनानक देव महाराज के जीवन पर प्रकाशन विभाग सूचना और प्रकाशन मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रकाशित गुरविंदर सिंह सेठी द्वारा लिखी पुस्तक 'गुरु नानक जीवन और संदेश' का विमोचन नयी दिल्ली में राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष इकबाल सिंह लालपुरा ने किया। इकबाल सिंह लालपुरा ने कहा कि श्री गुरुनानक देव जी महाराज के 553 वें प्रकाश पर्व के अवसर पर उनके जीवन पर लिखी किताब का विमोचन करके मैं बहुत गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। उनके जीवन पर बारीकी से अध्ययन करके ये किताब लिखी गयी है। उनके विचारों को जन जन तक पहुंचा कर ही मानवता का कल्याण संभव है। 'गुरु नानक जीवन और संदेश' पुस्तक के लेखक गुरविंदर सिंह सेठी ने कहा कि इस पुस्तक के माध्यम से गुरुनानक देव महाराज के पूरे जीवनकाल को सरल शब्दों में लोगों तक पहुंचाने की कोशिश की गयी है। गुरुनानक देव के जीवन की अनेक पहलुओं को किताब में समाहित किया गया है। इस मौके पर अजयवीर सिंह लालपुरा, न्यायमूर्ति नरेंद्र कुमार जैन, अध्यक्ष राष्ट्रीय अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्था आयोग जपप्रीत सिंह नाभा, संजीव कुमार पटियाला, जसपाल सिंह पूर्व कुलपति पंजाबी यूनिवर्सिटी, हरमीत सिंह कालका प्रधान दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमिटी, ज्ञानी रंजीत सिंह बंगला साहिब गुरुद्वारा, बलजीत सिंह दादूवाल पूर्व प्रधान हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी भी उपस्थित थे। मीडिया प्रभारी नरेश पपनेजा ने बताया कि यह पुस्तक लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला, दिल्ली गुरुद्वारा प्रबंधक कमिटी के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका एवं बांग्ला साहिब गुरुद्वारा के हेड ग्रंथी ज्ञानी रंजीत सिंह को भी सौंपी गयी है।

मूलवासी सदान मोर्चा अध्यक्ष मिले सीएम से, दिया धन्यवाद

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा से 1932 खतियान आधारित स्थानीय नीति और 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण विधेयक पास होने पर मूलवासी सदान मोर्चा के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद सीएम हेमंत सोरेन और स्पीकर रवींद्र नाथ महतो से मिले। उन्होंने सीएम के प्रति आभार प्रकट किया। राजेंद्र प्रसाद ने मुख्यमंत्री से कहा कि मूलवासी सदान मोर्चा ने 1932 के साथ अंतिम सर्वे 1964 के आधार पर स्थानीय नीति को परिभाषित करने और ओबीसी को 36 प्रतिशत आरक्षण देने की मांग को लेकर लंबा संघर्ष और आंदोलन किया है। राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग ने ओबीसी को कम से कम 36 प्रतिशत आरक्षण देने की अनुशंसा की थी। आरक्षण का ऐसा प्रस्ताव पारित होता, तो सांविधानिक तौर पर और भी मजबूती मिलती। उन्होंने मुख्यमंत्री से पिछड़ी जातियों की जनगणना और सर्वेक्षण कराने का आग्रह किया। इस पर मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वस्त किया कि वे पिछड़ी जातियों की जनगणना भी करायेंगे।

प्रीति बजाज पहुंचीं रांची, हुआ स्वागत

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। लुमिनस अमेज बैटरी इनवर्टर बनाने वाली कंपनी की मैनेजिंग डायरेक्टर सीइओ प्रीति बजाज शुक्रवार को रांची के सैनिक मार्केट स्थित हरि ओम इन्फोटेक पहुंची। सबसे पुराने पार्टनर हरिओम इन्फोटेक अमेज के डिस्ट्रीब्यूटर ने सैनिक बाजार परिसर में स्वागत किया। पूरे परिवार के साथ इस अवसर पर हरि ओम इन्फोटेक के धर्मेंद्र तिवारी, नितीश तिवारी, पूनम तिवारी, स्वाति तिवारी मौजूद थीं। स्वागत करनेवालों में रीजनल मैनेजर अमेज दीपक कुमार, लॉजिस्टिक हेड ईस्ट संजीत प्रकाश, रीजनल मैनेजर लुमिनस अरनभ पाल, रूद्र प्रताप सिंह ब्रांच मैनेजर, उदय सिंह, उत्तम मिश्रा, उपेंद्र दुबे, राजेंद्र साहू, रविंद्र पटनायक, शिबू, राजीव झा, जयकुमार, शशि, गणेश, अजय कुमार, कौशिक दास, अशरफ खान, हरि ओम इन्फोटेक के धर्मेंद्र तिवारी और इलेक्ट्रो पावर के नितीश तिवारी परिवार के साथ लुमिनस पावर सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड की मैनेजिंग डायरेक्टर का स्वागत किया। इसके बाद सुश्री बजाज पूरी टीम के साथ वेयरहाउस में पहुंची। इस अवसर पर उन्हें भरोसा दिया कि हम झारखंड में घर-घर तक लुमिनस और अमेज का प्रोडक्ट बैट्री इनवर्टर सोलर सिस्टम पहुंचायेंगे अंधेरे को दूर भगा देंगे।

ब्रिज-योर मांइड मैगजीन और मंथन- एसबीयू जर्नल ऑफ कॉमर्स, मैनेजमेंट एंड ह्यूमैनिटीज के थर्ड एडिशन का लोकार्पण

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सरला बिरला विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट के डिपार्टमेंटल मैगजीन ब्रिज- योर मांइड मैगजीन तथा मंथन- एसबीयू जर्नल ऑफ कॉमर्स, मैनेजमेंट एंड ह्यूमैनिटीज के थर्ड एडिशन का विधिवत लोकार्पण विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर गोपाल पाठक व मुख्य कार्यकारी पदाधिकारी डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ विजय कुमार सिंह, प्रोफेसर प्रमोद पाठक एवं कॉमर्स के डीन डॉ संदीप कुमार मौजूद थे। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर गोपाल पाठक ने कहा कि हमारे चेयरपर्सन एवं टॉप अथॉरिटी क्वांटिटी कि नहीं क्वालिटी की बारे में सदैव प्रयत्नशील रहने की अपेक्षा करते हैं। मुख्य कार्यकारी पदाधिकारी डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने कहा कि इतने कम समय में विश्वविद्यालय की इतनी बड़ा परिवार व उपलब्धियों को देखकर काफी खुशी हो रही है। कुलसचिव प्रोफेसर विजय कुमार सिंह ने कहा कि मंथन- एसबीयू जर्नल को केवल इनहाउस नहीं अपितु यूजीसी लिस्टेड जर्नल्स के रूप में प्रसिद्धि दिलाना है। स्वागत भाषण फैकल्टी ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट के डीन डॉ संदीप कुमार ने किया। संचालन प्रो एलजी हनी सिंह ने किया। पत्रिका एवं जर्नल के बारे में प्रो नीतू सिंघी व प्रो राशि मालपानी ने जानकारी दी।

ओड़िशा दौरे के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दिल्ली लौटीं

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ओडिशा के दो दिवसीय दौरे के बाद दिल्ली लौट आयी हैं। भारत के राष्ट्रपति के रूप में यह उनकी पहली ओडिशा यात्रा थी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू गुरुवार को दो दिवसीय ओडिशा दौरे पर भुवनेश्वर पहुंचीं। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, राष्ट्रपति विशेष विमान से बीजू पटनायक हवाई अड्डे सुबह 10.50 पर पहुंचीं। राष्ट्रपति बनने के बाद यह उनका पहला ओडिशा दौरा है । हवाई अड्डे पर राज्यपाल प्रो गणेशीलाल, मुख्यमंत्री नवीन पटनायक, केन्द्रीय शिक्षा कौशल विकास व उद्यमिता मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान व राज्य के मुख्य सचिव सुरेश चन्द्र महापात्र ने उनका भव्य स्वागत किया। इसके बाद उन्हें भुवनेश्वर हवाई अड्डे पर पहुंचने के बाद उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके पश्चात वह विशेष हेलीकाप्टर से पुरी के लिए रवाना हो गयीं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रोटोकॉल तोड़ते हुए आम भक्त के रूप में महाप्रभु के दरबार पहुंचीं और उन सभी परंपराओं का पालन किया जो एक आम भक्त करता है। पुरी के महाराजा दिव्यसिंह देव ने मंदिर से सिंहद्वार के निकट उनका पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। राष्ट्रपति ने श्री मंदिर में भगवान श्री जगन्नाथ के दर्शन किये। श्री जगन्नाथ के दर्शन करने के बाद दर्शन पुस्तिका में अपने भावपूर्ण अनुभवों को साझा किया है। उन्होंने ओड़िया भाषा में अपने मन की बात लिखी है। उनके साथ राज्यपाल प्रो गणेशीलाल, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान, डॉ संबित पात्र व राष्ट्रपति की बेटी भी उपस्थित थीं। उसके बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने यहां श्री जगन्नाथ मंदिर में महाप्रभु श्री जगन्नाथ के दर्शन के बाद महाप्रसाद का सेवन किया। इस दौरान उनके साथ गजपति महाराज दिव्य सिंहदेव मौजूद थे। इसके बाद वे भुवनेश्वर पहुंचे. जहां उन्होंने प्रमुख स्वतंत्रता सेनानियों और ओडिशा के बरपुत्र की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया। बाद में शाम को भुवनेश्वर राजभवन परिसर में उनके सम्मान में आयोजित एक नागरिक संबर्धना कार्यक्रम में भाग लिया। यहां उन्हें विभिन्न व्यक्ति विशेष द्वारा सम्मानित किया गया।

अपने दौरे के दूसरे दिन राष्ट्रपति ने शुक्रवार भुवनेश्वर में तपोबन हाई स्कूल यूनिट- क्क सरकारी गर्ल्स हाई स्कूल यूनिट- क्क और कुंतला कुमार साबत जनजातीय बालिका छात्रावास का दौरा किया। छात्रों और शिक्षकों से बातचीत के बाद राष्ट्रपति ने कहा, 'यह एक यादगार यात्रा थी और इस यात्रा ने मेरे जीवन की कई यादगार यादें ताजा कर दी हैं।' उन्होंने जयदेव भवन में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की परियोजनाओं के साथ-साथ ओडिशा में इंजीनियरिंग पुस्तकों और अन्य पहलों का शुभारंभ किया। दो दिवसीय दौरे के बाद राष्ट्रपति अपराह्न में वायु सेना की विशेष विमान से दिल्ली लौट गयीं। दिल्ली के लिए रवाना होते समय राज्यपाल गणेश लाल, मुख्यमंत्री नवीन पटनायक, केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के साथ वरिष्ठ अधिकारी एयरपोर्ट पर मौजूद रहे।

अपने उत्पादों के लिए वेदांत एल्युमीनियम को अखिल भारतीय प्रथम बीआइएस प्रमाण पत्र मिला

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। नयी दिल्ली विश्व गुणवत्ता दिवस पर भारत के सबसे बड़े एल्युमीनियम उत्पादक वेदांत एल्युमिनियम ने घोषणा की कि उसके उत्पाद अब भारतीय मानक ब्यूरो (बीआइएस) प्रमाणित हैं, जो अपने उत्पादों की बेजोड़ गुणवत्ता के वादे की पुष्टि करता है। इसके साथ, यह भारतीय एल्युमीनियम उद्योग में उपलब्ध बीआईएस गुणवत्ता मानकों के अनुसार अपने एल्युमीनियम उत्पादनो में अवल आकार बीआईएस प्रमाण पत्र प्राप्त किया।

कुल मिलाकर कंपनी को इलेक्ट्रिकल, ऑटोमोटिव, इंजीनियरिंग आदि जैसे विविध ग्राहक उद्योगों में अपने उत्पादों और उनके अनुप्रयोगों के लिए 15 प्रमाणपत्र प्राप्त हुए हैं। भारतीय मानक ब्यूरो शीर्ष घरेलू निकाय है जिसे उद्योग क्षेत्रों में गुणवत्ता मानकों को परिभाषित करने का काम सौंपा गया है। यह बीआईएस मानक मार्क जारी करने से पहले कठोर मूल्यांकन पद्धतियों को नियोजित करता है, जो विनिर्मित उत्पादों पर गुणवत्ता का एक प्रतिष्ठित शिल्प है। ये प्रमाणपत्र वेदांत एल्युमिनियम के वादे को दोहराते हैं, जो गुणवत्ता और विश्वसनीयता को अपने उत्पाद की पेशकश की प्रमुख विशेषताएं बनाते हैं। कंपनी मानकों को विकसित करने के लिए बीआईएस के साथ भी सहयोग कर रही है। एल्युमीनियम उत्पादों और कच्चे माल के लिए जिनके लिए वर्तमान में उपयुक्त गुणवत्ता मानक मौजूद नहीं हैं।

वेदांता के एल्युमीनियम उत्पाद लंदन मेटल एक्सचेंज (एलएमई) में पंजीकृत हैं, जो उनके अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों का दशार्ता है। कंपनी ने अब भारतीय ग्राहकों के विश्वास को और बढ़ावा देने के लिए बीआईएस प्रमाण पत्र की मांग की है कि वे जो एल्युमीनियम खरीदते हैं वह गुणवत्ता मानकों पर देश के सर्वोच्च प्राधिकरण द्वारा प्रमाणित है। इसे प्राप्त करने के लिए, वेदांत एल्युमीनियम धातु निर्माण में दुनिया की कुछ बेहतरीन तकनीकों का उपयोग करता है, जो परिष्कृत प्रक्रियाएं, गहन अनुसंधान एवं विकास और दुनिया भर के उभरते-तकनीकी स्टार्ट-अप और विशेषज्ञों के साथ काम करता है। इसके कारण, कंपनी लगभग 50 देशों में ग्राहकों के लिए पसंदीदा आपूर्तिकर्ता बनी हुई है।

महत्वपूर्ण न्यूज

सरला बिरला पब्लिक स्कूल के लिए गौरवशाली क्षण

रांची (आजाद सिपाही)। सरला बिरला पब्लिक स्कूल की सत्र 2021-22 की छात्रा आयुषी चौधरी को संसद भवन में राष्ट्रीय नेताओं को पुष्पांजलि अर्पित करने के कार्यक्रम में भाग लेने के लिए चुना गया है। आयुषी ने आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भाग लिया था और जनवरी में उद्धरण लेखन सह कविता लेखन प्रतियोगिता में प्रथम रनर अप रही। तीन नवंबर को सीआईईटी एनसीईआरटी ने उसे सूचित किया कि उन्हें 14 नवंबर 2022 को भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की जयंती पर राष्ट्रीय नेताओं को श्रद्धांजलि देने के लिए चुना गया है। इस विशिष्ट यात्रा के साथ उन्हें वहां रहने के अतिरिक्त, संसद भवन, संसद संग्रहालय, प्रधानमंत्री संग्रहालय और राष्ट्रीय युद्ध स्मारक आदि का भ्रमण कराया जायेगा। विद्यालय के कार्मिक और प्रशासनिक प्रमुख डॉ प्रदीप वर्मा और प्राचार्या परमजीत कौर ने छात्रा को बधाई दी और उसके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

सीआरपीएफआर्म्स गार्ड रूम से दो इंसास राइफल की चोरी

सरायकेला। झारखण्ड के सरायकेला में आदित्यपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत राजकीय पालिटेक्निक कालेज परिसर स्थित सीआरपीएफ की 157वीं बटालियन के आर्म्स गार्ड रूम से दो इंसास राइफल की चोरी हो गई। सीआरपीएफ अधिकारियों का आरोप है कि नौ नवंबर को आर्म्स गार्ड रूम से इंसास राइफल की चोरी निलंबित जवान रोहित कुमार ने एक स्थानीय युवक मोहित मुंडा के साथ मिलकर किया है। फिलहाल मोहित मुंडा पुलिस हिरासत में है, जबकि रोहित फरार है। रोहित को पकड़ने के लिए पुलिस बिहार के आरा में छापेमारी कर रही है। एसपी ने कहा कि आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की जाएगी।

रांची के राजेश और पत्नी प्रीति पर 13 लाख की ठगी का आरोप, मामला दर्ज

बोकारो। चीराचास के रहने वाले दंपत्ति को सरसो तेल के कारोबार शुरू करने के नाम पर रांची के अरगोड़ा के व्यापारी ने 13 लाख रुपये ठग लिये। राजू रंजन सिन्हा ने चास थाना में धोखाधड़ी करने वाले व्यापारी पर प्राथमिकी दर्ज करायी है। उसने पुलिस को बताया है कि रांची के अरगोड़ा की महा बाबा ऑयल इंड्रस्ट्रीज के मालिक राजेश सिन्हा और उनकी पत्नी प्रीति सिन्हा से सरसो तेल के कारोबार शुरू करने के सिलसिले में मुलाकात हुई। दोनों ने कहा कि पूरे झारखंड में उत्तम क्वालिटी का सरसो तेल आपूर्ति करते है। प्रीति सिन्हा ने कहा कि अगर उनके साथ नगद कारोबार करेंगे, तो जीएसटी की बचत हो जायेगी। राजेश और उनकी पत्नी एक माह के अंदर सरसो तेल की आपूर्ति शुरू कर देंगे। राजेश और उनकी पत्नी प्रीति को चीराचास के आशियाना फेज-4 के एकदंत टावर स्थित आवास में बुला कर कारोबार को लेकर डील पक्की करते हुए अपने साथियों की मौजूदगी में 25 लाख रुपये दे दिया। दोनों ने वादा किया कि एक माह के अंदर सरसो तेल की आपूर्ति शुरू कर देंगे, लेकिन जब एक माह का समय बीत गया। कुछ दिनों के बाद दोनों उनका फोन नहीं उठाने लगे।

उग्रवादी संगठन टीपीसी के नाम पर रंगदारी मांगने वाला धराया, मोबाइल और सिम बरामद

रांची (आजाद सिपाही)। रांची के सुखदेवनगर थाना की पुलिस ने उग्रवादी संगठन टीपीसी के नाम पर कारोबारियों को फोन पर धमकी देकर रंगदारी की मांगने वाले आरोपी को दबोच लिया है। गिरफ्तार आरोपी का नाम करण कुमार है। वह मूल रुप से हजारीबाग के बड़कागांव थाना क्षेत्र का रहने वाला है। इसके पास से पुलिस ने रंगदारी मांगने में इस्तेमाल किया गया मोबाइल और सिम कार्ड बरामद किया है। सिटी एसपी अंशुमान कुमार ने शुक्रवार को प्रेस कांफ्रेस में बताया कि बीते छह नवम्बर को श्री गोपाल ऑटोमोबाईल, पेट्रोल पम्प रातू रोड़ के मालिक से टीपीसी के नाम पर वाट्सएप से कॉल कर धमकी देते हुए अपना परिचय टीपीसी का सदस्य बताया और कॉल बैंक करने के लिए पेट्रोल पम्प के मालिक को बोला पर पेट्रोल पम्प के मालिक ने फोन कट कर दिया। इसके बाद फिर उसी नम्बर के वाट्सएप से वीडियो कॉल आया तो पेट्रोल पम्प के मालिक के द्वारा कॉल को कट कर दिया गया। इसपर उसने धमकी भरा मैसेज और एक एके 47 का फोटो और हथियारबंद व्यक्ति का फोटो भेजा। इसके बाद उस पेट्रोल पम्प के मालिक ने मामले की सूचना सुखदेवनगर थाना को दी। इस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए डीएसपी कोतवाली प्रकाश सोय के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया। टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया। एसपी ने बताया कि पूछताछ में आरोपी ने अपनी संलिप्तता स्वीकार करते हुए बताया कि वह अक्टूबर में ओरमांझी के मधुबन में बिनोद महतो से मिला। विनोद ने उसे बताया कि वह टीपीसी का सब जोनल कमांडर है।

यह कैसा इंसाफ

दिल्ली के बहुचर्चित छावला गैंगरेप-मर्डर केस में मौत की सजा पा चुके तीन कैदी जिस तरह सुप्रीम कोर्ट से बरी हो गये। वह न केवल चौंकाने वाला है, बल्कि हमारी पूरी न्याय प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े करता है। यह मामला दिल्ली में बहुचर्चित निर्भया कांड से कुछ महीने पहले का है, जिसमें काम से लौट रही एक 19 साल की लड़की को घर के पास से अपहृत कर लिया गया था। तीन दिन बाद उसकी लाश हरियाणा के रेवाड़ी से क्षत-विक्षत अवस्था में मिली थी। पता चला कि विक्टिम के साथ गैंगरेप तो हुआ ही था, अपराधियों ने उसकी आंख में तेजाब डाल दिया था और टूटी शराब की बोतलें उसके प्राइवेट पार्ट में घुसाई थीं। इस वीभत्स कांड ने देशवासियों को दहला दिया था। इसके बाद हुए निर्भया कांड ने सबको झकझोर डाला और फिर यौन अपराधों से जुड़े कानूनों को और सख्त बनाया गया। लेकिन छावला गैंगरेप-मर्डर केस की सुप्रीम कोर्ट में हुई परिणति बताती है कि निर्भया कांड के बाद कानून में किये गये सुधार भी सरकारी और न्याय तंत्र के कामकाज के तरीकों में अपेक्षित बदलाव नहीं ला पाये। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने गौर किया कि जो 49 गवाह बनाये गये थे, उनमें से 10 के साथ बचाव पक्ष ने कोई जिरह ही नहीं की। कई अन्य गवाहों के साथ ठीक से जिरह नहीं की गयी। सुप्रीम कोर्ट को अपने फैसले में यह भी कहना पड़ा कि मुकदमे में जजों की भूमिका निष्क्रिय अंपायरों जैसी नहीं होनी चाहिए, सही निष्कर्ष तक पहुंचने के लिए उन्हें गवाहों से सवाल करने की जरूरत होती है। अक्सर अभियुक्त अपने लिए अच्छे वकील करने की स्थिति में नहीं होते। ऐसे में फेयर ट्रायल के लिए यह जरूरी होता है कि जज अभियोजन पक्ष के वर्जन की ठीक से जांच-परख करें। इस मामले में तो जांच के स्तर पर भी गंभीर खामियां थीं। अपहरण की घटना के कई प्रत्यक्षदर्शी थे, इसके बावजूद आरोपियों की पहचान परेड तक नहीं करायी गयी। ट्रायल कोर्ट और हाइकोर्ट ने आरोपियों की गिरफ्तारी, उनके कबूलनामे और जप्तियों पर साक्ष्यों से पुष्टि किये बगैर पुलिस के वर्जन को स्वीकार कर लिया। यहां तक कि सैंपल इकट्ठा करने और उन्हें फॉरेंसिक लैब भेजे जाने की प्रक्रिया में भी गड़बड़ियां पायी गयीं। ट्रायल कोर्ट और हाइकोर्ट ने इन सबके बावजूद फांसी की सजा सुनायी। यह कोई इकलौता मामला नहीं है। नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, दिल्ली के एक प्रॉजेक्ट 39ए के मुताबिक 2021 में देश भर में 33 ऐसे कैदियों को बरी किया गया, जिन्हें मौत की सजा सुनायी जा चुकी थी। यह बहुत बड़ी संख्या है। चूंकि अपराध को लंबा अरसा हो चुका होता है और ज्यादातर सबूत नष्ट हो चुके होते हैं, इसलिए ऐसे मामलों में दोबारा जांच के आदेश भी नहीं दिए जा सकते। निश्चित रूप से यह स्थिति हमारी न्याय व्यवस्था के लिए एक कठिन चुनौती पेश करती है।

सुप्रीम कोर्ट को अपने फैसले में यह भी कहना पड़ा कि मुकदमे में जजों की भूमिका निष्क्रिय अंपायरों जैसी नहीं होनी चाहिए, सही निष्कर्ष तक पहुंचने के लिए उन्हें गवाहों से सवाल करने की जरूरत होती है।

अभिमत
आजाद सिपाही

नरेंद्र मोदी और अमित शाह के नेतृत्व में भाजपा सामान्य नगर निकायों के चुनावों को भी इतनी प्रखरता से लड़ती है कि उसके मायने बदल जाते हैं। चूंकि 2024 लोकसभा चुनाव लगभग सवा साल दूर हैं, इसलिए उस दृष्टि से भी इन परिणामों को देखा जाना स्वाभाविक है। छह राज्यों के सात विधानसभा उपचुनाव के परिणाम का विश्लेषण मुख्यतः आपके दृष्टिकोण पर निर्भर करेगा।

राजनीतिक वातावरण में अब हर चुनाव है महत्वपूर्ण

अवधेश कुमार

उपचुनाव परिणामों को वर्तमान और भावी राजनीति के महत्वपूर्ण संकेत के रूप में नहीं लिया जाता रहा है। पिछले कुछ वर्षों में यह प्रवृत्ति बदली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा के चुनावी उत्थान के बाद से जिस तरह का राजनीतिक वातावरण बना है उसमें हर चुनाव महत्वपूर्ण हो गया है। विश्लेषकों ने जिस तरह भाजपा के कहीं उपचुनाव हारने को उसके अंत की शुरूआत का संकेतक बताना शुरू किया उससे भी यह स्थिति पैदा हुई है।

नरेंद्र मोदी और अमित शाह के नेतृत्व में भाजपा सामान्य नगर निकायों के चुनावों को भी इतनी प्रखरता से लड़ती है कि उसके मायने बदल जाते हैं। चूंकि 2024 लोकसभा चुनाव लगभग सवा साल दूर हैं, इसलिए उस दृष्टि से भी इन परिणामों को देखा जाना स्वाभाविक है। छह राज्यों के सात विधानसभा उपचुनाव के परिणाम का विश्लेषण मुख्यतः आपके दृष्टिकोण पर निर्भर करेगा। सात में से चार स्थान भाजपा ने जीते और यह उसके जनाधार के मजबूत बने रहने का द्योतक है। पहले उसके पास तीन स्थान थे। कांग्रेस हरियाणा और तेलंगाना की अपनी सीटें गंवा बैठी, तो इसके राजनीतिक मायने हैं और वे निश्चित रूप से महत्वपूर्ण हैं, तो इन परिणामों से भविष्य की राजनीति की क्या तस्वीर निकलती है?

इन परिणामों के निहितार्थ यही है कि सभी पार्टियों के लिए 2019 के लोकसभा चुनाव से ज्यादा अंतर नहीं आया है।

उत्तर प्रदेश की गोला गोकर्णनाथ, बिहार के गोपालगंज, ओड़िशा की धामनगर और हरियाणा की आदमपुर सीट भाजपा के खाते गई है। इनमें आदमपुर सीट पहले उसकी नहीं थी। बिहार के मोकामा में राष्ट्रीय जनता दल की विजय हुई। तेलंगाना में मुनुगोड़े टीआरएस तथा महाराष्ट्र के अंधेरी ईस्ट उद्धव ठाकरे की शिव सेना जीती है। कहा जा सकता है कि गोला गोकर्णनाथ, गोपालगंज और धामनगर तीनों पहले भाजपा के ही खाते में थे। तीनों स्थान विधायकों की मृत्यु से खाली हुए थे, लेकिन तीनों स्थानों को फिर से प्राप्त करना इस बात का परिचायक तो है ही कि भाजपा का जनाधार पूरी तरह कायम है।

इन परिणामों के आधार पर यह निष्कर्ष निकालना आसान है कि जहां राजद ने अच्छे अंतर से जीत पायी, वहीं भाजपा ने कम। बिहार में राजद का ठोस जनाधार है, इससे कोई इनकार नहीं कर सकता। न भूलिए कि जद (यू) से अलग होने के बाद भाजपा पहली बार अकेले चुनाव लड़ रही थी।

गोला गोकर्णनाथ लखीमपुर खीरी जिले में आता है, जहां कृषि कानून विरोधी आंदोलन के दौरान हुई हिंसा में लोग मारे गये थे। प्रचार यह रहा है कि वहां के सांसद और गृह राज्य मंत्री अजय मिश्र टोनी के विरुद्ध व्यापक आक्रोश है और लोग भाजपा को हरायेंगे। यह प्रचार पहले भी गलत साबित हुआ और फिर पुष्टि हो गयी है कि जो माहौल बनाया गया है, स्थानीय स्तर के लोग ऐसा नहीं सोचते।

दूसरे वहां भाजपा के उम्मीदवार अमन गिरि ने विनय तिवारी को 34,298 वोटों से हराया, जबकि पिछले चुनाव में अमन गिरि के पिता अरविंद गिरि ने विनय तिवारी को 29,294 वोटों से हराया था। तो जीत का अंतर भी बढ़ा है। निःसंदेह, बिहार की गोपालगंज सीट पर राष्ट्रीय जनता दल ने भाजपा को कड़ी टक्कर दी। वहां भाजपा की कुसुम देवी ने राजद के मोहन गुप्ता को केवल 2183 वोटों से हराया। दूसरी ओर बिहार के मोकामा में राजद के उम्मीदवार अनंत सिंह की पत्नी नीलम देवी ने भाजपा की सोनम देवी को 16,707 मतों से हराया है।

इन परिणामों के आधार पर यह निष्कर्ष निकालना आसान है कि जहां राजद ने अच्छे अंतर से जीत पायी, वहीं भाजपा ने कम। बिहार में राजद का ठोस जनाधार है, इससे कोई इनकार नहीं कर सकता। न भूलिए कि जद (यू) से अलग होने के बाद भाजपा पहली बार अकेले चुनाव लड़ रही थी। निश्चित रूप से उसका आत्मविश्वास कम रहा होगा। दूसरी ओर राजद के उम्मीदवार को लोजपा को छोड़ सभी पार्टियों का समर्थन प्राप्त था। राजद, जदयू, कांग्रेस, हम और कम्युनिस्ट पार्टियों का गठबंधन एक ओर था, तो भाजपा दूसरी ओर। इसमें गोपालगंज में उसकी विजय तथा मोकामा में उसके उम्मीदवार को 62,131 मत प्राप्त होना साफ करता है कि बिहार में वह अच्छा प्रदर्शन कर सकती है। यानी आगामी लोकसभा चुनाव के लिए ठीक तैयारी करने पर उसके बेहतर प्रदर्शन की संभावनाएं मौजूद हैं।

मुंबई की अंधेरी वेस्ट से कोई निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता, क्योंकि शिवसेना उद्धव के प्रत्याशी ऋतुजा लटके के विरुद्ध भाजपा ने अपना उम्मीदवार नहीं उतारा था। वहां उनका मुकाबला केवल निर्दलीय से था। तेलंगाना के मुनुगोड़े विधानसभा सीट कांग्रेस के विधायक कोमाटी रेड्डी राजगोपाल रेड्डी के भाजपा में शामिल होने के कारण खाली हुई थी।

भाजपा ने उन्हें उम्मीदवार बनाया, पर टीआरएस के प्रभाकर रेड्डी से वह 10,000 से ज्यादा वोटों से पराजित हो गये, लेकिन इससे साफ हो गया कि तेलंगाना में अब कांग्रेस तीसरे नंबर की पार्टी है और भाजपा टीआरएस के साथ मुख्य मुकाबले में है। यह महत्वपूर्ण है। पुनः निःसंदेह, इस चुनाव में टीआरएस का दबदबा कायम रहने का संकेत है। तो 2024 में बेहतर प्रदर्शन के लिए भाजपा को ज्यादा परिश्रम की आवश्यकता है। उसके पूर्व विधायक ठाकुर राजा सिंह की गिरफ्तारी तथा भाजपा का उनके लिए कोई स्टैंड न लेने के कारण कार्यकर्ताओं में निराशा है तथा समर्थक नाखुश हैं। बावजूद उम्मीदवार को इतने अधिक मत मिलने का मतलब है कि अगर भाजपा ने अपना रुख स्पष्ट किया, तो उसकी स्थिति बेहतर हो सकती है। हरियाणा आदमपुर विधानसभा उपचुनाव वहां के विधायक कुलदीप बिश्नोई के कांग्रेस छोड़ भाजपा में चले जाने से आयोजित हुआ। भाजपा ने उनके पुत्र भव्य बिश्नोई को टिकट दिया। भव्य बिश्नोई ने कांग्रेस के उम्मीदवार जयप्रकाश को 16,606 वोटों से पराजित कर दिया। इसके मायने भी स्पष्ट हैं कि हरियाणा में सत्तारूढ़ भाजपा के विरुद्ध जनता में बड़ा असंतोष नहीं है। कुल मिला कर इन परिणामों के निहितार्थ यही है कि सभी पार्टियों के लिए 2019 के लोकसभा चुनाव से ज्यादा अंतर नहीं आया है।

जमशेदपुर की खबरें

1932 का खतियान लागू होने पर झामुमो कार्यालय में मना जश्न, अबीर गुलाल लगा कर आतिशबाजी की

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। झारखंड में हेमंत सरकार के प्रयास से बिधानसभा में झारखंड की जनता का वर्षों पुरानी मांग 1932 के खतियान पारित व ओबीसी को 27% आरक्षण मिलने की खुशी में झामुमो कार्यकताओं के बीच जश्न का माहौल है। शुक्रवार को साकची स्थित जिला संपर्क कार्यालय से पूर्व सांसद सुमन महतो एवं झारखंड आंदोलनकारी झामुमो के वरिष्ठ नेता प्रमोद लाल के नेतृत्व में पदयात्रा निकाला गया। संपर्क कार्यालय से पदयात्रा उपायुक्त कार्यालय होते हुए साकची गोल चक्कर पहुंची। जहां सैकड़ों झामुमो कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर राज्य सरकार को बधाई दी। मौके पर जमकर आतिशबाजी की गयी। वही आम लोगों के बीच खुशी जाहिर करते हुए लड्डू का वितरण किया गया। पूर्व सांसद सुमन महतो ने बताया कि राज्य में हेमंत सरकार लगातार जनता के बीच काम कर रही है। आपके सरकार आपके योजना आपके द्वार शिविर के माध्यम से राज्य के अंतिम व्यक्ति तक योजना का लाभ पहुंचने लगी है। वहीं आंदोलनकारी नेता प्रमोद लाल ने बताया हेमंत सरकार ने 1932 का खतियान लागू कर झारखंड की जनता के लिए ऐतिहासिक काम किया। राज्य के युवा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने ओबीसी को 27% का आरक्षण देने का काम किया। ताकि राज्य में खुशहाल कायम रह सके। मौके पर पूर्व सांसद सुमन महतो, आंदोलनकारी नेता प्रमोद लाल, जिला उपाध्यक्ष सागेन पूर्ति, अरुण प्रसाद,राज लकड़ा, कालू गोराई, विनोद डे, अजय रजक, प्रीतम हेम्राम, श्यामल रंजन सरकार, बलदेव भुइयां, डी राकेश राव, फैयाज खान, मानगो के हर-देव सिंह, उमा नंद झा, गुरदीप सिंह, अरुण मुर्मू, राजकुमार सिंह, झरना पाल, बाली मार्डी,रजनी दास, नीता सरकार,बाबर खान, गुरमीत गिल, इंद्रपाल सिंह, रानू कुमार, पिंटू लाल, चंदन लाल, अनवर अली, इंदर पाल सिंह शामिल रहे।

सिदगोड़ा चिल्ड्रेन पार्क में बाल मेला के कार्यालय का विधायक ने किया उद्घाटन

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। सिदगोड़ा स्थित चिल्ड्रेन पार्क में 12 नवंबर से प्रारंभ होने वाले बाल मेला 2022 को सुचारू रूप से सफल बनाने के लिए मेला कार्यालय का उद्घाटन किया गया। शुक्रवार को सिदगोड़ा स्थित चिल्ड्रेन पार्क के पास जमशेदपुर पूर्व के विधायक सरयू राय ने फीता काट कर कार्यालय का उद्घाटन किया। मौके पर विधायक सरयू राय ने कहा मेले का उद्घाटन 12 नवंबर को अपराह्न 3 बजे उपसभापति राज्यसभा हरिवंश नारायण सिंह के द्वारा किया जायेगा। दो दिवसीय बाल मेला रोजाना सुबह 10 बजे से 7 सांध्य बजे तक प्रारंभ रहेगा। मेले में बच्चों के उम्र की सीमा के अनुसार विभिन्न प्रकार के खेलकूद, गीत संगीत, निबंध, चित्रांकण प्रतियोगिता, कठपुतली शो, माइम शो, बाल फिल्म, वैज्ञानिक प्रयोग, फैंसी पोषाक प्रतियोगिता, प्रदर्शनी, योगा, नाट्य प्रस्तुति, बच्चों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य जांच का भी आयोजन किया जा रहा है।साथ ही विस्व स्वास्थ्य संगठन के निर्देशों के अनुरूप स्वच्छ बचपन एवं स्वस्थ बचपन से संबंधित जागरूकता अभियान की व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया बच्चों में स्वास्थ्य संस्कार का रोपण, अपसंस्कृति का निवारण, सोशल मीडिया एवं संचार माध्यमों के सदुपयोग के प्रति जागरूकता पैदा करने वाले रोचक कार्यक्रमों के माध्यम से बाल मन को सजग बनाने के कार्यक्रम मेला के दौरान प्रस्तुत किए जाएंगे। इस दौरान राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप 21वीं सदी के लिए दक्ष एवं प्रवीण मानव संसाधन की चुनौतियों का समाधान करने के बारे में भी मेला में बच्चों के लिए हर प्रकार से उपयोगी कार्यक्रमों की श्रृंखला बाल मेला आयोजक समिति द्वारा किया गया है।

झारखंड टाइगर के जन्मदिन पर झामुमो ने मनाया जश्न

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। झारखंड बिधानसभा में 1932 का खतियान पारित होने व झारखंड टाइगर के जन्मदिन पर झामुमो कार्यकर्ताओं ने जम कर जश्न मनाया। शुक्रवार को झामुमो कार्यकर्ताओं ने बारीडीह गोल चक्कर के पास झामुमो नगर समिति के अध्यक्ष दल गोविंद लोहरा व नगर सचिव नंदू सरदार के नेतृत्व में आतिशबाजी व लड्डू वितरण कर खुशी मनायी। मौके पर पूर्व जिला अध्यक्ष महावीर मुर्मू ने बताया झारखंड विधानसभा में झारखंड राज्य के युवा कर्मठ राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने 1932 का खतियान को विधानसभा में पारित कर ओबीसी को 27% आरक्षण देने का काम किया। दूसरी तरफ आज ही के दिन झारखंड राज्य के कैबिनेट मंत्री चंपई सोरेन के 65वां जन्मदिन भी है। दोनों उपलक्ष पर झामुमो नेता एवं कार्यकर्ताओं में खुशी का लहर है। उन्होंने बताया कि सैकड़ों झामुमो कार्यकर्ता एवं नेताओं ने एकजुट होकर बारीडीह गोल चक्कर में अबीर गुलाल लगाकर खुशी जाहिर करते हुए राज्य के मुख्यमंत्री को बधाई दी। इस दौरान जम कर आतिशबाजी की गयी। साथ ही जरूरतमंदों के बीच कंबल और लड्डू का वितरण किया गया। मौके पर पूर्व मंत्री दुलाल भुइंया, महाबीर मुर्मू, कमलजीत कौर गिल, बलदेव भुइंया, नंटू सरकार, सुरज गौड़, रूपेश आहूजा, प्रहलाद लोहार, जोगेंद्र साहू, विष्णु प्रधान, धनंजय सिंह, उमाकांत दास, मनोज तांती, जीतू गोराई, संतोष लकड़ा, राजू मुखी, हेमू राय, रंजीत सिंह,निर्मल बागती, जुगल किशोर, अमृत श्रीवास्तव, लवली सिंह, बिष्णु नाग आदि शामिल रहे।

झारखंड सरकार के खिलाफ भाजपा का प्रदर्शन

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। झारखंड में हेमंत सरकार तीन साल पूरा करने जा रही है। युवाओं को रोजगार, बेरोजगारी भत्ता एवं ऋण माफी जैसे बड़े वादे के सहारे सत्ता में आई झामुमो कॉंग्रेस एवं राजद के गठबंधन सरकार की वादाखिलाफी, भ्रष्टाचार, अराजकता, तुष्टिकरण, महिला उत्पीड़न, ध्वस्त विधि व्यवस्था और खनिज संपदाओं की खुली लूट जैसे मुद्दे को लेकर सूबे की मुख्य विपक्षी दल भाजपा ने राज्य सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। शुक्रवार को भाजपा जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष गुंजन यादव के नेतृत्व में महानगर अंतर्गत 22 मंडलों के हजारों कार्यकताओं ने करनडीह स्थित प्रखंड कार्यालय पर राज्य सरकार के खिलाफ जमकर विरोध-प्रदर्शन एवं नारेबाजी करते हुए झामुमो-कॉंग्रेस सरकार पर हमला बोला। इस दौरान जमशेदपुर महानगर अंतर्गत विभिन्न मंडलों की प्रमुख समस्याओं को दशार्ते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर समुचित निदान की मांग की गई। आक्रोश प्रदर्शन में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिनेशानंद गोस्वामी, प्रदेश मंत्री सह जिला प्रभारी सुबोध सिंह गुड्डू समेत कई वरीय नेतागण शामिल हुए।

इस अवसर पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिनेशानंद गोस्वामी ने कहा हेमंत सोरेन सरकार सभी मोर्चों पर पूरी तरह विफल है। चुनाव से पहले और सत्ता में आने के बाद हेमंत सरकार केवल घोषणाएं कर रही है। पूरे राज्य में विकास कार्य ठप्प है। प्रदेश में खनिज सम्पदाओं की खुली लूट मची है। सत्ता के संरक्षण में अवैध बालू खनन, खनिज संपदा की लूट और जंगल की अवैध कटाई जोरों पर है। भाजपा प्रदेश मंत्री सह जिला प्रभारी सुबोध सिंह गुड्डू ने राज्य सरकार पर ध्वस्त विधि-व्यवस्था और गिरते स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर हमला बोला।

आक्रोश प्रदर्शन को पूर्व जिलाध्यक्ष देवेंद्र सिंह, अभय सिंह, चंद्रशेखर मिश्रा, नंदजी प्रसाद, ब्रह्मदेव नारायण शर्मा, राजेश शुक्ला, कल्याणी शरण, मिथिलेश सिंह यादव, मनोज सिंह, डॉ राजीव कुमार, नीरज सिंह, विकास सिंह व अन्य वक्ताओं ने भी संबोधित किया। वहीं, मंच संचालन महामंत्री अनिल मोदी व धन्यवाद ज्ञापन घाघीडीह मंडल अध्यक्ष संदीप शर्मा बौबी ने किया। मौके पर सुधांशु ओझा, संजीव सिन्हा, बबुआ सिंह, अनिल मोदी, नीलू मछुआ, मंजीत सिंह, जितेंद्र राय, राजीव सिंह, बोलटू सरकार, ज्ञान प्रकाश, कौस्तुव राय, धर्मेंद्र प्रसाद, ज्योति अधिकारी, अमित अग्रवाल, अजीत कालिंदी, बिनानंद सिरका, मो निसार, विमल बैठा, निशांत कुमार, अमिताभ सेनापति, विजय तिवारी, संजय सिंह, संदीप शर्मा बॉबी, चंचल चक्रवर्ती, सुनील सिंह मुंडा, त्रिदेव चट्टराज, पवन सिंह, दीपक पॉल, प्रशांत पोद्दार, बिनोद राय, सुरेश शर्मा शामिल रहे।

अपहरण कर हत्या करने के मामले में फरार आरोपी गिरफ्तार

मेराल (आजाद सिपाही)। थाना पुलिस ने अपहरण कर हत्यारोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मेराल थाना में 26 अक्टूबर को टिकुलडीहा गांव निवासी अहमद खान की पत्नी जमीला बीबी का अपहरण कर बिहार राज्य के औरंगाबाद जिला अंतर्गत बारुण थाना क्षेत्र में हत्या कर देने की प्राथमिकी दर्ज करायी गई थी। पुलिस ने कांड में सम्मिलित प्राथमिकी अभियुक्त अफसर खान 42 वर्ष पिता युनूस उर्फ जवाहिर खान को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। बताया गया कि अभियुक्त द्वारा अपने अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर जमीला बीबी का अपहरण कर उसकी हत्या कर दी गई थी।

सीएम के खिलाफ जन आक्रोश प्रदर्शन किया

विशुनपुरा (आजाद सिपाही)। प्रखंड कार्यालय के समक्ष भाजपा मंडल बिशुनपुरा के द्वारा झारखंड के मुख्यमंत्री के खिलाफ जन आक्रोश प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में सरकार सरकार के विरुद्ध जमकर नारेबाजी की गई। बिशुनपुरा प्रखण्ड परिसर में रोश पूर्ण विरोध प्रदर्शन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा के वरिष्ठ नेता शारदा महेश प्रताप देव ने कहा की जब से हेमंत सरकार सता में आयी है तब से पुरे झारखण्ड में भष्टाचार पूरी तरह फैल गया है, यह सरकार सिर्फ चारो तरफ लूट मचाई हुई है। मंडल प्रभारी सह किसान मोर्चा ज़िला उपाध्यक्ष कृपाल सिंह ने कहा की हेमंत सरकार ने युवाओ को छलने का कार्य किया है रोजगार देने के नाम पर युवाओं को ठेंगा दिखाने का कार्य किया है। अभी तक जो वादा हेमंत सोरेन ने किया था एक भी पूरा नहीं कर पाये हैं, हेमंत सरकार हर मोर्चे पर फेल है। मौके पर सांसद प्रतिनिधी पुलस्त शुक्ला,मंडल अध्यक्ष अवध बिहारी गुप्ता,विधायक प्रतिनिधि अशोक पासवान,विधायक प्रतिनिधी सह ज़िला शोसल मीडिया प्रभारी जितेंद्र दीक्षित, मंडल उपाध्यक्ष इंद्रजीत ठाकुर, अशोक मेहता,मंडल महामंत्री कुंदन चौरसिया,उप प्रमुख प्रतिनिधि अजय पाल,मिडिया प्रभारी मंटू पाण्डेय,वरिष्ठ भाजपा नेता राम अवध सिंह, पंचायत अध्यक्ष रामलखन मेहता मुकेश बियार, लक्ष्मण पासवान राजेंद्र प्रसाद गुप्ता, ननकू यादव,राजीव रंजन चंद्रवंशी, राम सुंदर पाल, चिंटू सिंह,मीडिया प्रभारी विकास चंद्रवंशी एवं अन्य कार्यकर्ता शामिल थे।

समाज को सही दिशा देने का काम करती है: स्काउटिंग

गढ़वा (आजाद सिपाही)। सीबीएसइ से मान्यता प्राप्त स्थानीय जीएन कॉन्वेन्ट (10+2) स्कूल में चार दिवसीय चलने वाले भारत स्काउट एंड गाइड प्रशिक्षण के तीसरे दिन के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम का शुरूआत स्काउट फ्लैग और मार्च पास्ट के साथ हुआ। निदेशक मदन केशरी के कर कमलों द्वारा ध्वजारोहण किया गया वहीं स्काउट गीत और उपस्थित समस्त बच्चों ने स्काउट शपथ लिया। निदेशक ने स्काउट एंड गाइड के बच्चों द्वारा झंडे की सलामी ली। वहीं प्रशिक्षण के प्रथम दिन सभी स्काउट एंड गाइड सदस्य शिविर बनाने का प्रशिक्षण प्राप्त किया। वहीं स्काउट क्लेपिंग का प्रशिक्षण हुआ। दूसरे दिन बच्चों ने मैपिंग चिन्ह, जिला स्तरीय, राज्य स्तरीय पारंपरिक गीत, संस्कृति और देशभक्ति गीत, राष्ट्र चिन्तन से सम्बंधित गतिविधियों से रू ब रू हुए आज तीसरे दिन के प्रशिक्षण शिविर में यह सीख हासिल किया कि कम से कम संसाधन और विषम परिस्थितियों में भी अपने आप को किस प्रकार रख सकते हैं। वे पाकशाला आदि का भी प्रशिक्षण प्राप्त किया। कार्यक्रम में उपस्थित स्काउट एंड गाइड के बच्चों को सम्बोधित करते हुए निदेशक ने कहा कि स्काउट हमें संघर्षो से जूझना एवं लड़ना सिखाता है। अनुशासन, एकता, स्वाबलंबी तथा आत्मनियंत्रण का पाठ सिखाता है। प्रशिक्षण के दौरान स्काउट एंड गाइड के नियमों की जानकारी दी जाती है। शिविर में जो कुछ सीखेंगे उसे अपने जीवन में लागू करें तभी इस प्रशिक्षण का उद्देश्य पूरा होगा। स्काउट एंड गाइड एक आंदोलन है, सैन्य शक्ति और सामाजिक जीवन के सार हम इससे सीखते हैं। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस शिविर का संचालन स्कूटमास्टर विकास कुमार और उनके स्काउट सदस्य के साथ स्कूल के पीटीआइ अजय वाल्मीकि और सुनीता कुमारी के सहयोग से किया गया।

भाजपा की सरकार बनने के बाद भ्रष्ट नेता जायेंगे जेल : राजीव राज तिवारी

गढ़वा (आजाद सिपाही)। भाजपा के प्रदेश मीडिया सह प्रभारी राजीव राज तिवारी ने कहा है कि आगामी चुनाव में बाबूलाल मरांडी के नेतृत्व में राज्य में भाजपा की सराकार बनेगी और भ्रष्टाचार में लिप्त झामुमो सरकार के विधायक और मंत्री सलाखों के पीछे होंगे। उक्त बातें भाजपा के प्रदेश मीडिया सह प्रभारी राजीव राज तिवारी ने शुक्रवार को एक प्रेसवार्ता में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि झामुमो सरकार में कई ऐसे मंत्री और विधायक हैं जिनका आपराधिक इतिहास रहा है। उन पर पुराने मुकदमें चल रहे हैं। ऐसे झामुमो सरकार में शामिल नेता अवैध खनन, बालू, एवं जमीन से संबंधित कारोबार में लिप्त है।. उन्होंने कहा कि राज्य की हेमंत सरकार और उनके कुछ मंत्री भ्रष्टाचार में लिप्त हैं और भाजपा की सरकार बनते ही इन पर शिकंजा कसेगा। और यह पूरा झारखंड देखेगा। ऐसे नेताओं की अब उल्टी गिनती शुरू हो गयी है। राज्य की जनता इनकी करतूतों को जान गयी है और आनेवाले चुनाव में जनता इन्हें करारा जवाब देगी। उन्होंने कहा कि यह कैसी गरीबों की सरकार है जहां सरकारी महकमों में गरीबों को बिना नजराना दिये कोई काम नहीं होता है। विभिन्न विभागों में भ्रष्टाचार का बोलबाला है। श्री तिवारी ने कहा कि वे जब तक जीवित हैं तब तक भ्रष्ट्राचार और भ्रष्ट्राचारियों के विरूद्ध लड़ते रहेंगे। इसका अंजाम क्या होगा इसकी उन्हें कोई परवाह नहीं है। भाजपा एक सशक्त पार्टी है और शुरू से ही भ्रष्ट्राचार और भ्रष्टाचारियों के विरूद्ध लड़ती रही है। प्रेसवार्ता में भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष गिरिंद्र नाथ पांडेय उपस्थित थे।

झारखंडियों का सपना हुआ साकार : झामुमो

27 प्रतिशत आरक्षण और 1932 का खतियान पारित होने पर उल्लास

झामुमो ने मनाया जश्न, निकाली रैली, जमकर हुई आतिशबाजी, खूब उड़े अबीर-गुलाल, बांटी मिठाइयां

गढ़वा (आजाद सिपाही)। झारखंड विधानसभा के विशेष सत्र में शुक्रवार को ओबीसी के लिए 27% आरक्षण, स्थानीय के लिए 1932 का खतियान आदि पारित होने पर पूरे राज्य सहित गढ़वा में भी उल्लास का माहौल है। सरकार के इस फैसले की खुशी में झामुमो एवं मूल वासियों ने खूब जश्न मनाया। विधानसभा से पारित होते ही गढ़वा जिला झामुमो के नेतृत्व में जिला मुख्यालय में रैली निकाली गई। झामुमो कार्यकर्ताओं ने जमकर आतिशबाजी की। खूब अबीर, गुलाल उड़ाये एवं मिठाइयां बांटी। टाउन हॉल के मैदान से रंका मोड़ तक जुलूस निकाली गई। रंका मोड़ पर ही लगे बड़े टीवी में विधानसभा की कार्रवाई भी कार्यकर्ता देख रहे थे। मौके पर झामुमो जिला अध्यक्ष तनवीर आलम, सचिव मनोज ठाकुर, केंद्रीय प्रवक्ता धीरज दुबे, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष अंजली गुप्ता आदि नेताओं ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि झारखण्ड के लिए आज का दिन ऐतिहासिक और बेहद खुशी का दिन है। झारखंड के आदिवासी, मूलवासी, दलित और पिछड़े वर्ग तथा इस राज्य के मूलनिवासियों की वर्षों पुरानी सपना को हेमन्त सोरेन के नेतृत्व वाली झारखंड सरकार ने साकार कर दिया है। हेमंत सरकार ने सही मायने में आज झारखंडी जनभावना के अनुरूप तमाम झारखंडियों को झारखंडी पहचान दिया है। इसके साथ ही राज्य के आदिवासी, दलित और पिछड़े वर्ग के लोगों को आरक्षण के जरिये उनका जायज हक प्रदान किया है। झारखंड वासियों के लिए यह आपार हर्ष का विषय है कि झारखंड स्थानीयता विधेयक और आरक्षण (संशोधन) विधेयक झारखंड विधानसभा से पारित हो गया है। झारखंड के इतिहास में यह पल स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज हो गया है। हेमंत सरकार ने यह साबित कर दिया है कि सही मायने में यह सरकार झारखंडियों की सरकार है। आदिवासी, मूलवासी, दलित, पिछड़े और वर्षों से शोषित, पीड़ित जनता की सरकार है। यह सरकार झारखंडियों के जनकल्याण, मान-सम्मान, हक- हकूक और राज्य के चहुंमुखी विकास के लिए काम करने वाली सरकार है। इस ऐतिहासिक फैसले के लिए झारखंड के यशस्वी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सहित कैबिनेट के तमाम मंत्री गण सत्ता पक्ष झामुमो, कांग्रेस और राजद समेत झारखंड विधानसभा के तमाम सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए वक्ताओं ने धन्यवाद दिया। साथ ही तमाम झारखंड वासियों को बधाई दिया। वक्ताओं ने कहा कि हेमंत सरकार के ऐतिहासिक फैसलों और जनकल्याणकारी कार्यों ने भाजपा, आजसू समेत तमाम विपक्षी दलों को पूरी तरह से मुद्दाविहीन कर दिया है। जिसके हताशा में बौखला कर भाजपा और केंद्र सरकार देश की संवैधानिक संस्थाओं, केंद्रीय जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर हेमंत सरकार को अस्थिर करने का प्रयास कर रही है। जो कभी सफल होने वाला नहीं है। झारखंड की जनता सब देख और समझ रही है। 2024 में राज्य की जनता भाजपा, आजसू समेत तमाम सामंतवादी ताकतों को इसका करारा जवाब देगी।

मौके पर इनकी रही मौजूदगी

मौके पर मुख्य रूप से विधायक प्रतिनिधि कंचन साहू, जितेंद्र सिन्हा, चंदन पासवान, संजय चौधरी, अनिता दत्त, नवीन तिवारी, आशुतोष पांडेय, फुजैल अहमद, अरविंद यादव, आशीष गुप्ता, श्रवण कमलापुरी, दिलीप गुप्ता सहित काफी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में 21 लाख 95 हजार का चेक दिया

केतार (आजाद सिपाही)। आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के अंतिम चरण के तहत मुकुंदपुर पंचायत के सूर्य नारायण मंदिर परिसर में शुक्रवार को आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्घाटन प्रखंड प्रमुख चंद्रावती देवी उप प्रमुख शंभू सिंह, प्रखंड विकास पदाधिकारी मुकेश मछुआ, मुखिया मूंगा साह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। प्रखंड विकास पदाधिकारी, प्रमुख एवं बीपीएम ने संयुक्त रूप से सखी मंडल की महिलाओं को 21 लाख 95000 का चेक दिया। इस शिविर मे आपूर्ति विभाग, पशुपालन, आवास सामाजिक सुरक्षा, केसीसी, पंचायती राज, श्रम विभाग, स्वास्थ्य विभाग जेएसएलपीएस मनरेगा बाल विकास परियोजना आदि का अलग-अलग स्टॉल लगाया गया। वही पंचायत क्षेत्र के सैकड़ों लोगों ने विभिन्न विभागों से संबंधित फार्म एव लिखित आवेदन दिया। इस अवसर पर बीडीओ मुकेश मछुआ ने कहा कि विकास के पंक्ति में कार्य अंतिम व्यक्ति तक विकास योजनाओं का लाभ एवं न्याय पहुंचाना सरकार का उद्देश्य है। इसी को लेकर आज विभिन्न विभागों के अधिकारी जनता के दरबार में आये हैं। इस कार्यक्रम में प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन किया जा रहा है। इस मौके पर ब्लॉक कोऑर्डिनेटर रवि रंजन कुमार, जेएसएलपीएस बीपीएम प्रियंका कुमारी, बीपीओ दीपक कुमार, पंचायत सचिव राजीव कुमार, महावीर महतो, रोजगार सेवक धीरेंद्र विश्वकर्मा, बीडीसी अजीमा खातून, बीडीसी प्रतिनिधि इम्तियाज आलम, एएनएम सुलेखा कुमारी, पंचायत स्वयंसेवक रविकांत चंद्रवंशी, राज किशोर सिंह, सुनील राम सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

1932 खतियान और 27% ओबीसी को आरक्षण देने के फैसले का राजद स्वागत करता है: सूरज सिंह

गढ़वा (आजाद सिपाही)। राष्ट्रीय जनता दल जिला अध्यक्ष गढ़वा सूरज सिंह ने प्रेस बयान जारी कर कहा है कि हेमंत सरकार ने आज झारखंड विधानसभा के विशेष सत्र बुलाकर लिए गए स्थानीयता के लिए 1932 की खतियान एवं ओबीसी आरक्षण 27% को राष्ट्रीय जनता दल समर्थन करती है । महागठबंधन की सरकार ने अपने किए गए वादे को पूरा करने के लिए विधानसभा के विशेष सत्र बुलाकर दोनों विधेयक को पास कराया। लेकिन झारखंड में अलग-अलग इलाके में अलग-अलग समय में सर्वे का कार्य हुआ है। राज्य में कई ऐसे आदिवासी, मूलवासी, जंगल, झाड़ गांव कस्बों में पड़े हुए हैं। जिनकी न तो कोई जमीन है ना कोई खतियान लेकिन मूल झारखंडी है। उन्हें भी थर्ड ग्रेड फोर्थ ग्रेड नौकरी में प्राथमिकता मिले। राष्ट्रीय जनता दल मांग करती है कि जिस तरह से 27% ओबीसी के लिए आरक्षित किया गया है उसी तरह से सभी वर्गों के आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए भी 10% आरक्षण देना चाहिए भारतीय जनता पार्टी राज्य की जनता को हमेशा ठगती रही है। 22 वर्ष के झारखंड में अधिकांश समय भारतीय जनता पार्टी का शासन राज्य में रहा, झारखंड वासी लगातार हाशिये पर रहे, महागठबंधन की सरकार स्थानीयता एवं ओबीसी के सवाल पर सक्रियता दिखाये ,भारतीय जनता पार्टी को भी चाहिए कि केंद्र में इसे पास कराते हुए राज्य में लागू करायें, नहीं तो राज्य की जनता ठगा महसूस करेंगे। वोट लेने के लिए राजनीतिक पार्टियां हर हथकंडे को अपना रही है। केवल वोट की राजनीति के लिए किसी को भी बलि चढ़ाने के लिए तैयार है। राज्य की जनता को आपस में बांट कर किसी तरह ऐन केन प्रकारेन राज्य सत्ता पर काबिज रहना चाहती है। इसलिए जनता को ठगने वाली चाहे किसी की भी सरकार हो उसे पहचानने की जरूरत है। अगर 2024 के चुनाव से पहले दोनों बिल राज्य में लागू नहीं होता है। राज्य की जनता वैसे दलों को पहचाने की लगातार झारखंड वासियों की सपना दिखाकर उन्हें ठगते रहे हैं। वैसे दलों को आने वाले दिनों में नकारे और झारखंड वासियों की हितेषी जो भी पार्टियां हैं उनके साथ लड़ाई में साथ दें।

लाइफ सर्टिफिकेट के संबंध में वार्ता की

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। झारखंड पेंशनर कल्याण समाज गढ़वा के अध्यक्ष के के यादव ने बताया कि दिनांक 10 नवंबर 2022 को संध्या 5 बजे एक प्रतिनिधिमंडल के साथ मुख्य शाखा प्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक गढ़वा से मुलाकात करके लाइफ सर्टिफिकेट के संबंध में वार्ता किया गया। इस अवसर पर साथ में अशर्फी राम सचिव एवं श्याम बिहारी राम संयुक्त सचिव भी उपस्थित थे। श्री यादव ने कहा कि पेंशनरों को लाइफ सर्टिफिकेट देने के लिये आपके शाखा में समुचित व्यवस्था होनी चाहिए। खास कर- के 80 वर्ष आयु के ऊपर वालों के लिए तो विशेष व्यवस्था होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारे जिला कार्यालय में लाइफ सर्टिफिकेट के लिए एक शिविर लगाया जाये। इस शिविर में बैंक के पदाधिकारियों द्वारा उपस्थित पेंशनरों का लाइफ सर्टिफिकेट लिया जाये, इस प्रस्ताव को मुख्य शाखा प्रबंधक सिरोही उमाकांत जी के द्वारा स्वीकार करते हुए सहमति प्रदान की गई संगठन और बैंक की सहमति से झारखंड पेंशनर कल्याण समाज बड़वा के कार्यालय में दिनांक 15 2022 को 11:30 से पेंशनरों का जीवंत प्रमाण पत्र देने का निर्णय लिया गया। अतः वैसे सभी पेंशनरों से आग्रह है कि जिन का खाता भारतीय स्टेट बैंक मुख्य शाखा गढ़वा में है वह दिनांक 15 नवंबर 2022 को अपना जीवन प्रमाण पत्र झारखंड पेंशनर कल्याण समाज गढ़वा के कार्यालय में 11: 30 बजे उपस्थित होकर देना सुनिश्चित करें ।संगठन के आग्रह पर भारतीय स्टेट बैंक गढ़वा द्वारा शिविर का आयोजन किया जा रहा है। फार्म, आदि पेंशनर कार्यालय में उपलब्ध रहेगा। सभी पेंशनरों को अपना पीपीओ की फोटो कॉपी, पासबुक की फोटो कॉपी, साथ में आधार की फोटो कॉपी लाना अनिवार्य होगा। इस अवसर पर उपस्थित श्री उमाकांत, मुख्य प्रबंधक चंदन दास, सह प्रबंधक, केके यादव, अशर्फी राम, श्याम बिहारी राम आदि उपस्थित थे। धन्यवाद केके यादव अध्यक्ष ने दिया।

झारखण्ड सरकार, गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग
झारखण्ड आन्दोलनकारी चिन्हितीकरण आयोग

40 वीं औपबंधिक सूची — जिला : हजारीबाग।

क्र0	आवेदनकर्त्ता की विवरणी	काण्ड/वाद संख्या	झारखण्ड आन्दोलन के सेनानी पुस्तक में नाम अंकित है अथवा नही	आन्दोलनकारी होने का संक्षिप्त कारण	गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग, झारखण्ड, रांची के संकल्प संख्या–1938, दिनांक–20.04.2021 के आलोक में प्रदत्त कंडिका
1.	1. आवेदन क्रमांक :– 854 2. आवेदक का नाम :– रामचन्द्र वर्मा 3. पिता का नाम :–स्व0 लालधारी वर्मा 4. ग्राम :–श्रीरामपुर (खोडा आहार) 5. पोस्ट:–देवचन्दा 6. प्रखण्ड :–बरही 7. थाना :– बरही 8. लिंग :– पुरूष 9. पहचान चिह्न:–बायें हाथ के अंगुली कटा हुआ। 10. आयु :–85 वर्ष	माण्डू थाना काण्ड संख्या–04/99	नहीं	कारण :– दिनांक–04.01.1999 को झारखण्ड बंद के दौरान विधि–व्यवस्था भंग करने का आरोप। धारा–147, 149, 447 भा0द0वि0 पार्टी का नाम–झामुमो0 जेल अवधि :–11 माह 01 दिन।	कंडिका–2(viii) (क)
2.	1. आवेदन क्रमांक :– 975 2. आवेदक का नाम :– देवचन्द महतो 3. पिता का नाम :–स्व0 देवनाथ महतो 4. ग्राम :–डाड़ी 5. पोस्ट:–डाड़ी 6. प्रखण्ड :–डाड़ी 7. थाना:–गिद्दी ए0 8. लिंग :– पुरूष 9. पहचान चिह्न:–बायें हाथ के अंगुठे में कटे का निशान। 10. आयु :– 52 वर्ष	कुजु थाना अप्राथ0 सं0–45/98 अनु0 दण्ड0 रामगढ़ वाद संख्या–275/98	नही	कारण:– दिनांक–01.12.1998 को झारखण्ड बंद के अवसर पर विधि–व्यवस्था भंग करने का आरोप। धारा–107/113/116 (iii) द0प्र0स0 पार्टी का नाम:–अन्य जेल अवधि–03 दिन।	कंडिका–2 (viii)(क)
3.	1. आवेदन क्रमांक :– 64 2. आवेदक का नाम:–सुरेन्द्र कुमार महतो 3. पिता का नाम :–स्व0 नारायण महतो 4. ग्राम :–होसिर 5. पोस्ट:–डाड़ी 6. प्रखण्ड:–डाड़ी 7. थाना:– गिद्दी ए0 8. लिंग :– पुरूष 9. पहचान चिह्न:–अंकित नही। 10. आयु :– 44 वर्ष	अनु0 दण्ड0 हजारीबाग वाद संख्या–716/98	नहीं	कारण:– दिनांक–16.12.1998 को झारखण्ड बंद के अवसर पर विधि–व्यवस्था भंग करने का आरोप। धारा–107, 151 द0प्र0स0 पार्टी का नाम:–अन्य जेल अवधि–03 दिन।	कंडिका–2 (viii)(क)
4.	1. आवेदन क्रमांक :– 42 2. आवेदक का नाम :– अशोक कुमार महतो उर्फ अशोक कुमार 3. पिता का नाम :–जगरनाथ महतो 4. ग्राम :–होसिर 5. पोस्ट:–डाड़ी 6. प्रखण्ड:–डाडी 7. थाना :– गिद्दी ए0 8. लिंग :– पुरूष 9. पहचान चिह्न:–अंकित नही। 10. आयु :– 45 वर्ष	अनु0 दण्ड0 हजारीबाग वाद संख्या–716/98	नहीं	कारण:– दिनांक–16.12.1998 को झारखण्ड बंद के अवसर पर विधि–व्यवस्था भंग करने का आरोप। धारा–107, 151 द0प्र0स0 पार्टी का नाम:–अन्य जेल अवधि–03 दिन।	कंडिका–2 (viii)(क)
5.	1. आवेदन क्रमांक :– 962 2. आवेदक का नाम :–नागेश्वर पटेल 3. पिता का नाम :–प्रयाग महतो 4. ग्राम :–होसिर 5. पोस्ट:–डाड़ी 6. प्रखण्ड :– डाडी 7. थाना :– गिद्दी ए0 8. लिंग :– पुरूष 9. पहचान चिह्न:–ललाट में कटे का निशान। 10. आयु :–52 वर्ष	अनु0 दण्ड0 हजारीबाग वाद संख्या–716/98	नहीं	कारण:– दिनांक–16.12.1998 को झारखण्ड बंद के अवसर पर विधि–व्यवस्था भंग करने का आरोप। धारा–107, 151 द0प्र0स0 पार्टी का नाम:–अन्य जेल अवधि–03 दिन।	कंडिका–2 (viii)(क)
6.	1. आवेदन क्रमांक :– 28 2. आवेदक का नाम :–कुलदीप गोप उर्फ बाबुलाल गोप 3. पिता का नाम :–स्व0 अन्ता गोप 4. ग्राम :–हेसालौंग 5. पोस्ट:–डाड़ी 6. प्रखण्ड:–डाडी 7. थाना:– गिद्दी ए0 8. लिंग :– पुरूष 9. पहचान चिह्न:–गर्दन के दाहिने ओर तिल का निशान। 10. आयु :–48 वर्ष	गिद्दी थाना काण्ड सं0 26/93 जी0आर0 559/93	नहीं	कारण :– दि0–18.03.1993 को झारखण्ड समथकों द्वारा आर्थिक नाकेबंदी के दौरान विधि–व्यवस्था भंग करने का आरोप। धारा–147, 435, 427 भा0द0वि0 पार्टी का नाम :–अन्य	कंडिका–2(ix)

नोट :– 1. सूची में किसी भी प्रकार की त्रुटि यथा नाम, पिता का नाम, पूरा पता, लिंग, आयु, पहचान चिह्न, केस/वाद सं0, झा0 आंदोलन के सेनानी पुस्तिका, कारण, जेल अवधि आदि में पाये जाने पर दस (10) दिनों के अन्दर आयोग को आपत्ति कर सकते हैं और यदि जेल गये हैं तो उसका प्रमाण पत्र/आश्रित होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र उपलब्ध करावें।

2. जिन आवेदकों का चिन्हितीकरण अखबार कतरन/बैठक पंजी/सदस्यता प्रमाण पत्र के आधार पर किया गया है, वे सम्पुष्टिकरण से पूर्व उक्त कागजात को सक्षम पदाधिकारी से अभिप्रमाणित कर, इसमें नाम होने के आशय का शपथ पत्र अवश्य रूप से उपलब्ध करावें।

चिन्हित/जाँच करने वाले पदाधिकारियों/कर्मियों का हस्ताक्षर।
(क्षेत्र ब0 तामांग)
उपरोक्त का टंकण एवं मिलान मेरे द्वारा किया गया है।
(भुवनेश्वर महतो) सदस्य — (नरसिंह मुर्मू) सदस्य — (दुर्गा उराँव) अध्यक्ष

PR.NO.281977 Home(22-23):D

कालाबाजारी के लिए रखा गया 70 बोरा सरकारी गेहूं-चावल जब्त

पदाधिकारियों ने जब्त किये गये चावल के गोदाम को किया सील

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। जिला अनुमंडल पदाधिकारी राजमहेश्वरम व एमओ सह बजार समिति सचिव की संयुक्त टीम ने गुप्त सूचना के अधार पर शुक्रवार को विशेष छापेमारी अभियान चलाकर कालाबाजारी के लिए रखे गये जनवितरण प्रणाली के 70 बोरा चावल को जब्त किया है। पदाधिकारियों ने चावल को जब्त करते हुए गोदाम को भी सील कर दिया है। उक्त कार्रवाई गढ़वा थाना क्षेत्र के नारायणपुर में स्थित व्यापारी दिनेश गुप्ता के गोदाम पर की गई है। दिनेश गुप्ता से इस संबंध में कागजात उपलब्ध कराने को कहा गया है यदि उसके द्वारा कागजात उपलब्ध नहीं कराया जाता है तो जन वितरण प्रणाली के राशन की कालाबाजारी करने को ले थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई जायेगी। इस संबंध में कृषि उत्पादन बाजार समिति के पणन सचिव सह प्रभारी एमओ राहुल कुमार ने बताया कि उक्त व्यक्ति द्वारा राशन की कालाबाजारी करने एवं चावल गोदाम में रखे होने की गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी सूचना के आलोक में विशेष छापेमारी अभियान चलाया गया तथा चावल को जब्त कर लिया गया है। मौके पर दिनेश गुप्ता से कागजात की मांग की गई मगर वह उपलब्ध नहीं करा पाया। इस कारण गोदाम को भी सील कर दिया गया है।

पहले भी सील हुआ था गोदाम

जिला आपूर्ति पदाधिकारी सह एसडीओ के निर्देश पर अग्रतर कार्रवाई की जायेगी। जब्त चावल पीडीएस के बोरे में रखे गये हैं। जिससे यह प्रमाणित होता है कि व्यापारी द्वारा कालाबाजारी के लिए चावल रखा गया था। राशन की कालाबाजारी कहां से और किस डीलर के माध्यम से की जा रही है इसकी विस्तृत तहकीकात की जा रही है। मालूम हो कि एक वर्ष पूर्व भी दिनेश गुप्ता के पास से जनवितरण प्रणाली का चावल जब्त किया गया था। उस समय भी बिरहा नाला के समीप स्थित गोदाम को सील किया गया था बावजूद इसके इसकी गतिविधि लगातार जारी है। दूसरी बार उसके गोदाम से पीडीएस का चावल जब्त किया गया है। जनवितरण प्रणाली के चावल का पकड़ा जाना इस ओर इशारा कर रहा है कि इस खेल में कई लोग शामिल हैं। कैसे गरीबों तक पहुंचने वाला चावल कालाबाजारियों के पास पहुंच जाता है यह चिंता का विषय है। इसकी गहन तहकीकात की जरूरत है। यदि इसकी अच्छी तरह से जांच करा दी जाये तो कई बड़े लोग कार्रवाई के दायरे में आ जायेंगे।

बेंती में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पिपरवार (आजाद सिपाही)। बेंती पंचायत सचिवालय में शुक्रवार को आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें उपस्थित टंडवा बीडीओ रंथू महतो, टण्डवा मध्य जिला परिषद सदस्य सह बीस सूत्री अध्यक्ष सुभाष यादव, दक्षिणी जिला परिषद सदस्य नेहा उरांव,बीस सूत्री उपाध्यक्ष नीरज तिवारी, मुखिया सरिता देवी, उप मुखिया किरण कुमारी, पंचायत समिति सदस्य कुमारी अनुप्रिया ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर शिविर का उद्घाटन किया। शिविर में टंडवा प्रखंड सह अंचल कार्यालय के सभी विभागों द्वारा स्टॉल लगाया गया था। जिसमें स्थानीय लोगों द्वारा जमा किया गया, जिसमें कई समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया गया। सीओ द्वारा लगाये गये स्टॉल में विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन, विकलांग पेंशन, जॉब कार्ड, मुख्यमंत्री पशुधन योजना आदि के स्टॉल लगाए गए थे।

जश्न : जमकर उड़े अबीर-गुलाल, एक-दूसरे को मिठाई खिला कर दी बधाई

झारखंड विधानसभा में 1932 खतियान पारित होने पर झामुमो ने मनाया जश्न

सभी ने एकसूर में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का जताया आभार

आजाद सिपाही संवाददाता

खलारी बैंक चौक पर खुशी जाहिर करते झामुमो नेता-कार्यकर्ता।

खलारी। 1932 खतियान आधारित स्थानीय नीति तय करने एवं ओबीसी आरक्षण बढ़ाकर 27 फीसदी करने का विधेयक झारखंड विधानसभा में शुक्रवार को पारित होने की खुशी में झामुमो कार्यकर्ताओं में जनकर जश्न मनाया। झामुमो समर्थकों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशियों का इजहार किया। झामुमो खलारी प्रखंड अध्यक्ष अनिल पासवान ने अपने समर्थकों के साथ खलारी रेलवे स्टेशन के समीप स्थित बैंक चौक पर 1932 का खतियान पारित करने एवं आरक्षण नीति में सुधार करने पर खुशी जाहिर करते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रति आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि आरक्षण नीति में सुधार करते हुए जो यहां के मूल निवासी है उनमें 27 फीसदी ओबीसी, आदिवासी को 28 फीसदी और अनुसूचित जाति को 12 फीसदी आरक्षण देने के लिए विधानसभा से प्रस्ताव पारित कर दिया गया। इसके लिए महागठबंधन के सभी साथियों को बधाई एवं शुभकामनाएं। उन्होंने कहा कि झारखंड में पहली बार ऐसी सरकार बनी है जो मात्र तीन साल में कई नए कीर्तिमान रच दिए हैं। चाहे वह 1932 का मामला हो, चाहे आंगनवाड़ी सेविका या पारा शिक्षक का मामला हो, चाहे राज्य कर्मियों के पेंशन देने या पुलिस कर्मियों के 13 महीने के वेतन व अवकाश देने का मामला हो, चाहे ओबीसी को 27 फीसदी आरक्षण देने का मामला हो इन सभी समस्याओं का समाधान हेमंत सोरेन सरकार ने किया है। इसके लिए हम सभी झारखंड वासी हेमंत सोरेन के ऋणी रहेंगे। इस अवसर पर सभी झामुमो कार्यकर्ताओं व समर्थकों ने एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर खुशी जाहिर किए। इस मौके पर प्रखंड उपाध्यक्ष राजेश प्रसाद, संयुक्त सचिव चितरंजन सिंह व राजकुमार भोगता, मीडिया प्रभारी विशाल पासवान, कार्यालय सचिव छोटू राम, शिबू महली, राजेश तुरी, हैदर अली, शंभू दास, अख्तर अंसारी, अशोक गंझू, आनंद भुंइया, कुणाल पासवान, गंगू महली, रोहित गंझू, मेजर केसरी, सुरेंद्र ठाकुर, वही युवा कांग्रेस से अभिषेक भारती, बाबूलाल दीक्षित आदि थे।

महत्वपूर्ण न्यूज

आत्महत्या समस्या का समाधान नहीं : मुन्नू शर्मा

खलारी (आजाद सिपाही)। डीएवी में छात्र-छात्राओं को कानूनी जानकारियां प्रदान की गई। डालसा सिविल कोर्ट रांची के प्रतिनिधि मुन्नू शर्मा की ओर से शुक्रवार को नेशनल लीगल सर्विसेस अथॉरिटी के योजनाओं के संदर्भ में बच्चों को बताया गया। उन्होंने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकार सिविल कोर्ट रांची की ओर से गरीब शोषित व पीड़ितों के लिए नि:शुल्क न्याय का प्रवाधान है जिसके माध्यम से मध्यस्तता, आपसी विवाद का निपटारा, नि:शुल्क अधिवक्ता उपलब्ध कराई जाती है। वहीं विधिक जागरूकता के अंतर्गत महिला संरक्षण, चाइल्ड प्रोटेक्शन के तहत चाइल्ड हेल्प लाइन नंबर 1098, सेफ एंड अनसेफ टच, लैंगिक अपराधों से बच्चों की सुरक्षा बचाव, पॉक्सो एक्ट एवम जे.जे.एक्ट की जानकारी, बाल विवाह के प्रति जागरूकता, ट्रैफिक जागरूकता, मोटर व्हेकिल एक्ट से संबंधित कई अहम जानकारियों को विस्तार से बताया। उन्होंने डायन प्रथा की रोक थाम के लिए इस कुरूतियों से बचाव, अंधविश्वास को दूर करने, बाल विवाह को रोकने के लिए समाज को सजग करने आदि की जानकरी दी गई। मुन्नू शर्मा ने बताया कि आज के युवा तनावग्रस्त होकर बंद कमरे में एकांकी जीवन बिता रहें है। डिजीटल दुनिया में खुद को रख कर बाहरी दुनिया से नाता तोड़ चुके है। किसी भी समस्या को बिना कहीं साझा किए आत्महत्याएं कर रहे हैं। पर आत्महत्या किसी समस्या का समाधान नहीं है। लोगों से परेशनियां बता कर समाजिक परिवेश में रहकर इन घटनाओं से बचा जा सकता है। इस मौके पर प्रिंसिपल बीपी राय, शिक्षक कंचन सिंह, मुकेश कुमार पांडेय, मुकेश कुमार रॉय, एके तिवारी, डीएन महतो, प्रीति महतो, रंजीता सिन्हा, मीनू कुमारी और किरण कुमारी आदि थीं।

खलारी पीएचसी में एएनसी का आयोजन की गयी 98 गर्भवती महिलाओं की जांच

खलारी (आजाद सिपाही)। खलारी पीएचसी में शुक्रवार को डॉ इरशाद के निर्देशन में गर्भवती महिलाओं के लिए एएनसी का आयोजन किया गया। जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों से आयी 98 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई। महिला चिकित्सक डॉ इशानी सिंह और डॉ ऋचा ने गर्भवती महिलाओ का बीपी, शुगर, हिमोग्लोबिन, वीडीआरएल, एचआइवी आदि की जांच की। साथ ही कई महिलाओं को अल्ट्रासाउंड कराने सहित अन्य परामर्श भी दिया। इसके अलावा एएनसी में जांच कराने आयी महिलाओं को आयरन, विटामिन और फोलिक एसिड आदि दवाएं भी नि:शुल्क दी गयी। खलारी पीएचसी के चिकित्सक डॉ. इरशाद ने बताया कि हर माह होने वाले एएनसी में प्रखण्ड क्षेत्र से गर्भ्रावती महिलाएं अपनी नियमित जांच को करवा रही है। अक्टूबर में अस्पताल में कुल 24 महिलाओं की डीलवरी भी कराई गयी। यह अब तक का अस्पताल का सबसे बेहतर रिकॉर्ड रहा। एएनसी के सफल आयोजन में सीएचओ अंजना नाग, सिंटु कुमारी, एएनएम अर्पणा उरांव, सुबाला कुमारी, किरण तिर्की, अनिता टोप्पो आदि की भूमिका सक्रिय रही।

भाजपा खलारी मंडल ने एनके जीएम के तबादले की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा

खलारी (आजाद सिपाही)। भाजपा खलारी मंडल के कार्यकर्ताओं ने एनके एरिया जीएम संजय कुमार के तबादले की मांग को लेकर राज्यसभा सांसद आदित्य प्रसाद साहू को ज्ञापन सौंपा है। जिसके माध्यम से कार्यकर्ताओं ने जीएम पर अवैध गतिविधियों में शामिल माफियाओं को प्रश्रय देने का आरोप लगाया है। कहा कि एनके जीएम विपक्षी पार्टी के चुनिंदा नेताओं को प्रश्रय देते हैं। उनके क्रियाकलापों से क्षेत्र का न सिर्फ क्षेत्र का औद्योगिक माहौल खराब हो रहा है।

तमाड़ की खबरें

सोनाहातू में आयोजित सरकार आपके द्वार में मिले 2159 आवेदन,तत्काल 757 का निष्पादन

सोनाहातू (आजाद सिपाही)। पंचायत भवन में शुक्रवार को आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता मुखिया विकास सिंह मुंडा और संचालन पंचायत सचिव अनंत हजाम ने किया। कार्यक्रम में विधायक प्रतिनिधि सुनील कुमार सिंह शामिल हुए। इस दौरान विभिन्न विभागों के 2159 आवेदन आए, जिसमें तत्काल 757 आवेदनों का समाधान किया गया। इस मौके पर जिप सदस्य मंजू सिंह मुंडा, सीओ प्यारेलाल, सांसद प्रतिनिधि दिलेश्वर कोइरी, प्रमुख विक्टोरिया देवी, धनंजय कुमार, बबिता गोस्वामी, राजीव गुप्ता, बीटीएम दीनानाथ भगत, बसंत महतो, भरत महतो व जितेंद्र कोईरी, रविंद्र कोईरी, कुमारी मुक्ति महतो, संबंधित पंचायत सेवक सफीक आलम आदि उपस्थित थे।

अपहरण कर ले जा रहे किशोर को ग्रामीणों ने बचाया

सिल्ली (आजाद सिपाही)। मुरी ओपी थाना अंतर्गत नया बाजार कच्ची पड़ा निवासी सूर्यवंशम तिवारी (12) का दो अज्ञात व्यक्तियों द्वारा अपहरण कर ले जाने का मामला प्रकाश में आया है। जानकारी के अनुसार सूर्यवंशम तिवारी प्रतिदिन की तरह भक्ति उसुलाइन इंग्लिश मीडियम स्कूल जा रहा था। स्कूल छुट्टी होने के बाद घर साइकिल से जा वापस घर लौटने के क्रम में अचानक दो व्यक्ति साइकिल रोककर सूर्यवंशम को पकड़ लिया और उसके मुंह पर कपड़ा बांधकर स्वर्णरेखा नदी की ओर ले जाने लगे। हालांकि वहां नदी में स्नान कर रहे कुछ ग्रामीणों ने यह देख उक्त व्यक्तियों को रोक कर पूछताछ शुरू की। लड़के से पूछने पर उसने सिर हिलाकर मुसिबत में फंसे होने का संकेत दिया। इसके बाद ग्रामीणों ने दोनों व्यक्तियों को पिटना शुरू कर दिया। यह देख दोनों बच्चे को छोड़ कर वहां से भाग निकले। वहीं, ग्रामीणों ने सूर्यवंशम से पूछा तो उसने अपने पिता का नाम और घर पता बताया, जिसके बाद ग्रामीणों ने परिजनों से संपर्क किया। उधर, सूचना मिलते ही पिता सुभाष चंद्र घटना पर पहुंच गए और अपने बेटे को घर ले आए। इसके बाद सुभाष ने मुरी ओपी पहुंचकर एफआईआर दर्ज करवायी। वहीं, मुरी ओपी प्रभारी बबलू कुमार ने बताया कि मामले की छानबीन की जा रही है। जल्द से जल्द अज्ञात अपराधी पकड़े जाएंगे।

टोंगरी से 22 वर्षीय युवक का शव बरामद

लापुंग (आजाद सिपाही)। ककरिया पंचायत के सेमला कर्मकट्टा टोंगरी से 22 वर्षीय एक युवक का शव बरामद हुआ। उसकी पहचान नहीं हो सकी है। प्रथम दृष्य में हत्या की आशंका व्यक्ति की जा रही है, क्योंकि पत्थर से कूचकर उसकी हत्या की गई है। गाय बैल चरवाहा द्वारा शव देख इसकी जानकारी लापुंग थाना प्रभारी कुमार हेमरम को दिया गया। इसके बाद पुलिस ने त्वरित कर्रवाई करते हुए शव को कब्जे में ले लिया। शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेजा जाएगा। पुलिस शव की पहचान सुनिश्चित करने में जुटी है।

पाइप चोरी होने से तीन दिनों से जलापूर्ति बाधित

तमाड़ (आजाद सिपाही)। प्रखंड के पेडाइडीह पंचायत के मुरपा के आगे पेयजल की पाइप चोरी कर लेने से तीन दिनों से पेयजल आपूर्ति ठप है। जिससे पोडाडीह कांची के लगभग 55 उपभोक्ता को पानी नहीं मिल रहा है। मुखिया अनीता देवी ने कहा कि रात के अंधेरे में चोरो द्वारा पाइप तोडकर' ले जाया गया है। जल्द ही इसे बना लिया जायेगा और पानी की आपूर्ति शुरू कर दी जायेगी।

जीलीगसेरेग गांव में दो माह बाद आयी बिजली

तमाड़ (आजाद सिपाही)। कुरकुटटा पंचायत के जीलीगसेरेग गांव दो महीने से अंधेरे में था। इसकी सूचना मिलने पर जिला परिषद सदस्य दिलीप सेठ प्रयास से शुक्रवार को ट्रांसफार्मर लगाया गया। इसका उद्घाटन जिला परिषद सदस्य दिलीप सेठ और मुखिया नरेंद्र सिंह मुंडा ने किया। इस मौके पर संतोष कुमार साहू, घासिराम महतो, नरेश महतो, धनेश्वर महतो, परिक्षित महतो, सुखराम महतो, राजू महतो, सदानंद सेठ, लखिकानत महतो आदि उपस्थित थे।

तमाड़ में जनाक्रोश रैली को लेकर भाजपा की बैठक

तमाड़ (आजाद सिपाही)। प्रखंड भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक राजाबाड़ी परिसर में हुई। जिसकी अध्यक्षता तमाड़ मंडल अध्यक्ष विष्णु पद महतो ने की। इस दौरान प्रखण्ड कार्यालय परिसर में हेमंत सरकार के खिलाफ जनाक्रोश प्रदर्शन को लेकर रणनीति बनाई गई। तमाड़ प्रखण्ड में हेमंत सरकार के जन विरोधी नीति, अवैध बालु एवं खनिज संपदा का उत्खनन, महिला उत्पीड़न, हत्या, किसान विरोधी नीति, प्रखण्ड में व्याप्त भ्रष्टाचार आदि के खिलाफ जनाक्रोश प्रदर्शन किये जाने की जानकारी दी गई। बैठक में भाजपा के वरिष्ठ नेता और जिला सांसद प्रतिनिधि कुमार महेंद्र नाथ शाहदेव, गोलक दास अधिकारी, जिला उपाध्यक्ष लक्ष्मण सिंह मुण्डा, रड़गांव मंडल अध्यक्ष, संतोष साहू, दिलीप सेठ, महावीर सोनी, सुरेंद्र साहू, धनेश्वर महतो, मृत्युंजय पातर आदि उपस्थित थे।

मैकलुस्कीगंज में प्रज्ञा केंद्र संचालक से सात लाख की लूट

आजाद सिपाही संवाददाता

सीसीटीवी कैमरे में लुटेरे की पहचान करने की कोशिश करते लोग।

मैकलुस्कीगंज। प्रज्ञा केंद्र संचालक से शुक्रवार की सुबह 9.40 बजे दिनदहाड़े सात लाख रुपए की लूट होने की घटना प्रकाश में आई है। संचालक आशीष साहू ने बताया कि प्रतिदिन की तरह वह लपरा पंचायत भवन में प्रज्ञा केंद्र को खोलने के लिए आया था। जैसे ही पंचायत भवन का ग्रील खोल रहा था कि तीन अपराधी आए और उसे पिस्टल दिखाकर पैसों से भरा बैग लेकर भाग गए। उधर, घटना की सूचना मैकलुस्कीगंज पुलिस को दी गई। जिसके बाद थाना प्रभारी राणा जंग बहादुर सिंह दल बल के साथ लपरा पंचायत भवन पहुंचे और घटना की जानकारी ली। साथ ही पंचायत भवन में लगे सीसीटीवी फुटेज को चेक किया गया जिसमें एक बाइक में आये तीन अपराधियो ने हथियार का भय दिखाकर पैसों से भरा बैग लूटते दिखाई पड़ा। वहीं लूट के बाद तीनों अपराधी बाइक से हथियार लहराते हुए निन्द्रा की तरफ भाग गए। घटना के बाद मैकलुस्कीगंज पुलिस अपराधियों की धर पकड़ के लिए छापामारी में जुट गई थी।

लूट को अंजाम देने वाले दो गिरफ्तार

मैकलुस्कीगंज में लूट की घटना को अंजाम देने वाले दो अपराधियों को चंदवा पुलिस ने रुपये से भरे बैग व हथियार के साथ गिरफ्तार कर लिया है। लूट की घटना के बाद चंदवा पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान दो अपराधियों को हथियार एवं पैसों के साथ गिरफ्तार किया है। इधर मैकलुस्कीगंज पुलिस भी चंदवा पहुंच गयी है। अपराधी छत्तीसगढ़ व पलामू का बताया जाता है एक अन्य अपराधी की तालाश में पुलिस छापामारी कर रही है।

विश्रामपुर पंचायत भवन में महिला प्रशिक्षण केंद्र किया गया उद्घाटन

खलारी (आजाद सिपाही)। विश्रामपुर के पंचायत भवन में शुक्रवार को सिलाई प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ हुआ। जिसका उदघाटन मुखिया दीपमाला कुमारी ने किया। इस अवसर पर प्रखंड प्रमुख सोनी तिग्गा उपस्थित रही। प्रशिक्षण केंद्र केयर महिला जागरूकता मिशन इंटरप्राइजेज द्वारा संचालित किया जा रहा है। जिसमें महिलाओं को सिलाई, ब्यूटीशियन एवं मेहंदी का कोर्स प्रशिक्षण दी जाएगी। मुखिया दीपमाला ने कहा कि प्रशिक्षण के माध्यम से पंचायत के महिलाओं को हाथ में हुनर होगा जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकती है।

झारखंड में कानून व्यवस्था की हालत दयनीय : संजय सेठ

आजाद सिपाही संवाददाता

सिल्ली। भाजपा की ओर से सिल्ली मुख्यालय के समीप जनाक्रोश प्रदर्शन किया गया। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि रांची के सांसद संजय सेठ उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि झारखंड में कानून व्यवस्था बहुत ही दयनीय अवस्था में है। लोगों को शाम सात बजे के बाद कहीं सफर करने के लिए सोचना पड़ता है। बहू-बटियां भी खुद को सुरक्षित नहीं महसूस करती है। मुख्यमंत्री जी हमारे कार्यकर्ताओं को सीधे धमकी देते हैं कि हमारे विरुद्ध इसी तरह का जन आक्रोश प्रदर्शन करते हैं तो उनके ऊपर केस किया जाए। वहीं सरकार की सहयोगी कांग्रेस भाजपाईयों के हाथ पैर तोड़ने की धमकी देते हैं। इसे सीधी तौर पर गुंडाराज शासन कहां जाएगा। वहीं जिला अध्यक्ष धीरज महतो ने कहा कि हर जगह-जगह भ्रष्टाचार है। वहीं, कार्यसमिति सदस्य रमाकांत महतो ने कहा कि जनता समझ चुकी है कि क्षेत्र में बिजली व्यवस्था चरमरा गई है और मुख्यमंत्री का ध्यान इस ओर नहीं है। इस मौके पर डॉ राजाराम महतो, विनोद साहू, सृष्टिधर महतो, रघुवीर महतो, सुधीर सोनार, साधु चरण महतो, पूर्णिमा सिंह, बीना देवी और राजेंद्र साईं आदि उपस्थित थे।

भाजपा खलारी मंडल की जनाक्रोश रैली, प्रखंड कार्यालय पर दिया धरना

झारखंड में लूट और भ्रष्टाचार का बोलबाला : आदित्य साहू

आजाद सिपाही संवाददाता

धरना को संबोधित करते राज्यसभा सांसद आदित्य प्रसाद साहू।

खलारी। भाजपा खलारी मंडल की ओर से शुक्रवार को प्रखंड कार्यालय के समक्ष जनाक्रोश रैली कर धरना दिया गया। जिसकी अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष शैलेंद्र शर्मा और संचालन प्रीतम साहू ने किया। इसमें बतौर मुख्य अतिथि पार्टी के प्रदेश महामंत्री सह राज्यसभा सांसद आदित्य प्रसाद साहू के अलावा रांची जिला ग्रामीण अध्यक्ष सुरेंद्र महतो एवं अनुसूचित जाति मोर्चा नेता सीताराम रवि शामिल हुए। केडी अंबेडकर चौक पर सांसद समेत अन्य अतिथियों ने डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। इसके बाद जनाक्रोश रैली की शुरुआत हुई। रैली केडी मुख्य बाजार से खलारी शहीद खलारी चौक होते हुए प्रखंड मुख्यालय पहुंची। जहां भाजपा कार्यकर्ताओं ने धरना दिया। अपने संबोधन में सांसद आदित्य प्रसाद साहू ने कहा कि झारखंड सरकार पूरी तरह भ्रष्टाचार में लिप्त है। चारों और लूट और भ्रष्टाचार का बोलबाला है। सरकार के आधे लोग भ्रष्टाचार के आरोप में जेल में बंद हैं और आधे जेल जाने की तैयारी में हैं। जल, जंगल, जमीन की रक्षा की बात करके सत्ता पर आसिन हुए लोग झारखंड को खोखला बनाने पर आमादा हैं। चारों तरफ, कोयला, बालू, पत्थर आदि खनिज संपदाओं की लूट मची है। सूबे के मुखिया खुद जांच एजेंसियों के रडार पर हैं। उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी भाजपा कार्यकर्ताओं को धमकाना बंद करे। वहीं, जिला अध्यक्ष सुरेंद्र महतो ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं एवं आदिवासियों से वादा खिलाफी कर रही है। प्रदेश में किसानों की दयनीय स्थिति हो गयी है। प्रदेश में अपराध बढ़ रहे हैं। माताएं-बहनों पर अनाचार की घटनाएं बढ़ रही है। सभी विकास योजनाएं ठप्प पड़ी हैं। सरकारी कार्यक्रम सरकार आपके द्वार महज एक छलावा है। इस दौरान मंडल अध्यक्ष शैलेंद्र शर्मा, खलारी पश्चिमी जिला पार्षद सरस्वती देवी, सांसद प्रतिनिधि फुलेश्वर महतो, विधायक प्रतिनिधि श्याम सुंदर सिंह, अनुसूचित जाति मोर्चा के नेता सीताराम रवि, शशिभूषण सिंह और अरविंद सिंह आदि ने भी अपने-अपने विचार रखे। वहीं धरना की समाप्ति पर खलारी बीडीओ को राज्यपाल के नाम एक ज्ञापन भी सौंपा गया। इस मौके पर मंडल के महामंत्री अनिल गंझू, नागदेव सिंह, रामसूरत यादव, रमेश विश्वकर्मा, विकास दूबे, कार्तिक पांडेय, शशिकांत सिंह, भरत रजक, आनंद झा, विकास सिंह, शशि साहू, जितेंद्र पांडेय, संजय सिंह, अंशु सिंह, दिलीप पासवान, सरोजिनी देवी, मिथिलेश प्रजापति, रामेश्वर महतो, रविंद्र मुंडा, ओमप्रकाश शर्मा, अजित पांडेय, दिनेश गुप्ता, जितेंद्र भारतीय, कमलेश महती, सत्यम सिंह, सुंदरम सिंह, शंभू सिंह, राजू गुप्ता, रितेश केसरी, प्रदीप ठाकुर, ममता देवी, गीता देवी, सीता देवी, सरिता देवी, शशि उरांव, शिवकुमार चौदरी, रविंद्र पासवान, प्रताप यादव, विनोद विश्वकर्मा, संजीत सिंह, कमल रिटोलिया, सिन्नी समाड, रेणु देवी, उदय सिंह, मुकेश सिंह, संध्या देवी, विलासो देवी, सुनीत देवी, शाहदेव महतो,सरोज देवी, सिमा देवी, सविता देवी, आशा देवी, प्रतिमा देवी, संजीता देवी, दीपशिखा देवी, भरत प्रजापति, प्रदीप प्रामाणिक स्आदि उपस्थित थे।

जमसं ने चुरी में नुक्कड़ सभा कर कामगारों को किया लामबंद, कोल इंडिया के खिलाफ प्रदर्शन

खलारी (आजाद सिपाही)। जनता मजदूर संघ (जमसं) द्वारा 15 नवंबर को महाप्रबंधक कार्यालय डकरा के समक्ष वेतन समझौता 11 के निर्धारण में हो रहे विलंब के खिलाफ आहूत धरना प्रदर्शन को लेकर शुक्रवार को चुरी अंडरग्राउण्ड माइन्स में नुक्कड़ सभा की गई। जिसकी अध्यक्षता शाखा अध्यक्ष बिनोद मिंज ने किया। संगठन के केंद्रीय सचिव सह संयुक्त सलाहकार संचालन समिति सदस्य कमलेश सिंह ने कहा कि कामगारों में वेतन समझौता 11 में हो रहे विलंब के कारण उत्पन्न नाराजगी को संगठन भलीभांती समझ रहा है। जहां कोल इंडिया लागातार मुनाफे को अन्य स्त्रोतों में फिजूल खर्च कर रहा है। पर न्यायसंगत मांगों की अनदेखी कर रहा है। वहीं, क्षेत्रीय अध्यक्ष गोलटेंन प्रसाद यादव ने चुरी परियोजना के कामगार साथियों से संघ द्वारा आहूत प्रदर्शन में भाग लेने का आग्रह किया। नुक्कड़ सभा का संचालन गोलटेंन प्रसाद यादव और धन्यबाद ज्ञापन कन्हाई गंझू ने किया। इस मौके पर सेतु बांध सिंह, टुपा महतो, तापेश्वर महतो, जीटी शर्मा, संजय कुमार आदि उपस्तिथ थे।

सीसीएलकर्मी मुनेश्वर नोनिया का निधन

खलारी (आजाद सिपाही)। सीसीएल कर्मी मुनेश्वर नोनिया का गुरुवार की रात रांची स्थित मेडिका अस्पताल में निधन हो गया। इस खबर से सीसीएल मोहननगर आवासीय कॉलोनी में मातम पसर गया। वो पिछले तीन महीनों से मेडिका अस्पताल में ब्रेनहेमरेज होने के कारण अचेत अवस्था में इलाजरत थे। बतातें चलें कि मुनेश्वर नोनिया 30 सितंबर 2022 को सीसीएल से सेवा मुक्त हुए ते। उनका अंतिम संस्कार शुक्रवार को उनके पैतृक गावं डाल्टेनगंज पलामू के करर स्थित शमशान घाट पर कर दिया गया। उनके दाह संस्कार में मोहन नगर से नंदलाल चौहान, अशर्फी राम, प्राचार्य जेपीएस अभिषेक चौहान, अजय चौहान, मंगलू सतनामी शामिल हुए।

प्रत्येक तबके में हर्ष व्याप्त, बधाई के पात्र हैं सीएम : लक्ष्मी नारायण प्रसाद

खूंटी (आजाद सिपाही)। अपने किये वादे के अनुरूप अंततः आज 1932 के खतियान के तहत स्थानीय नीति और नियोजन नीति के साथ ही घोषित आरक्षण नीति को प्रदेश में लागू कर निश्चित रूप से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन हर तबके के झारखंडियों के दिलो दिमाग में अपार हर्ष का संचार करने वाले जननेता बन गये हैं । उक्त बातें तेली उत्थान समाज के केंद्रीय प्रवक्ता एवं समाज-सचेतक लक्ष्मी नारायण प्रसाद (घासीबारी) ने कही। उन्होंने ओबीसी के लिए 27 प्रतिशत का आरक्षण लाभ देकर अबतक तक उपेक्षित रहे प्रदेश के सदान समुदाय का मन मोह लिया है। लक्ष्मी नारायण प्रसाद ने छोटा नागपुरिया तेली उत्थान समाज की ओर से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनके नेतृत्व में संचालित झारखंड सरकार के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया । उन्होंने कहा की नि:संदेह मुख्यमंत्री और मौजूदा प्रदेश सरकार की नीति निर्धारण क्षमता अन्य नेताओं व राजनीतिक पार्टियों के लिए अनुकरणीय माना जाना चाहिए।

राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा

लापुंग (आजाद सिपाही)। लापुंग प्रखंड मुख्यालय के समक्ष भाजपा मण्डल का जन आक्रोश रैली के प्रभारी जलेंद्र कुमार (पूर्व बीस सूत्री उपाध्यक्ष रांची जिला) के नेतृत्व में निकली गई। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में बलात्कार, लूट, डकैती, घूसखोरी एवं भरस्टाचार से त्रस्त है। लापुंग प्रखण्ड में बिना चढ़ावा के आम जनता का कोई भी का नहीं होता है क्षेत्र में भ्रष्टाचार पर है। विशेष कर अंचल कार्यालय में ऑनलाइन चढ़वाने पर मोटी रकम की मांग किया जाता है, आम जनता का शिकायत है। झारखंड सरकार पर वार करटे हुए हेमंत सोरेन इस्तीफा दो, बंधु तिर्की होश में आओ के नारे लगाये। प्रदेश किसान मोर्चा आद्यक्ष पवन साहू ने कहा कि झारखंड सरकार अवैध बालू का कारोबार कर रही है। वर्तमान सरकार भ्रष्टाचार में लिप्त है, पूर्व की भाजपा सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओ को बंद किया। बिरसा चौक लापुंग से जनाक्रोश रैली प्रखंड कार्यालय में पहुच कर नारे बाजी किये। उसके उपरांत भाजपा प्रभारी जलेंद्र कुमार एवं कार्यकर्ताओं ने प्रखंड विकास पदाधिकारी एमानुएल जयवीरस लाकड़ा को झारखंड में राष्ट्रपति शासन लागू करने को लेकर राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। मौके पर मांडर विधान सभा प्रतिनिधि राकेश भगत, मंडल अध्यक्ष दुखहरन सिंह, जिप सदस्य हिंदिया टोप्पो, हरिमोहन साहू, कृष्णा कुमार, प्रकाश गुप्ता, सीता देवी, नंदलाल साहू, जितेंद्र पाल सिंह, राजेंद्र उरांव, बसंत बरला, किश्वर साहू के अलावे अनेक कार्यकर्ता मौजूद थे।

मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयंती पर कांके में विद्यार्थियों ने निकाली प्रभातफेरी

कांके (आजाद सिपाही)। पतराटोली स्थित जकारिया उच्च विद्यालय कांके के विद्यार्थियों ने शुक्रवार को भारत के पहले शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयंती के उपलक्ष्य में प्रभातफेरी निकाली। इस मौके पर स्कूल के संस्थापक सचिव हाजी नुरुल्लाह अंसारी ने इनके जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मौलाना अबुल कलाम आजाद देश की आजादी से पहले एक स्वतंत्रता सेनानी थे, वह विद्वान और प्रख्यात शिक्षाविद भी थे। आजादी के बाद उन्हें देश का पहला शिक्षा मंत्री बनाया गया, वह देश के प्रमुख वास्तुकारों में से एक थे। एआईसीटीई और इसी तरह के कई टेक्निकल संस्थानों की स्थापना में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी थी। शिक्षा के क्षेत्र में उनके समर्पण को ध्यान में रखते हुए 11 नवंबर, 2008 को मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने उनके जन्मदिन को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के रूप में मनाने का फैसला किया। मौलाना हिन्दू-मुस्लिम एकता के सबसे बड़े पक्षधर थे। आजाद को 1992 में मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित किया गया था। उन्होंने 1958 में अंतिम सांस ली। जकरिया उच्च विद्यालय पतराटोली के बच्चों ने स्कूल परिसर से प्रभातफेरी निकाल कर पतराटोली, मिल्लत कॉलोनी, चूड़ीटोला होते हुवे प्रखंड कार्यालय तक गयी। इसके अलावा स्कूल के बच्चों को 8 समूह में बांटकर निबंध और पेंटिंग्स प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें सफल प्रतिभागियों को विद्यालय के संस्थापक हाजी नुरुल्लाह, निदेशक अब्दुल समद, प्राचार्य फरहत हुसैन ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस मौके पर विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाएं सहित कई गणमान्य लोग भी उपस्थित थे।

आनंदी में खुला मस्ती फैमिली रेस्तरां और बार

ओरमांझी (आजाद सिपाही)। ओरमांझी के आनंदी में रॉयल तडका के बगल में मस्ती फैमिली रेस्तरां और बार का उद्घाटन पूर्व सांसद रामटहल चौधरी,राज्य सभा सांसद प्रो आदित्य प्रसाद साहू, विधायक लंबोदर महतो के द्वारा फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर पूर्व सांसद रामटहल चौधरी, राज्य सभा सांसद प्रो. आदित्य प्रसाद साहू, विधायक लंबोदर महतो, पूर्व उप प्रमुख लालू उर्फ जयगोविंद साहू, भाजपा प्रदेश किसान मोर्चा के उपाध्यक्ष अमरनाथ चौधरी, रणधीर चौधरी, प्रो शैलेंद्र मिश्र, बारीडिह उप मुखिया बनवारी लाल साहू, चांद बाबू, नागेश्वर महतो आदि उपस्थित थे। प्रोपराइटर जितेंद्र महतो ने बताया कि उचित दाम पर भोजन और बार का आनंद ग्राहकों को मिलेगा।

झारखंड की अब एक ही पहचान 1932 का खतियान: तनवीर आलम

कांके (आजाद सिपाही)। क्षेत्र के युवा समाजसेवी तनवीर आलम ने हेमंत सोरेन सरकार के बेहतर कार्यों की तारीफ करते हुए कहा कि सरकार द्वारा जो कैबिनेट से त्वरित गति से राज्य के मूलवासियों, सदानों, आदिवासियों के लिए 1932 का खतियान स्थानीय नियोजन नीति के लिए कैबिनेट से पास कराया गया है। इनके बेहतर कार्य को दर्शाता है। इससे राज्य की जनता में खुशी की लहर है। वही एसटी, एससी, ओबीसी और कमजोर वर्गों की आरक्षण सीमा को बढ़ाए जाने पर भी तनवीर आलम में खुशी जाहिर की है और कहा है कि इससे राज्य की जनता में खुशी देखी जा रही है। यहां के धरतीपुत्र और 1932 के खतियानधारी प्रत्येक घरों में खुशी की लहर है। अब युवाओं को भी लगने लगा है कि हम लोगों को हेमंत सरकार निश्चित रूप से नौकरी और रोजगार देगी और हम ठगे नहीं जायेंगे। अब हमें अपना अधिकार मिलेगा। कैबिनेट से स्थानीय नीति और 1932 का खतियान स्थानीय नीति और आरक्षण सीमा पास किये जाने पर राज्य के सभी विधायकों और मंत्रियों को तनवीर आलम ने बधाई और शुभकामनायें दी है।

पैदल चल रही तीन महिला को बाइक सवार ने मारी टक्कर, चालक समेत पांच घायल

लापुंग (आजाद सिपाही)। लापुंग थाना क्षेत्र के लालगंज भंगी नदी के समीप शुक्रवार की देर शाम पैदल चल रही तीन महिला को मोटरसाइकिल सवार ने टक्कर मार दिया जिससे तीनों महिला समेत मोटरसाइकिल चालक व उसमें बैठा व्यक्ति घायल हो गया। घायलों में महिला बरईडीह निवासी बुधनी देवी लालगंज निवासी सुनीता देवी, लीलावती देवी व मोटरसाइकिल चालक एतवा मुंडा एवं सुरेंद्र उरांव शामिल हैं।

खतियान आधारित नीति विधानसभा से पारित होने पर जश्न

झामुमो कार्यकर्ताओं ने अबीर गुलाल लगाकर मनायी खुशी

आजाद सिपाही संवाददाता

रातू। झारखंड राज्य में महागठबंधन की सरकार की ओर से 1932 खतियान आधारित स्थानीय नीति विधेयक विधानसभा के विशेष सत्र से पारित होने की खुशी में शुक्रवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा रांची जिला अध्यक्ष मुस्ताक आलम के नेतृत्व में फिराया लाल चौक जिला समिति के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता अबीर गुलाल और मिठाइयां बांटकर खुशी का इजहार किया। साथ ही देश के प्रथम शिक्षा मंत्री अब्दुल कलाम आजाद की जयंती पर उनकी चित्र में माल्यार्पण किया गया।

इन्होंने लिया कार्यक्रम में हिस्सा

जिला समिति के अध्यक्ष मुस्ताक आलम के निदेर्शानुसार, प्रखंड अध्यक्ष बेलाल अंसारी के नेतृत्व में रवि कुमार, असलम अंसारी, बबलू मिंज, शकुंतला देवी, प्रदीप किस्पोट्टा, सैयद फिरोज सचिन ऊरांव, कृष्णा कुमार, समीम मंसुरी, जाबिर अंसारी, वसीम अंसारी, पहना तिर्की आदि दर्जनों लोगों ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस बीच जय झारखंड और हेमंत सोरेन जिंदाबाद के नारो से वातावरण गूंज उठा।

पड़हा जतरा मैदान में फुटबॉल टूर्नामेंट शुरू

नामकुम (आजाद सिपाही)। प्रखंड के खरसीदाग पड़हा जतरा मैदान में शुक्रवार को फुटबॉल टूर्नामेंट का शुभारंभ किया गया। उद्घाटन मैच में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित झामुमो नामकुम प्रखंड अध्यक्ष बिरीश मिंज एवं जिला परिषद सदस्य रामावतार केरकेट्टा ने खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त कर मैच का शुभारंभ किया। उद्घाटन मैच पिंडारकोम और रामपुर के बिच खेला गया। जिसमें पिन्डारकोम एक गोल से विजयी रहा। मौके पर 52 पड़हा अध्यक्ष प्रदीप तिर्की ने बताया कि टूर्नामेंट का फाइनल मैच 17 नवंबर को खेला जायेगा। साथ ही जतरा और नागपुरी रंगारंग कार्यक्रम का भी आयोजन होगा।

मलेशिया की लिंकन यूनिवर्सिटी के साथ सीआइटी का एमओयू

नामकुम (आजाद सिपाही)। उच्च तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में नया कीर्तिमान गढ़ते हुए कैंब्रिज इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी ने मलेशिया की प्रतिष्ठित लिंकन यूनिवर्सिटी के साथ शैक्षणिक करार किया है। इस एमओयू के तहत परस्पर शैक्षणिक सहयोग, शोध कार्यों में बढ़ावा, नवीनतम तकनीक के आदान प्रदान, विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए द्विपक्षीय सहयोग एवं शैक्षणिक अध्यन के लिये विद्यार्थियों का एक्सचेंज प्रोग्राम जैसी गतिविधियां संचालित की जायेगी। एमओयू पर लिंकन यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर अमिय भौमिक एवं सीआईटी के एडवाइजर डॉ एम एन वंधोपाध्याय ने हस्ताक्षर किये। मालूम हो कि

इस करार के बाद जहां शिक्षकों को अपने शिक्षण स्किल को अपग्रेड करने में विशेष सुविधा मिलेगी वहीं विद्यार्थियों को वैश्विक बाजार में रोजगार के अवसर उपलब्ध होने में भी मदद की संभावना काफी अधिक होगी। संस्थान की इस उपलब्धि से यहां के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों में हर्ष का माहौल है। कैंब्रिज ट्रस्ट की चेयरपर्सन जानकी देवी एवं प्राचार्य डॉ एन हरि बाबू ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना के सफल क्रियान्वन के लिये शिक्षकों की टीम को बधाई दी है।

अनगड़ा के सिरका पंचायत में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन

कार्य्रकम में ग्रामीणों की कई समस्याओं का ऑन द स्पॉट किया गया निष्पादन

आजाद सिपाही संवाददाता

अनगड़ा। सिरका पंचायत मे शुक्रवार को आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्धार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आयोजित शिविर मे प्रखंड के सभी विभाग एवं अंचल का स्टॉल लगाया गया था। जिसमे लोगों ने जाति, आवासीय, आय, पीएम आवास, अंबेडकर आवास, मनरेगा जॉब कार्ड, मुख्यमंत्री पशुधन योजना, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, फुलो-झानों आशीर्वाद योजना, राशन कार्ड, ग्रीन कार्ड, श्रम कार्ड, रजिस्ट्रेशन, राशन कार्ड सुधार, केसीसी, सर्वजन पेंशन योजना, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि, विधवा, दिव्यांग, वृद्धा पेंशन आदि से संबंधित आवेदन दिए गये। मौके पर कई आवेदनों का ऑन दी स्पॉट निष्पादन किया गया। शिविर

मे लाखों रूपए की परिसंपतियों का वितरण हुआ तथा जरूरतमंदों के बीच कंबल बांटे गए। मौके पर मुखिया रोशनलाल मुण्डा ने कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना उनकी प्राथमिकता मे है। कार्यक्रम में बीडीओ उतम प्रसाद, सीओ पुष्पक रजक, सीडीपीओ रेणुका कुमारी, मनरेगा वीपीओ अवनिंद्र कुमार, बीटीएम अंजीव श्रीवास्तव, सीआइ रमेश रविदास, जिप सदस्य अनुराधा मुण्डा, प्रमुख दीपा उरांव, पंसस सावित्री देवी, सांसद प्रतिनिधि कामेश्वर महतो, विधायक प्रतिनिधि राजेन्द्र मुण्डा, उपप्रमुख जयपाल हजाम, पार्टी प्रतिनिधि अमानुल्लाह अंसारी आदि ने लोगों को विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील की। संचालन अवनिंद्र कुमार ने किया। कार्यक्रम मे मुखिया रोशन लाल मुण्डा, उपपमुखिया अंजना देवी, वार्ड मेंबर प्रणव कुमार, रेखा देवी, रंजीत करमाली, पुष्पा देवी, विजय मुण्डा, रोशन परवीन, परवेज खान, रीता देवी, ग्रामप्रधान बाबुलाल मुण्डा, शिवा मुण्डा, सौभाग्य मुण्डा, समाजसेवी जगेश्वर महतो, साहेबराम महतो, पंस धनेश्वर महतो, शहजाद खान, तबरेज अंसारी, रोजगार सेवक दयाशंकर, संजय मंडल, वीएलडब्लु समीर रॉय, बीएसओ भोंका भेंगरा, कृषक मित्र शहनवाज खान, जगेश्वर महतो, कंप्युटर ऑपरेटर राजेश कुमार, सैफ अली आदि उपस्थित थे।

नगड़ी प्रखंड परिसर में आमसभा का आयोजन

महिला संगठन और महिलाओं के प्रयास से ही गांव की तस्वीर बदलेगी: नवीन

आजाद सिपाही संवाददाता

पिस्कानगड़ी। नगड़ी प्रखंड परिसर में शुक्रवार को नगड़ी आजीविका महिला सकूल संगठन का वार्षिक आमसभा का आयोजन किया गया। मौके पर मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित नवीन जयसवाल हटिया विधानसभा प्रभारी नवीन जयसवाल एवं अंचलाधिकारी संतोष कुमार शुक्ला, जिला परिषद सदस्य पूनम देवी, नगड़ी प्रमुख मधू कच्छप, नगड़ी पसस शीला देवी, जेएसपीएल के प्रमुख सुखदेव लोहरा नगड़ी आजीविका महिला

संकुल संगठन की महिलाओं ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर आम सभा का वार्षिक समारोह का उद्घाटन किया। वार्षिक आम सभा में नगड़ी देवरी नारो साहेर, एड़चोरो, चिपरा, उतरी दक्षिण टुडूंल, लालगुटवा, सपारोम, बालालोंग, कुदलोंग, चेटे पंचायत के दर्जनों गांव की महिला समिति के सैकड़ों की संख्या में आम सभा में भाग लिया।

मौके पर महिलाओं को संबंधित संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि महिला संगठन और महिलाओं के प्रयास से ही गांव का तस्वीर और दशा और दिशा बदलेगी महिला हर क्षेत्र में और क्षेत्र में महिलाओं का योगदान पर चर्चा है अब वह चूल्हा तक सीमित नहीं है आप लोग आप महिला किसान डॉक्टर मुखिया अधिकारी सहित देश के नेतृत्व करने का भी जिम्मेवारी संभाल रही है। मौके पर नगड़ी सीओ ने महिलाओं को सरकार द्वारा जनहित में लाई जा रही योजना का लाभ उठाने का आह्वान किया। समारोह को अतिथि जिप सदस्य पूनम देवी, नगड़ी प्रमुख मधु कच्छप, नगड़ी पसस शीला देवी, समाजसेवी बजरंग महतो, केदार महतो ने भी संबोधित किया। मौके पर नगड़ी आजीविका महिला सकूल संगठन का वार्षिक आय व्यय का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया समारोह में विभिन्न गांव की महिला समिति के महिलाओं ने भ्रुण हत्या दहेज, डायन बिसाही पर नाटक का प्रस्तुत किया। जिसे देखकर उपस्थित सभी लोग भाव विभोर हो गये। मौके पर वार्षिक आम सभा प्रखंड का सर्वश्रेष्ठ महिला समितियों को अतिथियों ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया । समारोह का संचालन अनिमा खलखो, प्रीति देवी तथा धन्यवाद ज्ञापन बबिता देवी और अंजू देवी ने किया।

ये रहे मौजूद

मौके पर बीपीएम सुखदेव लोहरा, एफटीसी ब्रजेश कुमार, नीलम तिर्की, बीपीओ सुलोचना तिर्की, अरविंद पासवान, सीसी संजय महतो, सुनील उरांव,बबीता कुमारी,नागिया तिग्गा,सुषमा देवी, लक्ष्मी देवी, मीना तिग्गा,कलस्टर मैनेजर कैलाश ठाकुर सहित प्रखंड के आजीविका महिला समिति के सैकड़ो सदस्यों उपस्थित थे।

ओरमांझी में निर्माणाधीन मार्केटिंग कांप्लेक्स में जिला परिषद ने लगाया गुणवत्ता का ठप्पा

ओरमांझी (आजाद सिपाही)। जिला परिषद के फंड से ओरमांझी के डाक बंग्ला में मार्केटिंग कांपलेक्स का निर्माण कार्य कराया जा रहा है ।प्राक्लित राशि 3 करोड़ 65 लाख की है। कुछ दिन पूर्व ग्रामीणों के द्वारा मार्केटिंग कांपलेक्स में अनियमितता की शिकायत राज्य सभा सांसद प्रो. आदित्य प्रसाद साहू और लोक सभा सांसद संजय सेठ से की गई थी। शिकायत मिलते ही जिला परिषद पूर्वी ओरमांझी की सदस्या सरिता देवी ने एस डी ओ शेखर कुमार सिंह, सहायक अभियंता राहुल कुमार,और संवेदक अमित कुमार को निर्माण स्थल पर पहुंचकर ग्रामीणों की शिकायत पर पहल करने को कहा गया। एसडीओ शेखर कुमार, सहायक अभियंता राहुल कुमार और जेइ प्रशांत कुमार निर्माण स्थल पर पहुंचे और जिला परिषद सदस्य सरिता देवी, मुखिया दीपक बडाइक, उप मुखिया संतोष गुप्ता के समक्ष गुणवत्ता युक्त कार्य होने की बात बतायी। जिला परिषद सदस्य सरिता देवी, मुखिया दीपक बडाइक, उप मुखिया संतोष गुप्ता मार्केटिंग निर्माण कार्य से संतुष्ट हुए। जिला परिषद के द्वारा गुणवत्ता युक्त कार्य होने का अपने लेटर पैड पर लिखकर ठप्पा लगा कर संवेदक को देते हुए कार्य जारी रखने को कहा। सहायक अभियंता राहुल कुमार ने कहा कि कुछ नव निर्वाचित जन प्रतिनिधियों को रात में ढ़लाई कराने को लेकर शिकायत है। ढ़लाई होते होते रात हो ही जाती है। रही बात गुणवत्ता की जांच की तो ढ़लाई के 28दिन बाद तीन क्यूब काट कर प्रयोगशाला भेजने के बाद ही इसका पुख्ता प्रमाण हो पायेगा। मेरे और एसडीओ शेखर कुमार के द्वारा जांच में किसी भी तरह का अनियमितता नहीं पायी गई है।

योजनाओं का लाभ ग्रामीण जरूर उठायें: नीरज कुजूर

बेड़ो (आजाद सिपाही)। प्रखंड पुरियो गांव में शुक्रवार को आपकी योजना- आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ बीडीओ डा प्रवीण कुमार सीडीपीओ नयाब जेबा कृषि पदाधिकारी कलिंद्र साहू बीपीओ संजय तिर्की प्रमुख विनीता कच्छप मुखिया नीरज कुजूर ग्राम प्रधान लोदा उरांव ने दीप जलाकर किया। मौके पर बीडीओ ने कहा कि सरकार आपके घर तक पहुंची है। जिसका लाभ ग्रामीण उठाएं। वही मुखिया नीरज कुजुर ने कहा सरकार द्वारा संचालित सभी विभागों की योजनाओं का लाभ ग्रामीण जरूर उठाएं। उन्होंने किसानों को जानकारी देते हुए बताया कि दाखिल-खारिज कराकर रजिस्टर टू में अपना नाम अवश्य दर्ज कराएं। फुले बाई किशोरी समृद्धि योजना के तहत बच्चियों को सरकारी सहायता दी जाती है जो छात्र पठन-पाठन कर रहे हैं, वह इसका जरूर से जरूर लाभ उठाएं। कार्यक्रम में शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग मनरेगा पेंशन योजना, बाल विकास योजना, आपूर्ति विभाग बिजली विभाग, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन कल्याण विभाग भूमि संरक्षण विभाग आदि के कुल 20 स्टॉल लगाए गए थे। जिसमें विभिन्न विभागों में आए अधिकांश आवेदन को मौके पर निपटारा कर दिया और बाकी बचे आवेदनों को यथाशीघ्र निपटारा करने का आश्वासन दिया गया। इस दौरान महिलाओं का गोद भराई व बच्चों का मुहं जुठ्ठी किया गया। बुजुर्ग महिला व पुरषों को कंबल दिया गया। मौके पर जगरनाथ भगत, संजय कच्छप,कुबा पहान सहित सभी विभाग के पदाधिकारी कर्मी समेत स्थानीय लोग उपस्थित थे।

कृषक उच्च विद्यालय गुडु गडरी को सीएसआर मद से मिला 32 जोड़ी बेंच और डेस्क

रातू (आजाद सिपाही)। कृषक उच्च विद्यालय गड़री गुडू रातू रांची को लांसर एंड टुब्रो कंपनी प्राईवेट लिमिटेड के सिएसआर मद के द्वारा छात्र-छात्राओ के लिए 32 जोड़ी बेंच डेस्क दिया गया। इस कार्यक्रम में रांची स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट मैनेजर जेडी त्रिपाठी, राहुल कुमार जुडूको, विकास पाण्डे एडमिस्टेशन,कुनाल प्लानिंग मैनेजर, सुधाकर, तेजा सेफ्टी मैनेजर कंपनी का प्रतिनिधित्व किये साथ ही विद्यालय के प्रबंध समिति सचिव अशोक कुमार प्रधानाध्यापिका सीमा कुमारी, उप प्रधानाध्यापिका मेलसा स्वेता तिर्की, सहायक शिक्षक नलनी रंजन प्रसाद, संजय कुमार महतो कृषक उच्च विद्यालय गड़री गुडू रातू रांची को संचालित करने वाली संस्था शहीद विशुन महतो स्मारक संस्था के अध्यक्ष कालीराम उरांव, सचिव अशोक कुमार सदस्य पितांबर महतो, करमा महतो, सुरेश उरांव आदि मौजूद रहे। स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट मैनेजर के द्वारा विद्यालय परिवार को आश्वासन दिया गया कि आने वाले सालों में विद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राओ के लिये कंपनी के द्वारा सहयोग किया जायेगा।

संत माइकल्स स्कूल में सम्मान समारोह का आयोजन

पिस्कानगड़ी (आजाद सिपाही)। नगड़ी के कोलांबी स्थित संत माइकल्स स्कूल में शुक्रवार को सम्मान समारोह का आयोजन किया गया सम्मान समारोह में स्कूल के संस्थापक एवं निदेशक कमल बहल, प्राचार्य रंजीत कुमार, प्राचार्या ऋषिका बहल ने सयुक्त रूप से बीपीसी में न्यायिक शिक्षा परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए वाली विधालय की पुर्व छात्रा भावना नंदा को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया मौके पर अकादमिक प्रभारी मेजर (सेवानिवृत) रश्मि प्रकाश ने अपने संबोधन करते हुए कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं है और सफलता हमारी असफसताओं से सीखकर प्राप्त की जा सकती है मौके पर छात्रा भावना नंदा ने कहा कि छात्रों के लिए समाचार पत्र पढ़ना सबसे महत्त्वपूर्ण है और छात्रों को कम उम्र में ही अपनी रूचि के अनुसार सही क्षेत्र का चयन करना चाहिए। उन्होंने छात्रों से स्मार्ट वर्किंग बच्चे बनने का भी आग्रह किया समारोह में प्रधानाचार्य रंजीत कुमार ने भावना नंदा का अभिनंदन किया और उनके पिता नवल किशोर नंदा को स्नेह और आभार का प्रतीक देकर सम्मानित देते हुए कहा कि असंभव के बाद ही कोई भी कार्य संभव हो पाता है। उन्होंने छात्रों को नए लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। मौके पर विधालय के विद्यार्थियों के गायन एवं नृत्य प्रदर्शन कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

प्याऊ और शौचालय का किया उद्घाटन

नामकुम (आजाद सिपाही)। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन के रांची शाखा के सौजन्य से शुक्रवार को नामकुम तेतरी टोली स्थित राजकीयकृत हंसराज वाधवा उच्च विद्यालय नामकुम में प्याउ और शौचालय उद्घाटन किया गया। अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन की राष्ट्रीय अध्यक्ष मीरा बथवाल, राष्ट्रीय सचिव रूपा अग्रवाल और रांची शाखा की अध्यक्ष नैना मोर मंजू केडिया ने स्कूली छात्राओं के बीच स्कूल बैग का भी वितरण किया। उन्होंने संयुक्त रूप से स्कूल लाइब्रेरी के लिये किताब देने की घोषणा की। मौके पर सांसद प्रतिनिधि पिंटू सिंह, बिना मोदी, रीना, सुरेखा, मधु शराफ, सुशीला पोदार, मंजू मुरारका, मंजू गड़ोदिया, प्रीति बंका, प्रीति पोदार, मंजू लोहिया, शोभा हेतम सरिया, उर्मिला पाटिल, प्राचार्य एबी करकेट्टा, शिक्षक सहित छात्र-छात्रायें उपस्थित थी।

पांडू बीडीओ ने मुसहर परिवार को दिग्भ्रमित के आरोप में भाजपा नेताओं पर करायी प्राथमिकी

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। जिले के पांडू अंचल के सीओ सह बीडीओ राहुल उरांव ने पांडू के निवर्तमान जिला परिषद सदस्य अनिल चंद्रवंशी, भाजपा नेता धर्मदेव सिंह यादव तथा सामाजिक कार्यकर्त्ता ब्रज भूषण पांडेय उर्फ विनय कुमार पांडेय सहित 15 अज्ञात लोगों के विरुद्ध पांडू थाना में प्राथमिकी कराई है। दर्ज प्राथमिकी में पुलिस संरक्षण में मुरुमातू से उजाड़े जाने के बाद शरण लिए 42 मुसहर परिवार के छोटे बड़े सदस्य को बहकाने ,प्रशासन के नेवरी में बसाने के निर्णय पर दिग्भ्रमित करने व प्रशासनिक कार्य में बाधा पहुंचाने के आरोप में गैर जमानतीय धारा के तहत मुकदमा दर्ज कराया है। इसके बाद सक्रिय हुई पांडू पुलिस के सब इंस्पेक्टर और आईओ संजीव कुमार ने गुरुवार को ताबड़तोड़ छापेमारी कर निवर्तमान जिप सदस्य अनिल चंद्रवंशी और विनय कुमार पांडेय को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं तीसरा नामजद आरोपी भाजपा नेता धर्मदेव सिंह की गिरफ्तारी के लिए हाथ पांव मार रही है। इसीक्रम में भाजपा नेता का आरोप है कि पांडू पुलिस उनकी गिरफ्तारी के लिए जबरन उनके घर में घुसकर अकेली घर मे मौजूद पत्नी के साथ बदसलूकी किया है। भाजपा नेता ने इसे हताशा भरी कारवाई तथा सरकार और प्रशासन के तानाशाही रवैया बताया है।

नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड संख्या 13-16 के लिए बेलौदर में लगा शिविर

हरिहरगंज/पलामू (आजाद सिपाही)। हरिहरगंज नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड संख्या 13 से 16 तक बेलौदर गांव स्थित मिडिल स्कूल प्रांगण में शुक्रवार को आपकी योजना, आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान बीडीओ जय प्रकाश नारायण तथा सीओ बासुदेव राय ने शिविर में सरकार की कई महत्वकांक्षी योजनाओं से लोगों को अवगत कराया।अपने संबोधन में आधिकारियों ने कहा कि पंचायतवार आयोजित शिविर का लाभ ग्रामीणों को मिल रहा है। शिविर में पहुंचे लोगों को योजना का लाभ दिया जा रहा है। योजना का लाभ लेने के लिए सैकडों आवेदन जमा किए जा रहे हैं। शिविर के आयोजन का उद्देश्य योग्य लाभुकों को योजना का लाभ देना है। उन्होंने लोगों से इसका लाभ उठाने की अपील की। कई समस्याओं का समाधान ऑनस्पाट भी किया गया। शिविर के माध्यम से मुख्यमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, जेएसएलपीएस द्वारा महिला समूह गठन, ग्रीन राशन कार्ड, ई–श्रम पोर्टल पर निबंधन समेत अन्य योजनाओं की जानकारी देते समुचित लाभ लेने की अपील ग्रामीणों से की गई। मौके पर महिला पर्यवेक्षिका सुमित्रा कुमारी के अलावा प्रखंड व अंचल कर्मी समेत अन्य मौजूद थे। जबकि शिविर में राजीव रंजन,प्रमोद कुमार रवि,कृष्ण कुमार सिंह, संतोष कुमार प्रजापति,कमलेश कुमार यादव,अरविन्द पासवान,आबिद हुसैन सहित कई सामाजिक और राजनीतिक कार्यकताओं की सक्रिय भागीदारी देखी गई।

यूनाइटेड मिल्ली फोरम के तत्वावधान में मनाया गया अबुल कलाम का जन्मदिन

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। युनाइटेड मिल्ली फोरम एवं आइडियल टीचर्स एसोसिएशन हुसैनाबाद के संयुक्त तत्वावधान में भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री, भारत रत्न मौलाना अबुल कलाम आजाद का जन्मदिवस राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के मौके पर उर्दू मध्य बिद्यालय में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता नगर उपाध्यक्ष ग्यासुद्दीन सिद्दीकी ने किया। संचालन शिक्षक मो0 जुबैर अंसारी ने किया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला परिषद उपाध्यक्ष आलोक कुमार सिंह उर्फ टूटू सिंह ने कहा मौलाना हिन्दू मुस्लिम एकता के प्रतीक थे उनका जन्मदिवस सभी को मनाना चाहिए। अगले साल से इस मौके पर फूटबॉल मैच का आयोजन किया जाएगा।नगर अध्यक्ष शशि कुमार ने कहा कि मौलाना को भारत रत्न से भी नवाजा गया है।वे हिन्दू मुस्लिम एकता के बड़े पक्षधर थे।इनके नाम पर भवन निर्माण कराया जाएगा।मौके पर जेएमएम नेता एजाज हुसैन उर्फ छेदी खान ने कहा कि मौलाना कलाम भारत के महान विभूतियों में उनका नाम स्वर्णिम अक्षरों में रखा जाएगा।सभा को शिक्षक शकील अहमद,अब्दुस्सलाम, मुमताज अंसारी,जाकिर अली उर्फ राज अली, अजय भारती आदि ने भी संबोधित किया।अध्यक्षता कर रहे नगर उपाध्यक्ष ग्यासुद्दीन सिद्दीकी ने कहा कि देश के प्रथम शिक्षा मंत्री ने देश में आइ आइ टी, आइ आइ एम, यू जी सी, साहित्य अकादमी, ललित कला अकादमी जैसे संस्थानों की स्थापना किया जिससे हजारों नौजवान शिक्षा ग्रहण कर देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। धन्यवाद ज्ञापन डा0 एजाज आलम ने किया। मौके पर सिबतैन मिर्जा, इजहार कादरी, इम्तेयाज आलम, सोनू खां , अफजाल खां, शाह जफर , आरिफ खां, नजीर अंसारी, शाह आलम, अलीमुद्दीन, शाहरुख खान के अलावा काफी संख्या में छात्र छात्राएं और महिलाएं भी उपस्थित थे ।

छापेमारी कर शराब के अवैध कारोबार को रोकें : आयुक्त

- दुकानों में जरूरत के हिसाब से हो आपूर्ति
- ट्रैक एंड ट्रैस की व्यवस्था हो दुरुस्त
- सेल्समैन का समय से मानदेय भुगतान की हो पहल

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। प्रमंडलीय आयुक्त जटा शंकर चौधरी ने आज मद्य निषेध विभाग के कार्यों एवं राजस्व संग्रहण की समीक्षा की। आयुक्त कार्यालय में आयोजित बैठक में आयुक्त राजस्व संग्रहण में तेजी लाने का निदेश दिया। इसके लिए उन्होंने पलामू प्रमंडल के जिलों में सक्रियता से छापेमारी कर शराब की अवैध कारोबार को रोकने का निदेश दिया। उन्होंने कहा कि ओवर प्राइस की समस्या, मिलावट व रिपैकेजिंग की शिकायतें मिलती है। सख्ती से छापेमारी अभियान चलाकर इन समस्याओं को दूर कराना सुनिश्चित करें, ताकि सरकार के राजस्व संग्रहण में तेजी आ सके। आयुक्त ने कहा कि दुकानों में जरूरत के हिसाब से आपूर्ति सुनिश्चित कराने का निदेश दिया। साथ ही ट्रैक एंड ट्रैस की व्यवस्था दुरुस्त कराने की पहल करने की बातें कही। उन्होंने कहा कि स्कैन करने की व्यवस्था दुरुस्त होने से राजस्व संग्रहण में तेजी आएगी। उत्पाद विभाग में पदाधिकारियों की कमी को दूर करने एवं उत्पाद दारोगा को प्रशिक्षण प्राप्त कर लौटने तक सब इंस्पेक्टर को प्रतिनियुक्ति करने को लेकर विभाग को अवगत कराने का निदेश दिया। साथ ही आयुक्त ने उत्पाद अधिकारियों को दुकानों में आवश्यक बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने एवं नियमावली का पालन कराने का निदेश दिया। बैठक में आयुक्त जटा शंकर चौधरी के अलावा पलामू की उत्पाद अधीक्षक विमला लकड़ा, गढ़वा के उत्पाद अधीक्षक निर्मल कुमार एवं लातेहार के उत्पाद अधीक्षक प्रदीप कुमार सिन्हा उपस्थित थे।

सरकारी शिक्षक स्वयं गायब रहकर दूसरे निजी व्यक्ति से करवा रहा था शिक्षण का कार्य

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। पलामू डीसी आंजनेयुलू दोड्डे ने जिला शिक्षा अधीक्षक को सतबरवा के घुटुवा के राजकीय प्राथमिक विद्यालय के सरकारी शिक्षक कुंदन कुमार को निलंबित करने का निर्देश दिया है। उन्होंने सहायक समाहर्ता श्रीकांत विसपुते द्वारा किये गये जांच के आलोक में यह कार्रवाई की है।

स्वयं अनुपस्थित रहकर गांव के ही व्यक्ति को बना रखा था शिक्षक : दरअसल घुटुवा के ग्रामीणों ने उपायुक्त श्री दोड्डे से महीनों शिक्षक का गायब रहने व अपने स्थान पर निजी व्यक्ति से शिक्षण का कार्य करने को लेकर शिकायत की गयी थी जिसके पश्चात डीसी ने पूरे मामले की जांच सहायक समाहर्ता से करवायी। सहायक समाहर्ता श्रीकांत विसपुते द्वारा जांच में पाया गया कि सरकारी शिक्षक कुंदन कुमार महीनों गायब रहते हैं वहीं खुद के स्थान पर गांव के ही एक व्यक्ति मोहन कुमार से शिक्षण का कार्य करवाते हैं। जांच के क्रम में उन्होंने पाया कि इस कारण बच्चों का शिक्षा का स्तर भी गिरा है। इस दौरान जांच का भनक लगते ही निजी शिक्षक फरार होगया। इस पूरे मामले में उपायुक्त ने त्वरित एक्शन लेते हुए जिला शिक्षा अधीक्षक को आरोपी सरकारी शिक्षक कुंदन कुमार को सस्पेंड करने का निर्देश दिया।

घर घर यात्रा अभियान के तहत समाजसेवी मनोज सिंह पहुंचे सिंगरा, कहा

आप लोगों का आशीर्वाद मिला तो इस क्षेत्र की तस्वीर बदल देंगे

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। नगर निगम का सिंगरा वैसे भी विभूतियों की धरती है। जिन्होंने देश और समाज की बेहतरी के लिये अपनी जान तक की बाजी लगा दी है। ऐसे इलाके के विकास पर विशेष ध्यान दिये जाने की जगह इसे उपेक्षित छोड दिया गया है। उक्त बातें भावी मेयर प्रत्याशी मनोज सिंह घर घर यात्रा के तहत गुरुवार को अमर शहीद अनुराग शुक्ला के स्मारक पर माल्यार्पण के बाद बोल रहे थे। श्री सिंह ने कहा कि अनुराग शुक्ला की शहादत से न सिर्फ सिंगरा बल्कि पूरे पलामू के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। इस लिए इस इलाके के उस रूप में विकसित किया जाना चाहिए कि इस इलाके को लोग देखने आये,ताकि अनुराग शुक्ला की वीरता की ख्याती दूर दूर तक फैले,पर आज की स्थिति यह है कि नगर निगम में शामिल होने के बाद सिंगरा के लोग बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं यह निगम की नाकामी है। उन्होंने सिंगरा वासियों को आश्वस्त किया की जनता का आशीर्वाद मिला तो सबसे पहले चुनाव जीतने के बाद खेतिहर जमीन को टैक्स मुक्त करेगें और इसके लिए वो किसी भी आंदोलन में सिंगरा वासियों के साथ पहले भी थे और आज भी हैं। श्री सिंह ने कहा कि राजनीति में वह सेवा के लक्ष्य को लेकर आये है। सेवा भाव का माहौल तैयार कर विकास के साथ विश्वास का वातवरण तैयार करना उनकी पहली प्राथमिकता है। श्री सिंह ने कहा कि इस अभियान के दौरान सिंगरा वासियों ने जो स्नेह और सम्मान दिया है यही स्नेह और सम्मान उनके राजनीतिक जीवन की सबसे बडी पूंजी है। जनता के प्यार और विश्वास की रक्षा कर निगम मे विकास का इतिहास रचेगें। इसी संकल्प को लेकर वह चुनावी मैदान में उतरे है। घर घर यात्रा इस लिए कि, चुनावी मौसम जनता वैसै लोगो से सचेत रहे जो विकास का सब्जबाग दिखाकर वोट लेते है उसके बाद इलाके को उसी हाल में छोड देते है। इस लिए यह जरूरी है जनता वैसे अवसरवादियों को अभी से ही सबक सिखाने की बात मन में ठान ले। इसके बाद श्री सिंह ने सिंगरा के बजराहा, पूणार्डीह आदि मुहल्ला का दौरा कर सभी मुहल्लेवासियों से संवाद किया और मुहल्लेवासियों की समस्या से अवगत हुए। इस दौरान समस्त मुहल्ले वासियों ने श्री सिंह का भव्य स्वागत किया। इस दौरान संतोष शुक्ला, मंगल नाथ शुक्ला, विनोद ठाकुर,रेणु देवी,विजय शुक्ला,आनंद शुक्ला, देवांग शुक्ला, आशीष शुक्ला, लव शुक्ला,चंदू शुक्ला,साकेत शुक्ला, फोटू दूबे, शिशू दूबे, अखिलेश कुमार, नामधारी कुमार, जितेंद्र कुमार, अमरावती देवी, व अखिलेश राम सहित कई मुहल्लेवासी शामिल थे ।

पांडू पुलिस ने भाजपा नेता के घर बिना सर्च वारंट के जबरन घुसकर किया सर्च

- पत्नी के साथ भी किया अभद्र व्यवहार
- भाजपा नेता ने प्रतिपक्ष के नेता बाबूलाल मरांडी, व प्रदेश अध्यक्ष को दी जानकारी
- पुलिस की दमनात्मक कार्रवाई से क्षेत्र के लोगों में है आक्रोश

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। पलामू जिले के पांडू थाने की पुलिस ने गुरुवार को भाजपा के वरीय नेता धर्मदेव सिंह यादव के रबरी गांव स्थित आवास पर बिना किसी सूचना और सर्च वारंट के घर में जबरन घुस कर घर में उपस्थित अकेली उनकी पत्नी के साथ गाली गलौज कर दुर्व्यवहार किया है। भाजपा नेता श्री यादव ने बताया कि घर में घुसकर पुलिस यह कह रही थी कि धर्मदेव यादव का नेतागिरी भुलवा देंगे। उसे जब जेल भेजेंगें तो सब नेतागिरी भुला जाएगा। भाजपा नेता धर्मदेव सिंह यादव ने कहा कि पुलिस की दबंगई से वे परेशान है। उन्होंने कहा कि उनके ऊपर अभी तक किसी तरह का आरोप नहीं है और न ही कोई वारंट है। फिर किस मामले में पुलिस मुझे गिरफ्तार करने गई थी। यह बात समझ में नहीं आ रही है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा है कि बिना सूचना व वारंट के पुलिस के द्वारा मेरे घर को सर्च किया गया और मेरी पत्नी के साथ गाली-गलौज व दुर्व्यवहार किया जो काफी निंदनीय है। उन्होंने कहा कि पांडू में प्रशासन की दबंगई इतनी बढ़ गयी है जिससे आम लोग परेशान हैं। इस घटना को मुसहर परिवार को न्याय दिलाने से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि दलित परिवार को न्याय दिलाने के बदले प्रशासन मामले को उलझा रही है। उन्होंने बताया कि पिछले 29 अगस्त को दलित परिवार को एक विशेष समुदाय के द्वारा घर ध्वस्त कर बेघर कर दिया गया था, 72 दिन बीत गए इसके बावजूद अभी तक उस दलित परिवार को कोई न्याय नहीं मिला। प्रशासन के लोग मामले को ठंडे बस्ते में डालने के लिए तैयारी शुरू कर दी है। उन्होंने बताया कि मेदिनीनगर में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में मुसहर परिवार के दो महिला को पत्र सौंप दिया गया है। उसमें कोई खाता - प्लॉट व स्थान का जिक्र नहीं है। घटना के बाद प्रशासन के द्वारा जल्द ही उन सभी दलित परिवार को राशनकार्ड, आधार कार्ड व बैंक में खाता खोलने के लिए कहा गया था। लेकिन अभी तक उन्हें कोई भी सुविधा मुहैया नहीं जा सकी है। उल्टा प्रशासन के लोग मामले को उलझाने में लगे हैं। श्री यादव ने पुलिस की इस दबंगई की पूरी सूचना प्रतिपक्ष के नेता बाबूलाल मरांडी, प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश को दिया है। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र के लोगों में घोर आक्रोश है।

14 दिन पहले बरामद शव की हुई पहचान, परिजनों ने दहेज के लिए हत्या का लगाया आरोप

सतबरवा (आजाद सिपाही)। जिले के सतबरवा थाना क्षेत्र के झाबर गांव के बड़की आहर के पास 14 दिन पहले बरामद महिला के शव की पहचान हो गयी है. महिला की पहचान सरजा के गोविंद भुइयां की पत्नी रितु देवी (22) के रूप में हुई है. बता दें कि 27 अक्टूबर 2022 की रात्रि में बोरे में बंद एक महिला का शव बरामद हुआ है. पुलिस शव को कब्जे में लेकर जांच में जुट गयी थी. वहीं महिला के मायकों वालों ने हत्या की आशंका जतायी है. रितु देवी के पिता ने बताया कि उनकी बेटी की शादी एक वर्ष पहले गोविंद से हुई थी. शादी के बाद से ही पति और ससुराल वाले दहेज के लिए प्रताड़ित करते रहते थे.

राज्य सरकार की जनविरोधी नीतियों के विरोध में भाजपाइयों ने किया जोरदार प्रदर्शन

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। हुसैनाबाद प्रखण्ड कार्यालय परिसर में राज्य के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की जनविरोधी नीतियों एवं पूरे राज्य में व्याप्त भय,भ्रष्टाचार,बढ़ रहे बलात्कार, अवैध खनन के खिलाफ जन आक्रोश कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम के प्रभारी के रूप में भाजपा नेता विभाकर नारायण पाण्डे ने भाग लिया।इस जन आक्रोश कार्यक्रम में अतिथि के रूप में भाजपा के वरीय नेता बिनोद कुमार सिंह,रविंद्र कुमार सिंह,अशोक कुमार सिंह,कामेश्वर कुशवाहा,कर्नल संजय सिंह, रामप्रवेश सिंह,प्रेमतोष कुमार सिंह आदि मौजूद थे।मौके पर उपस्थित भाजपा नेताओं ने राज्य सरकार की नीतियों की आलोचना करते हुए जमकर हमला बोला।उन्होंने कहा कि राज्य की हेमंत सरकार हर मोर्चे पर विफल है।पूरे राज्य में कही बालू तो कही जमीन की लूट मची है।आपराधिक घटनाओं का ग्राफ तेजी से बढ़ रहा है।ट्रांसफर पोस्टिंग का धंधा एक उद्योग का रूप ले लिया है।प्रखंड से लेकर सचिवालय स्तर के कार्यालय में भ्रष्टाचार देखा जा रहा है।मौके पर मुख्य रूप से जिला महामंत्री संतोष सिंह,भाजपा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष प्रशांत सिंह,उरद्वार मंडल अध्यक्ष रामराज मेहता,नगर मंडल अध्यक्ष अजय गुप्ता,श्रवण अग्रवाल,उदय विश्वकर्मा, तक्की हुसैन रिजवी,मनीष कश्यप,टिंकू तिवारी,नागेंद्र उपाध्याय,अनुज कुमार सिंह,सुबोध कश्यप, छोटू सिंह समेत सैकड़ो की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

आकांक्षा-40 योजना के तहत खड़गपुर विद्यालय से 6 विद्यार्थियों का चयन

हरिहरगंज/पलामू(आजाद सिपाही)। नीति आयोग (झारखंड) द्वारा संचालित आकांक्षा – 40 योजना के तहत पलामू जिले में कुल 22 मेधावी विद्यार्थियों में हरिहरगंज प्रखण्ड क्षेत्र के स्तरोन्नत उच्च विद्यालय खड़गपुर के प्रभात राज , माहीं कुमारी , सुहानी कुमारी , बलवंत प्रजापति , प्रियांशु कुमार आदी 6 विद्यार्थीयों का चयन होने पर खड़गपुर पंचायत के मुखिया काजल कुमारी, समाजसेवी सतेन्द्र मेहता व समाजसेवी राजीव रंजन ने प्रसन्नता जताते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। चयनित 06 विद्यार्थियों में से 05 मेडिकल स्ट्रीम और 01 इंजीनियरिंग स्ट्रीम में सफलता प्राप्त कर अपने विधालय व पंचायत क्षेत्र का नाम रौशन किया है। उक्त चयनित प्रतिभागियों को विधालय परिवार की ओर से पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। साथ ही इस सफलता के लिए विद्यालय परिवार ने भी बेहतर भविष्य की कामना की है।

राशन मांगने पर एक बार फिर डीलर ने की लाभुक के साथ मारपीट

हरिहरगंज/(पलामू (आजाद सिपाही)। हरिहरगंज थाना क्षेत्र के कुलहिया पंचायत अंतर्गत जगदीशपुर के जनवितरण प्रणाली गंगा स्वयं सहायता समूह के संचालक गीता देवी के द्वारा लाभुकों के साथ मारपीट करने का आरोप लगा है।इससे पहले पीडीएस के लाभुकों ने संचालक के पति शिवपूजन मेहता पर गाली गलौज के साथ जाती सूचक भाषा प्रयोग का आरोप लगाया था। जबकि इस संबन्ध में लाभुकों ने हरिहरगंज थाना में लिखित शिकायत भी की थी।इस दौरान शुक्रवार को दर्जनाधिक लाभुकों ने प्रखण्ड विकास पदाधिकारी जयप्रकाश नारायण से शिकायत करने पहुंचे थे।परंतु बेलौदार में शिविर आयोजित होने के कारण लाभुकों को बीडीओ से मुलाकात नहीं हो सकी और निराश लौटना पड़ा।वहीं लाभुकों ने बताया कि अगस्त माह के राशन उठाव करने के लिए डिलर पास गुरुवार को गए थे और उनके साथ मारपीट की गई।लाभुकों ने बताया कि प्रखण्ड कार्यालय से अगर बात नहीं बनती है तो पलामू उपायुक्त से इसकी शिकायत करेंगे।इस दौरान नागेश्वर भुइंया,सीता देवी, मीणा देवी, शोभा देवी, सुंदरी देवी,प्रमिला देवी, देवलक्ष्मी देवी,लालती देवी,केशरी देवी,उषा देवी, विजय भुइंया, सुजीत भुइंया, देवपतिया देवी सहित अन्य कार्डधारियों ने शिकायत करने पहुंचे थे।

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल,हजारीबाग

—:: शुद्धि पत्र ::—

पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, हजारीबाग अन्तर्गत आमंत्रित निविदा (Construction of Sub Divisional Laboratory of Sub-Division No.-02 Hazaribag at Barkagaon Block) P.R. No.:-279359 Drinking Water and Sanitation (20-21)_D को अपरिहार्य कारणवश एतद् द्वारा निम्नरूपेण आंशिक संशोधन किया जाता है—

Sl. No.	Particulars	After Amendment
2	Date of Tender uploading in website	Date:- 12.11.2022 at 11.00 AM
3	Last date receipt of Bid	Date:- 19.11.2022 upto 05.00 PM
4	Last date submission cost of BOQ and EMD (in hard copy)	Date:- 21.11.2022 upto 03.00 PM in the office of the 1. Executive Engineer, Drinking Water & Sanitation Division, Hazaribag 2. Superintending Engineer, Drinking Water & Sanitation Circle, Hazaribag
5	Date of opening tender	Date:- 22.11.2022 at 04.30 PM

शेष सभी शर्तें यथावत रहेंगे।
कार्यपालक अभियन्ता
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, हजारीबाग

PR 282047 Drinking Water and Sanitation(22-23).D

Office of Executive Engineer
Drinking Water & Sanitation Division, Hazaribag
Very Short Tender e- Procurement Notice
(1st Call)

Tender reference:- DWSD/HZB/DMFT_BACHAI/09/2022-23 (1st Call) Date :- 10.11.2022

Sl. No	Particulars	Details			
		Estimated Cost (in Lakhs)	E. M. Required (in Lakhs)	Cost of BOQ (in rupees)	Time of Completion
1	Construction of 8000Litre Capacity R.C.C. Water Tank (2.1x2.1x2.1m Internal size) with 8 M staging having Utility Room at Ground Level with 2.0 HP DC Solar motor pump complete set near Bachhi Model School, Panchayat - Bachhi, Block - Chouparan in Hazaribagh District on 125mm x 115mm x 90.0m DT/ GPT having potential to supply water 2000 LPH maximum at least 15/30 years for 24 x 7 supply under D.W.& S. Division Hazaribagh for the year 2022 -23 on "TURN KEY BASIS"	12,16,161/-	25,000/-	2,500/-	06 Months
2	Date of Tender uploading in website	Date:- 14.11.2022 up to 02:00 PM			
3	Last date receipt of Bid	Date:- 23.11.2022 upto 05.00 PM			
4	Last date submission cost of BOQ and EMD (in hard copy)	Date:- 24.11.2022 upto 03.00 PM in the office of the 1. Executive Engineer, Drinking Water & Sanitation Division, Hazaribag 2. Superintending Engineer, Drinking Water & Sanitation Circle, Hazaribag			
5	Date of opening tender	Date:- 25.11.2022 at 11.00 AM			
6	Name and address of office inviting tender	Executive Engineer, Drinking Water & Sanitation Division, Hazaribag			
7	Name and address of tender opening officer	Executive Engineer, Drinking Water & Sanitation Division, Hazaribag			
8	Contact no of e-procurement office	06546-262291; 06546-270154			
9	Helpline No. of e-procurement cell	0651-2480345			

Executive Engineer
D.W. & S. Division, Hazaribag

PR 282041 Drinking Water and Sanitation(22-23)D

स्पोर्ट्स

भारत के टी 20 विश्व कप से बाहर होने पर निराश कोहली ने कहा–हम मजबूत वापसी करेंगे

आप केवल उनसे उम्मीद करते हैं जो अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं : गंभीर

नई दिल्ली। भारत गुरुवार को एडिलेड में दूसरे सेमीफाइनल में इंग्लैंड से 10 विकेट से शर्मनाक हार के बाद टी20 विश्व कप से बाहर हो गया। भारत अब 2007 में अपने उद्घाटन संस्करण के बाद से टी 20 विश्व कप जीतने में विफल रहा है, जहां उन्होंने पाकिस्तान को हराकर दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में खिताब जीता था। इंग्लैंड से भारत की हार के बाद पूर्व भारतीय बल्लेबाज गौतम गंभीर ने टीम के रवैये पर तंज कसा है। गंभीर ने ट्वीट किया, ₹आप केवल उनसे उम्मीद करते हैं जो अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं! चिन अप ब्वायज। भारत और इंग्लैंड के बीच खेले गए सेमीफाइनल मैच की बात करें तो इस मैच में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। हार्दिक पांड्या (63) और विराट कोहली (50) के अर्धशतकीय पारियों की बदौलत भारत ने 20 ओवरों में 6 विकेट पर 168 रन बनाए। हालांकि,भारतीय गेंदबाजों ने निराश किया और इंग्लैंड ने 16 ओवर में बिना किसी नुकसान के लक्ष्य हासिल किया और 10 विकेट से जीत हासिल की।

सानिया मिर्जा और शोएब मलिक का हुआ तलाक!

पाकिस्तानी एक्ट्रेस बनी वजह

नई दिल्ली। भारतीय टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा और पाकिस्तानी क्रिकेटर शोएब मलिक इन दिनों चर्चा में हैं. पहले खबर आ रही थी कि सानिया और शोएब के रिश्ते में दरार आ गयी है. लेकिन अब खबरें आ रही हैं कि दोनों का तलाक हो चुका है. रिपोर्ट्स में बताया गया है कि सानिया और शोएब कुछ समय से अलग-अलग रह रहे हैं. पाकिस्तान की कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि सानिया ने शोएब को कई बार धोखा देते हुए पकड़ा है. इसलिए सानिया मिर्जा ने पाकिस्तान के पूर्व कप्तान से अलग होने का फैसला लिया. हालांकि सानिया मिर्जा और शोएब मलिक ने अभी तक इसको लेकर ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की है. शोएब और सानिया की शादी 2010 में हुई थी. दोनों का एक बेटा भी है. शादी के 12 साल बाद इन दोनों का रिश्ता टूट गया. सानिया मिर्जा के इंस्टाग्राम पोस्ट के बाद यह अटकलें लगायी जा रही थी. सानिया मिर्जा ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट किया है. जिसमें टेनिस स्टार और उनका बेटा इजहान है.

जेलगोड़ा जंगल में मिला सेवानिवृत्त बीसीसीएल कर्मी का शव, जांच शुरू

जोड़ापोखर (आजाद सिपाही)। जोड़ापोखर थाना क्षेत्र के जेलगोड़ा 16 नंबर के निवासी सह सेवानिवृत बीसीसीएल कर्मी का शव शुक्रवार की सुबह उसके घर के समीप स्थित जंगल से बरामद हुआ। मृतक की पहचान मो लुकमान (60) के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों द्वारा इसकी सूचना पुलिस को दी गई। वहीं, मृतक के बेटे शोएब आलम ने बताया कि पिता की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। वह विगत छह नवंबर से गायब थे। काफी खोजबिन के बाद सात नवंबर को जोरापोखर थाना में गुमसुदगी का सनहा दर्ज कराया था। लेकिन पिता का पता नहीं चल सका। शुक्रवार की सुबह कुछ बच्चे पड़ोस के झाड़ीनुमा जंगल तरफ गए तो उन्होंने जंगल में शव होने की बात कही। इसके बाद वहां पहुंचे लोगों ने शव की पहचान की और हमें सूचना दी। बाद में पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद मिट्टी मंजिल के लिए परिजनों को शव सौंप दिया।

बिहार व झारखंड के थानों में अपहरण व रंगदारी के कई मामले हैं दर्ज

बिहार के तीन कुख्यात अपराधियों को देवघर पुलिस ने मैथन से दबोचा

गिरोह में शामिल हैं 14-15 अपराधी, अमीर लोगों को बनाते थे निशाना

आजाद सिपाही संवाददाता

- बिहार से भागकर बंगाल में लेने जा रहे थे शरण
- गुप्त सूचना पर मैथन व गल्फरबाड़ी पुलिस की मदद से देवघर पुलिस ने टोल प्लाजा के पास से पकड़ा
- अपराधियों पर बिहार से ही रखी जा रही थी नजर

चिरकुंडा। देवघर पुलिस ने मैथन एवं गल्फरबाड़ी पुलिस के सहयोग से शुक्रवार को मैथन टोल प्लाजा के समीप लग्जरी चार पहिया वाहन में सवार तीन कुख्यात अपराधियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। गिरफ्तार आरोपितों में गिरोह का सरगना बाबा परिहस्त, राहुल मिश्रा उर्फ बिट्टू और अंकित झा उर्फ ब्रूसली शामिल है। तीनों थार(जिप्सी) से बिहार से निकल कर बंगाल जा रहे थे। जानकारी के मुताबिक देवघर एसपी सुभाष जाट को मिली गुप्त सूचना के आधार पर टाउन थाना प्रभारी रतन कुमार सिंह के नेतृत्व में टीम ने मैथन टोल नाका के पास से तीनों को पकड़ा है। हालांकि, अपराधियों की गिरफ्तारी में सबसे बड़ी भूमिका मैथन थाना प्रभारी की है, जो सूचना मिलने के बाद से लगातार टोल नाका पर एक-एक गाड़ियों की जांच कर रहे थे। बताया गया कि देवघर पुलिस इन अपराधियों पर बिहार से ही नजर रखते हुए पीछा करती आ रही थी। तीनों अपराधियों पर अपहरण, रंगदारी व फिरौती के दर्जनों मामले बिहार, झारखंड व अन्य राज्यों के पुलिस थानों में दर्ज हैं। गिरफ्तार अपराधियों में से एक जिला बदर भी है। इस संदर्भ में मैथन ओपी प्रभारी बालाजी राजहंस ने बताया कि देवघर टाउन थाना के इंस्पेक्टर द्वारा दिये गए लिखित जानकारी के अनुसार इस गिरोह में 14 से 15 लोग शामिल हैं जिनका मुख्य पेशा बड़े-बड़े पूंजीपतियों, बड़ी कंपनी के मालिकों सहित अन्य रईसों को धमकी देकर रंगदारी वसूलना और पैसे नहीं देने पर अपहरण कर लेना और उसके बाद फिरौती वसूलना है।

अपराधियों को साथ ले गयी देवघर पुलिस

पुलिस ने बताया कि गिरोह का संचालन बिहार से किया जा रहा है। इन तीनों की गिरफ्तारी देवघर के टाउन थाना क्षेत्र में घटीत घटना में की गई है। वहीं, वाहन की तलाशी लिए जाने पर कोई आपत्तिजनक सामान भी बरामद नहीं हुआ है। उधर, खबर है कि गिरफ्तार अपराधियों को देवघर पुलिस अपने साथ लेकर चली गयी। इस अभियान में मैथन ओपी प्रभारी के अलावे मैथन पुलिस के जेएसआई विनय महतों, गल्फरबाड़ी ओपी प्रभारी संजय उरांव और जेएसआई संजय प्रसाद आदि शामिल थे।

1932 आधारित स्थानीय नीति व 27 फीसदी आरक्षण बिल पारित होने की खुशी में झामुमो ने मनाया जश्न, बांटे लड्डू

बोकारो (आजाद सिपाही)। विधानसभा में 1932 आधारित स्थानीय नीति एवं 27 फीसदी आरक्षण बिल पारित होने की खुशी में शुक्रवार को झामुमो बोकारो जिला समिति की ओर से बिरसा चौक में कार्यकर्ताओं ने अबीर-गुलाल उड़ा कर जश्न मनाया। लोगों के बीच लड्डू बांटें। पूरा चौक मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जिंदाबाद के नारों से गूंज उठा। जुलूस में जिला अध्यक्ष हीरालाल मांझी ने कहा कि मुखमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड के लोगों को हक और अधिकार दिया। उन्होंने 11 नवंबर 2022 ऐतिहासिक क्षण बन गया। उन्होंने कहा कि गुरुजी ने राज्य इसी मकसद के साथ अलग किया था और उनके पुत्र ने अधिकार दिला दिया। इसलिए हेमंत है तो मुमकिन है। उन्होंने सरकार व सभी विधायकों को धन्यवाद व आभार व्यक्त किया। इस मौके पर जयनारायण महतो, मंटू यादव, अशोक मुर्मू, विश्वनाथ महतो, हासन अंसारी, घुनु हांसदा, मोहन मुर्मू, विजय रजवार, कलाम अंसारी, सृष्टि देवी, शांति सोरेन, कन्हैया सिंह, आलोक सिंह, दीनू पांडे, भगीरथ शर्मा, मुक्तेश्वर महतो, मुटुक लाल किस्कू, अभिमन्यु मांझी, संजय रजवार, प्रदीप सोरेन, फैयाज अंसारी, फिरदोश अंसारी, अख्तर अंसारी, सौरभ भट्ट और मदन मोहन महतो आदि उपस्थित थे।

जिप सदस्य आकाशलाल सिंह और मुखिया अनारकली ने किया पीसीसी पथ का शिलान्यास

तेनुघाट (आजाद सिपाही)। साड़म पूर्वी पंचायत अंतर्गत उपाध्याय टोला में शुक्रवार को जिप सदस्य आकाशलाल सिंह और मुखिया अनारकली ने संयुक्त रूप से 500 फिट पीसीसी पथ निर्माण का शिलान्यास किया। मुखिया अनारकली ने कहा कि सफरूदीन अंसारी के घर से लेकर कमरूल होदा के घर तक बनने वाले पीसीसी पथ का निर्माण लगभग पांक लाख रुपये की लागत से 15वें वित्त आयोग की मद से कराया जाएगा। ग्रामीण यहां सड़क बनाने की मांग कई सालों से कर रहे थे। अब सड़क का शिलान्यास होने के बाद लोगों को लग रहा है कि उनकी समस्याओं का समाधान जल्द ही हो सकेगा। वहीं, जिप सदस्य आकाशलाल सिंह ने कहा कि निर्वाचित होने के बाद यह मेरा पहला शिलान्यास है, और इसका सारा श्रेय यहां के स्थानीय मुखिया अनारकली को जाता है। उन्होंने कहा कि सभी जगहों पर प्राथमिकता के आधार पर विकास कार्य कराए जायेंगे। लोगों को भी इसमें सहयोग करने की जरूरत है। वहीं, ग्रामीणों ने जिप सदस्य और मुखिया अनारकली को सड़क निर्माण कार्य के शिलान्यास करने के लिए धन्यवाद दिया। इस मौके पर असनुल इस्लाम, रामकिशुन रविदास, बबलू वारसी, वारिस आलम, सदर अयूब अंसारी, पूर्व सदर शाकिर हुसैन, मो सफी आलम, इमामुद्दीन अंसारी, मो हसमत रजा, लखेंद्र सिंह, उस्मान अंसारी, इबरार हुसैन, मो इब्राहिम अंसारी, सगीर अंसारी आदि मौजूद थे।

मैथन पुलिस ने फिर पकड़ा प्रतिबंधित गुटखा लदा वाहन, चालक व सह चालक हिरासत में

चिरकुंडा (आजाद सिपाही)। मैथन पुलिस ने गुरुवार की देर रात टोल प्लाजा के समीप वाहन जांच के क्रम में पिकअप वाहन को जब्त किया। साथ ही उसके चालक एवं सहचालक को हिरासत में ले लिया। उक्त वाहन में प्रतिबंधित कमला पसंद गुटखा लदा था, जिसकी कीमत चार से पांच लाख रुपये बताई जा रही है। वाहन पर लदे गुटखा से संबंधित किसी प्रकार का कोई कागजात नहीं मिला। उक्त वाहन को आसनसोल से धनबाद ले जाया जा रहा था। पुलिस ने वाहन के कागजात जांच के लिए वाणिज्यकर विभाग के चिरकुंडा अंचल को सौंप दिया है।

वन प्रमंडल विभाग की टीम ने अवैध बालू खनन करते ट्रैक्टर को किया जब्त

कतरास (आजाद सिपाही)। बाघमारा थाना क्षेत्र के खानुडीह जमुनिया नदी के किनारे वनरोपन क्षेत्र से अवैध रूप से बालू खनन एंव निष्कासन करने के आरोप में शुक्रवार को वन प्रमंडल विभाग की टीम ने बालू लदे एक ट्रैक्टर को पकड़ कर बाघमारा पुलिस को सौंप दिया। तोपचांची वन प्रमंडल के वनपाल यादव प्रजापति ने बताया कि वनरोपन क्षेत्र से बालू का उठाव कर निष्कासन करने के कारण वहां लगाये गये पौधों के जड़ से बालू हट जा रहे हैं, जिससे पेड़-पैधे गिर रहे हैं। इससे राजस्व की हानि होने के साथ ही पर्यावरण को भी नुकसान हो रहा है। इस संबंध में वनपाल ने खानुडीह ट्रैक्टर मालिक लाल महतो के खिलाफ बाघमारा थाना में मामला दर्ज कराया है। वहीं, छापामारी दल में वनपाल मोहन नायक, वनरक्षक पंचम रजक, विनोद रवानी, होने कुमार मंडल, कोकिल महतो, ओमप्रकाश, जगदीश एवं विपिन कुमार शामिल थे।

अब गरीब रथ ट्रेन की तरह बने स्कूल में पढेंगें जूनौरी मध्य विद्यालय के बच्चे

शिक्षक भीम महतो स्कूल को ट्रेन के बोगी में किया परिवर्तित

आजाद सिपाही संवाददाता

चंद्रपुरा/बेरमो। चंद्रपुरा प्रखंड क्षेत्र के जूनौरी स्थित मध्य विद्यालय के बच्चे अब गरीब रथ ट्रेन की तरह बने स्कूल में बैठ कर पढ़ाई करेंगे। इसके लिए विद्यालय के शिक्षक भीम महतो ने एक अनोखी पहल शुरू की है। इस सरकारी स्कूल के जर्जर भवन को अपने निजी मद से ट्रेन का रूप दिया है, जो पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। लोग शिक्षक द्वारा इस अनोखी पहल की सराहना कर रहे हैं। उक्त स्कूल में लंच रूम से लेकर खेल कूद के लिए भी कमरा बना हुआ है, जो बच्चों को बहुत आकर्षित कर रहे हैं। इस नए कलाकृति स्कूल का विधिवत उद्घाटन प्रधानाचार्य प्रदीप रजक और शिक्षक भीम महतो ने किया। उसके बाद बच्चों को कक्षा में प्रवेश कराया गया। प्रधानाचार्य प्रदीप रजक ने कहा कि शिक्षक भीम महतो हमेशा अनोखा प्रयोग करते रहते है। इस तरह के प्रयोग से बच्चे में जागरूक होते है।

कोरोना काल में लाउडस्पीकर के जरिए बच्चों को पढ़ाया

प्रधानाचार्य ने बताया कि कोरोना काल में भी बच्चों को अनोखे तरीका से पढ़ाया था। उस समय उन्होंने जूनौरी के गिरी टोला स्थित शिव मंदिर परिसर में लगे लाउडस्पीकर के सहारे बच्चों को पढ़ाया था। इसके लिए राज्य से लेकर जिला प्रशासन ने भी सराहना की थी।

बच्चों में पढ़ाई की रुचि बढ़ाने का किया प्रयास: भीम महतो

वहीं, शिक्षक भीम महतो ने कहा कि सरकारी स्कूलों के प्रति बच्चों को आकर्षित करने और शिक्षा को मनोरंजक बनाने के लिए एक अनोखा प्रयोग किया गया है। इससे बच्चे और अधिक मन लगाकर खेलते हुए पढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि इससे पहले भी घटियारी पंचायत स्थित मंगलडाड़ी गांव में बसे मल्हार परिवार के बच्चों को खुले आसमान के नीचे पढ़ाया था।

बेरमो प्रखंड के राजकीय मध्य विद्यालय भी ट्रेन के डिब्बे में हुआ था प्रवर्तित

बेरमो प्रखंड के ढोरी स्टाफ क्वार्टर स्थित राजकीय मध्य विद्यालय में भी क्लास रूम को रंग कर ट्रेन की बोगी में प्रवर्तित किया गया है। बाहर गेट और बिल्डिंग पर खूबसूरत कलर फूल पेंसिल और अन्य तरह की मनमोहक कलाकृतियां बनाई गई है। जबकि क्लास के कमरे ट्रेन के बोगी के प्रवर्तित कर दिया गया है। ग्राउंड फ्लोर के क्लास जनरल डब्बे की कलर में से रंगा गया है, जबकि पहली मंजिल के क्लास के रूम एक्सप्रेस ट्रेन के रंग में प्रवर्तित किया गया है। क्लासरूम के अंदर भी ज्ञान वर्धक पेंटिंग की गई है। यह कार्य बेरमो विधायक अनूप सिंह के पहल पर बाला आर्ट के तहत हुआ है। इसमें बोकारो के डीसी कुलदीप चौधरी और डीडीसी कीर्तीश्री का सराहनीय योगदान रहा।

इस्ट भगतडीह मारपीट मामले में एसएसपी से मिला भाजपा का प्रतिनिधिमंडल

झरिया पुलिस की शिथिलता से विधायक समर्थक कर रहे गुंडागर्दी: रागिनी सिंह

आजाद सिपाही संवाददाता

झरिया। इस्ट भगतडीह में विगत दिनों हुए मारपीट एवं महिलाओं-युवतियों से छेड़छाड़ के मामले में शुक्रवार को भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रागिनी सिंह के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल धनबाद एसएसपी संजीव कुमार से उनके कार्यालय में मुलाकात किया। इस दौरान पीड़ित परिवार के लोग भी उपस्थित रहे। भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने एसएसपी को बताया कि झरिया में पुलिस की अनदेखी के कारण विधायक समर्थकों द्वारा आए दिन गुंडई एवं छेड़खानी की जाती है। बावजूद इसके पुलिस सत्ता के प्रभाव के चलते चुप्पी साधे रहती है। यही नहीं, उल्टे भुक्तभोगियों पर ही कार्रवाई की जा रही है। आरोप लगाया कि पीड़ितों द्वारा लगातार फोन करने के बावजूद पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। ना ही घटनास्थल पर पहुंची। उल्टा उनलोगों पर ही मामला दर्ज कर दिया। वहीं, भाजपा नेत्री रागिनी सिंह ने कहा कि ऐसे ही भ्रष्ट पदाधिकारियों की वजह से प्रशासन के उच्च अधिकारियों की बदनामी होती है। कहा कि धनबाद के एसएसपी संजीव कुमार ने भरोसा दिलाते हुए कहा है कि चाहे वह किसी का भी आदमी हो कानून सबके लिए एक है। इस मामले में जो भी न्याय संगत होगा उस पर कार्यवाही की जाएगी। प्रशासनिक अधिकारियों को जल्द से जल्द निष्पक्ष जांच करते हुए उचित कार्रवाई का निर्देश दिया है। इस मौके पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष संजय झा, मानस प्रसून, भाजयुमो जिलाध्यक्ष अमलेश सिंह, जयंत चौधरी, संतोष शर्मा, दिलीप भारती, अखिलेश सिंह आदि उपस्थित थे।

महिलाओं और बच्चों ने एसएसपी को सुनाई रघुकुल समर्थकों की करतूतें

प्रतिनिधिमंडल के साथ उपस्थित कई स्थानीय महिलाए-पुरुष एवं बच्चों ने एसएसपी को उनके साथ रघुकुल समर्थकों द्वारा किए गए मारपीट और छेड़छाड़ की बात बताई। इस पर धनबाद एसएसपी ने मामले को गंभीरता पर संज्ञान लेते हुए कार्रवाई करने की बात कही। उन्होंने बताया कि जनता के हित के लिए 100 नंबर डायल करने के बावजूद अगर किसी भी थाने के थानेदार या अधिकारियों द्वारा कार्रवाई नहीं की जाती है तो उस थानेदार एवं प्रशासनिक अधिकारियों पर भी कार्रवाई की जाएगी।

बीएसएल में मनाया गया विश्व गुणवत्ता दिवस

बोकारो (आजाद सिपाही)। इस्पात संयंत्र में शुक्रवार को विश्व गुणवत्ता दिवस दिवस मनाया गया। इस्पात भवन परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम में बीएसएल के निदेशक प्रभारी अमरेंदु प्रकाश ने गुणवत्ता ध्वज फहराया और उपस्थित समूह को गुणवत्ता शपथ दिलाई। इस कार्यक्रम में अधिशासी निदेशक (संकार्य) बीके तिवारी, अधिशासी निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन) संजय कुमार, अधिशासी निदेशक (परियोजनाएं) चितरंजन महापात्रा, अधिशासी निदेशक (झारखंड ग्रुप ऑफ माइंस) जे दास गुप्ता, चीफ मेडिकल ऑफिसर प्रभारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ बीबी करुणामय आदि उपस्थित थे।

Office of Executive Engineer
Drinking Water & Sanitation Division, Hazaribag

Very Short Tender e- Procurement Notice
(1st Call)

Tender reference:- DWSD/HZB/UNTIED/10/2022-23 (1st Call) Date :- 10.11.2022

Sl. No	Particulars	Details			
		Estimated Cost (in Lakhs)	E. M. Required (in Lakhs)	Cost of BOQ (in rupees)	Time of Completion
1	Construction of 200 x 150 mm dia x 190 Mtr. deep HYDT with installation of IM-II hand pump under Untied Fund in DIFFERENT places under D.W.& S. Division in the District of Hazaribagh for the Year 2022-23	13,76,590/-	28,000/-	2,500/-	03 Months
2	Date of Tender uploading in website	Date:- 14.11.2022 up to 02:00 PM			
3	Last date receipt of Bid	Date:- 23.11.2022 upto 05.00 PM			
4	Last date submission cost of BOQ and EMD (in hard copy)	Date:- 24.11.2022 upto 03.00 PM in the office of the 1. Executive Engineer, Drinking Water & Sanitation Division, Hazaribag 2. Superintending Engineer, Drinking Water & Sanitation Circle, Hazaribag			
5	Date of opening tender	Date:- 25.11.2022 at 11.00 AM			
6	Name and address of office inviting tender	Executive Engineer, Drinking Water & Sanitation Division, Hazaribag			
7	Name and address of tender opening officer	Executive Engineer, Drinking Water & Sanitation Division, Hazaribag			
8	Contact no of e-procurement office	06546-262291; 06546-270154			
9	Helpline No. of e-procurement cell	0651-2480345			

Executive Engineer
D.W. & S. Division,Hazaribag

PR 282049 Drinking Water and Sanitation(22-23).D

झारखण्ड सरकार गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग
झारखण्ड आन्दोलनकारी चिन्हितीकरण आयोग।

40वीं औपबंधिक सूची
जिला :–रामगढ़

क्र0	आवेदनकर्त्ता की विवरणी	काण्ड/वाद संख्या	झारखण्ड आन्दोलन के सेनानी पुस्तक में नाम अंकित है अथवा नही	आन्दोलनकारी होने का संक्षिप्त कारण	गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग, झारखण्ड, रांची के संकल्प संख्या–1936, दिनांक–20.04.2021 के आलोक में प्रदत्त कंडिका
1.	1. आवेदन क्र0–590 2. आवेदक का नाम–मोहन किस्कु 3. पिता का नाम–स्व0 छोटका मांझी 4. ग्राम–चिराटोगरी 5. पो0–घाटोटांड़ 6. थाना–माण्डू 7. प्रखण्ड–माण्डू 8. लिंग–पुरूष 9. पहचान चिन्ह–अंकित नही। 10. आयु– 49 वर्ष	अनु0 दण्डा0 रामगढ़ वाद संख्या–366/93	नहीं	कारण :– दिनांक–22.09.1993 को झारखण्ड बंद की तिथि को विधि–व्यवस्था भंग करने का आरोप। धारा–107/ 113/109 द0प्र0स0 जेल अवधि :–10 दिन। पार्टी का नाम–अन्य	कंडिका–2(viii) (a)
2.	1. आवेदन क्र0–593 2. आवेदक का नाम–जर्नादन पाठक 3. पिता का नाम–स्व0 अर्जुन पाठक 4. ग्राम–गोला 5. पो0–गोला 6. थाना–गोला 7. प्रखण्ड–गोला 8. लिंग– पुरूष 9. पहचान चिन्ह–दाहिने आंख के भांव में कटे का निशान। 10. आयु–51 वर्ष	अनु0 दण्डा0 रामगढ़ वाद संख्या–363/93	नहीं	कारण :– दिनांक 15.09.1993 को आर्थिक नाकेबंदी के अवसर पर विधि व्यवस्था भंग करने का आरोप। धारा–107/113 द0प्र0स0 जेल अवधि–07 दिन। पार्टी का नाम–अन्य	कंडिका–2(viii) (a)
3.	1. आवेदन क्र0–89 2. आवेदक का नाम–रमन महतो 3. पिता का नाम–केशर महतो 4. ग्राम–पुण्डी 5. पो0–हेसागढ़ 6. थाना–माण्डू 7. प्रखण्ड–माण्डू 8. लिंग– पुरूष 9. पहचान चिन्ह–अंकित नही 10. आयु–41 वर्ष	अनु0 दण्डा0 सदर हजारीबाग वाद संख्या–721/98	नहीं	कारण :– दिनांक–17.12.1998 को झारखण्ड बंद के दौरान विधि–व्यवस्था भंग करने का आरोप। धारा–107, 151 द0प्र0स0 जेल अवधि :–02 दिन। पार्टी का नाम–अन्य	कंडिका–2(viii) (a)
4.	1. आवेदन क्र0–79 2. आवेदक का नाम–कुन्ती देवी (आश्रित पत्नी) 3. पति का नाम–स्व0 प्रेमलाल महतो उर्फ प्रेमचन्द महतो (मूल आन्दोलनकारी) 4. ग्राम–पुण्डी 5. पो0–हेसागढ़ा 6. थाना–माण्डू 7. प्रखण्ड–माण्डू 8. लिंग–महिला 9. पहचान चिन्ह–अंकित नही। 10. आयु–39 वर्ष	अनु0 दण्डा0 सदर हजारीबाग वाद संख्या–721/98	नहीं	कारण :– दिनांक–17.12.1998 को झारखण्ड बंद के दौरान विधि–व्यवस्था भंग करने का आरोप। धारा–107/151 द0प्र0स0 जेल अवधि :–02 दिन। पार्टी का नाम–अन्य	कंडिका–2(viii) (a) (आश्रित पत्नी)
5.	1. आवेदन क्र0–92 2. आवेदक का नाम–करमा मांझी 3. पिता का नाम–लाखो मांझी 4. ग्राम–पुण्डी 5. पो0–हेसागढ़ा 6. थाना–माण्डू 7. प्रखण्ड–माण्डू 8. लिंग–महिला 9. पहचान चिन्ह–अंकित नही। 10. आयु–40 वर्ष	हजारीबाग सदर (मु0) प्राथ0 सं0 494/98 जीआर 236/98	नहीं	कारण:– दिनांक 30.11.1998 को झारखण्ड बंद के दौरान आवागमन बाधित करने का आरोप। धारा– 224 भा0द0वि0 जेल अवधि–01 माह 12 दिन। पार्टी का नाम– :– अन्य	कंडिका–2(viii) (a)
6.	1. आवेदन क्र0–48 2. आवेदक का नाम–पानपती देवी (आश्रित पत्नी) 3. पति का नाम–स्व0 शिकारी मांझी (मूल आन्दोलनकारी) 4. ग्राम–बेहराटांड साण्डी 5. पो0–साण्डी 6. थाना–माण्डू 7. प्रखण्ड–माण्डू 8. लिंग–महिला 9. पहचान चिन्ह–अंकित नही। 10. आयु–57 वर्ष	माण्डू थाना काण्ड सं0–85/93	नहीं	कारण :–दिनांक 20.03.1993 को आर्थिक नाकेबंदी में नाजायज मजमा बनाकर हरवे हथियार से लैश होकर जान मारने की नियत सेट्रक में खलासी ड्राइवर को बंद कर मारपीट कर जख्मी करना तथा आग लगाने का आरोप। धारा– 147/148/307 भा0द0वि0 जेल अवधि–1 माह 2 दिन पार्टी का नाम :–झामुमो	कंडिका–2 (viii)(a) (आश्रित पत्नी)
7.	1. आवेदन क्र0–डायरी संख्या–160 2. आवेदक का नाम–गिरू बैठा उर्फ हीनू बैठा 3. पिता का नाम–रामसहाय बैठा 4. ग्राम–बोंगाबार 5. पो0–भरेचनगर 6. थाना–माण्डू 7. प्रखण्ड–माण्डू 8. लिंग–पुरूष 9. पहचान चिन्ह–अंकित नही। 10. आयु– 47 वर्ष	माण्डू थाना काण्ड सं0–85/93	नहीं	कारण :–दिनांक 20.03.1993 को आर्थिक नाकेबंदी में नाजायज मजमा बनाकर हरवे हथियार से लैश होकर जान मारने की नियत सेट्रक में खलासी ड्राइवर को बंद कर मारपीट कर जख्मी करना तथा आग लगाने का आरोप। धारा– 147/148/307 भा0द0वि0 जेल अवधि–1 माह 2 दिन पार्टी का नाम :–झामुमो	कंडिका–2 (viii)(a)
8.	1. आवेदन क्र0–2942 2. आवेदक का नाम–झुनीबाला देवी (आश्रित पत्नी) 3. पति का नाम–स्व0 अन्तु उर्फ अनंत महतो (मूल आन्दोलनकारी) 4. ग्राम–डीमरा 5. पो0–सोनडीमरा 6. थाना–बरलंगा 7. प्रखण्ड–गोला 8. लिंग–महिला 9. पहचान चिन्ह–अंकित नही। 10. आयु–46 वर्ष	सदर हजारीबाग अनु0 वाद सं0–361/83	नहीं	कारण :– दिनांक 12.05.1983 को झारखण्ड मुक्ति मोर्चा द्वारा आहूत जेल भरो अभियान के दौरान विधि–व्यवस्था भंग करने का आरोप। धारा–107, 113, 151 द0प्र0स0 जेल की अवधि–01 दिन पार्टी का नाम :– झामुमो	कंडिका–2 (viii)(a)
9.	1. आवेदन क्र0–775 2. आवेदक का नाम–गीता विश्वास 3. पति का नाम–समरेन्द्र नाथ विश्वास 4. ग्राम–माण्डूडीह,राधानगर 5. पो0–माण्डू 6. थाना–माण्डू 7. प्रखण्ड–माण्डू 8. लिंग–महिला 9. पहचान चिन्ह–गर्दन के दाहिने ओर तिल का निशान। 10. आयु–55 वर्ष	नहीं	नहीं	कारण :–झारखण्ड आन्दोलन से संबंधित अखबार कतरन के आधार पर। पार्टी का नाम :–झामुमो	कंडिका–2 (ix)
10.	1. आवेदन क्र0–342 2. आवेदक का नाम–चितरंजन सिंह 3. पिता का नाम–विशेश्वर सिंह 4. ग्राम–दुसाध मुहल्ला 5. पो0–रामगढ़ 6. थाना–रामगढ़ 7. प्रखण्ड–रामगढ़ 8. लिंग–पुरूष 9. पहचान चिन्ह–दाहिने हाथ में तिल का निशान। 10. आयु–53 वर्ष	नहीं	नहीं	कारण :–झारखण्ड आन्दोलन से संबंधित अखबार कतरन में नाम के आधार पर। पार्टी का नाम :–झामुमो	कंडिका–2 (ix)
11.	1. आवेदन क्र0–580 2. आवेदक का नाम–अफजल मियां 3. पिता का नाम–हाजी सबुर मियां 4. ग्राम–आरा डुमरबेड़ा मस्जिद के सामने 5. पो0–सारूबेड़ा 6. थाना–माण्डू 7. प्रखण्ड–माण्डू 8. लिंग–पुरूष 9. पहचान चिन्ह–अंकित नही। 10. आयु–69 वर्ष	कुजू ओपी अप्राथ0 सं0–45/98 अनु0 दण्डा0, रामगढ़ वाद सं0–291/98	नहीं	कारण :– संसद के चालू सत्र में झारखण्ड/वनांचल बिल नहीं पारित करने के संदर्भ में दि. 16.12.1998 से 19.12.1998 तक सभी कार्यालयों, बैंक, पोस्ट ऑफिस एवं अन्य प्रतिष्ठानों का कार्य बन्द करने का आह्वान करने का आरोप। धारा–107/116(iii) द.प्र.स. पार्टी का नाम :– वाम जनवादी/झा0 राज्य एकता मंच	कंडिका–2 (ix)
12.	1. आवेदन क्र0–607 2. आवेदक का नाम–लखेन्द्र राय 3. पिता का नाम–स्व0 केवल राय 4. ग्राम–जवाहर नगर 5. पो0–भुरकुण्डा बाजार 6. थाना–ओ0पी0 भुरकण्डा 7. प्रखण्ड–पतरातु 8. लिंग–पुरूष 9. पहचान चिन्ह–दाहिने पैर में घुटना के नीचे जले का निशान 10. आयु– 68 वर्ष	नहीं	नहीं	कारण :– झारखण्ड आन्दोलन से संबंधित अखबार कतरन में नाम के आधार पर पार्टी का नाम– अन्य	कंडिका–2 (ix)

नोट :– 1. सूची में किसी भी प्रकार की त्रुटि यथा नाम, पिता का नाम, पूरा पता, लिंग, आयु, पहचान चिह्न, केस/वाद सं0, झा0 आंदोलन के सेनानी पुस्तिका, कारण, जेल अवधि आदि में पाये जाने पर दस (10) दिनों के अन्दर आयोग को आपत्ति कर सकते हैं और यदि जेल गये हैं तो उसका प्रमाण पत्र/आश्रित होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र उपलब्ध करावें।
2. जिन आवेदकों का चिन्हितीकरण अखबार कतरन/बैठक पंजी/सदस्यता प्रमाण पत्र के आधार पर किया गया है, वे सम्पुष्टिकरण से पूर्व उक्त कागजात को सक्षम पदाधिकारी से अभिप्रमाणित कर, इसमें नाम होने के आशय का शपथ पत्र अवश्य रूप से उपलब्ध करावें।

चिन्हित/जाँच करने वाले पदाधिकारियों/कर्मियों का हस्ताक्षर।
(क्षेत्र क0 तामांग)
उपरोक्त का टंकण एवं मिलान मेरे द्वारा किया गया है।

(भुवनेश्वर महतो) सदस्य | (नरसिंह मुर्मू) सदस्य | (दुर्गा उराँव) अध्यक्ष

PR 281983 Home(22-23)D

500 से अधिक परिवारों के घर का सपना पूरा करेगा जेएसपी फाउंडेशन

प्रोजेक्ट आशियाना शुरू

आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों का सहयोग करना हमारी प्राथमिकता : शालू जिंदल

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। नयी दिल्ली आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध उद्योगपति नवीन जिन्दल के नेतृत्व वाली कंपनी जिन्दल स्टील एंड पावर (जेएसपी) के सीएसआर दायित्वों का निर्वहन कर रहे जेएसपी फाउंडेशन ने 500 से अधिक परिवारों के अपने घर का सपना पूरा करने का संकल्प लिया है। इसके लिए प्रोजेक्ट आशियाना शुरू किया गया है, जिसके पहले चरण में 529 परिवारों को छत मुहैया करायी जायेगी।

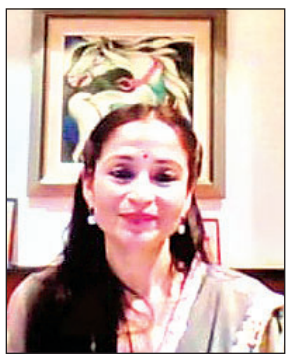

ओडिशा के अंगुल, बड़बिल, टेंसा, भुबनेश्वर, छत्तीसगढ़ के रायगढ़ और नयी दिल्ली में आयोजित एक हाइब्रिड कार्यक्रम में परियोजना का शुभारंभ करते हुए जेएसपी फाउंडेशन की चेयरपर्सन शालू जिन्दल ने कहा कि अपना घर हर परिवार का सपना होता है। लेकिन आर्थिक परेशानियों के कारण बड़ी संख्या में लोगों के पास अपना घर नहीं है। लोगों के इस दुख को समझते हुए जेएसपी फाउंडेशन प्रोजेक्ट आशियाना के माध्यम से उनका सहयोग करने के लिए आगे आया है, ताकि उनके जीवन में गुणात्मक सुधार आये।

प्रोजेक्ट आशियाना के तहत 13 राज्यों के कुल 529 परिवारों को वित्तीय सहायता के लिए चुना गया है। कार्यक्रम के दौरान उन्हें वित्तीय अनुदान के लिए पुष्टि-पत्र प्रदान किये गये हैं। इस परियोजना के अंतर्गत चयनित परिवारों को फाउंडेशन के मूल्यांकन के आधार पर घर के निर्माण और शौचालय, पेयजल एवं विद्युतीकरण जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए ढाई लाख रुपये प्रदान किये जायेंगे।

जनाक्रोश रैली की तैयारी को लेकर लक्ष्मण प्रसाद सिंह ने किया जनसंपर्क

आजाद सिपाही संवाददाता

राजधनवार। धनवार प्रखंड कार्यालय में 14 नवंबर को आहूत भाजपा के जनाक्रोश रैली की तैयारी को लेकर भाजपा के वरिष्ठ नेता पूर्व आइजी लक्ष्मण प्रसाद सिंह ने शुक्रवार को प्रखंड के कई गांव में जनसंपर्क दौरा किया। इस क्रम में ग्रामीणों को हेमंत सरकार की विफलताओं पर विस्तार से चर्चा की गयी। बताया गया कि इस सरकार में लूट, भरष्टाचार एवं अपराध बढ़ गया है। सरकार और इसके तंत्र

इसे रोकने में पूरी तरह विफल रही है। गरीबों में बटने वाले पीडीएस के अनाज की लगातार काला बाजारी हो रही है, देखने वाला कोई नहीं है। कोई भी सरकारी काम बगैर चढ़ावा का नही होता है, जिससे जनता में आक्रोश व्याप्त है। श्री सिंह ने केंद्र की मोदी सरकार द्वारा जनहित में किये जा रहे कार्यों और केंद्र की उपलब्धियों की भी चर्चा की। लोगों से बड़ी संख्या में रैली में भागीदारी का आह्वान भी किया गया। बाद में पार्टी कार्यालय बरजो में कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर तैयारी की समीक्षा की गयी तथा उन्हें निर्देशित भी किया गया। बैठक में उदय सिंह, नकुल राय, अशोक राय, युवा नेता उपेंद्र सिंह, पवन सिंह, श्रीकांत राय, सुबोध राय, वीरेंद्र राम, सोभा महतो, बसंत वर्मा, श्याम सिंह और सोहन यादव आदि ने भाग लिया।

आंगनबाडी केंद्र में बच्चों के लिए खाना बनाते समय फटा गैस सिलेंडर

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। कटक जिले के महंगा प्रखंड के ललितगिरि आंगनबाडी-2 केंद्र की घटना. आंगनबाडी केंद्र में गैस सिलेंडर फटा विस्फोट में काफी सारा फर्नीचर आसबापत्र जल गया। बच्चे के लिए खाना बनाते समय ये दुर्घटना घटी। मौके पर पहुंची फायर बिग्रेड और पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक शुक्रवार को आंगनबाडी केंद्र में बच्चों के लिए खाना बनाने का काम चल रहा था। इसी दौरान अचानक गैस सिलेंडर फट गया। नतीजतन आंगनबाड़ी केंद्र में आग लग गयी। आग को विकराल होते देख आंगनबाडी दीदी और सहायिका ने फौरन बच्चों को बाहर निकाला। कुछ समय पश्चात जोर से विस्फोट हुआ। इस विस्फोट से रसोई घरके एजेबेस्ट, कक्षा के सारे सामाना, कुछ फर्नीचर, किताबें और कागज जलकर राख हो गये हैं।

मौके पर पहुंची दमकल की गाड़ी ने आग पर काबू पाया और स्थानीय वीडियो ने घटना स्थल पर पहुंच कर स्थिति का जायजा लिया।

नवीन पटनायक ने दिया सरकारी उच्च विद्यालय के 7540 शिक्षकों की भर्ती शुरू करने का आदेश

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने प्रदेश के विभिन्न सरकारी उच्च विद्यालयों में शिक्षकों के रिक्त पदों को भरने के निर्देश दिये हैं। मुख्यमंत्री के निदेर्शानुसार ओडिशा कर्मचारी चयन आयोग से 7540 हाई स्कूलों के लिए भर्ती प्रक्रिया जल्द से जल्द शुरू करने का अनुरोध किया गया है। इन पदों के भरे जाने के बाद प्रदेश के सभी 4848 सरकारी उच्च विद्यालयों में शिक्षक के सभी पदों को भरा जा सकता है। टीजीटी (कला), टीजीटी (पीसीएम और सीबीजेड), संस्कृत, हिंदी, उर्दू, तेलुगु और

शारीरिक शिक्षा के पदों को भरने के लिए चयन प्रक्रिया शुरू की जायेगी।

हालांकि वर्ष 2021-22 में आयोजित दो चयन प्रक्रियाओं में विभिन्न सरकारी स्कूलों में 13 हजार से अधिक शिक्षक पद भरकर नियुक्त किये गये। गौरतलब है कि राज्य सरकार की 5 टी पहलों के तहत जहां राज्य के विभिन्न कार्यक्रमों में सुधार की प्रक्रिया जारी है, वहीं स्कूल सुधार कार्यक्रम पर जोर देते हुए बच्चों के लिए आधुनिक शिक्षा प्रणाली बनायी गयी है। कंप्यूटर, इंटरनेट से लेकर ई-लाइब्रेरी, उन्नत खेल उपकरण और खेल के मैदान और अन्य सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। 5 टी भर्ती कार्यक्रम को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। विभिन्न विभागों में रिक्त पदों को पूरी पारदर्शिता के साथ तेजी से भरा जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों में विभिन्न विभागों में हजारों पद भरे गये हैं और यह भर्ती प्रक्रिया जारी रहेगी।

पद्मपुर उपचुनाव : बीजेपी उम्मीदवार प्रदीप पुरोहित 14 को करेंगे नामांकन

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। पद्मपुर उपचुनाव के लिए बीजेपी ने उम्मीदवार की घोषणा की। बीजेपी के वरिष्ठ नेता प्रदीप पुरोहित बीजेपी के उम्मीदवार बने। प्रदीप पुरोहित अगले 14 तारीख को नामांकन करेंगे। यह जानकारी बीजेपी नेता कुसुम टेटे ने दी। पद्मपुर में बीजेडी विधायक के निधन के बाद यह सीट खाली है। पांच दिसंबर को पद्मपुर में उप चुनाव होगा। इस संबंध में 10 नवंबर को वैधानिक रूप से विज्ञप्ति जारी की गयी, जबकि नामांकन पत्रों का जांच 18

नवंबर को होगा। नामांकन पत्र वापस लेने की अंतिम तिथि 21 नवंबर है। 21 नवंबर को अंतिम उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की जायेगी। हालांकि बीजेपी ने पहली पार्टी के तौर पर पद्मपुर उपचुनाव के लिए अपने उम्मीदवार के नाम का ऐलान कर दिया है. वहीं सत्ताधारी बीजेडी और कांग्रेस अपने उम्मीदवारों के नाम का ऐलान करने के लिए रणनीति बना रही है. हाल ही में संपन्न हुए धामनगर उपचुनाव में बीजेपी की जीत से पार्टी अब उत्साहित है। दूसरी ओर बीजेडी इस सीट को जीत कर अपना गड बनाए रखने की कोशिश करेगी। यह सीट बीजेडी के पूर्व विधायक विजय रंजन बरिहा के निधन के बाद खाली पड़ी थी।

पीएम नरेंद्र मोदी ने नादप्रभु केम्पेगौड़ा की 108 फीट ऊंची 'स्टैच्यू ऑफ प्रॉस्पेरिटी' का किया अनावरण

बेंगलुरू (आजाद सिपाही)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को बेंगलुरु अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के परिसर में बेंगलुरु के संस्थापक नादप्रभु केम्पेगौड़ा की 108 फीट ऊंची कांस्य प्रतिमा 'स्टैच्यू ऑफ प्रॉस्पेरिटी' का अनावरण किया। इसे शहर के विकास में केम्पेगौड़ा के योगदान की स्मृति में बनाया गया है। प्रतिमा का अनावरण करने के बाद प्रधानमंत्री ने केम्पेगौड़ा की प्रतिमा के चरणों में पवित्र जल छिड़का। कर्नाटक के उच्च शिक्षा मंत्री अश्वत्नारायण ने कहा कि दुनिया के किसी अन्य हवाई अड्डे में इसके संस्थापक की इतनी ऊंची प्रतिमा नहीं है। इस प्रतिमा की ऊंचाई को वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया है। केम्पेगौड़ा की मूर्ति और 23 एकड़ के पार्क को लगभग 84 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है।

रेल संरक्षा आयुक्त ने बड़माल से सिकिर के बीच दोहरीकरण कार्य का किया निरीक्षण

आजाद सिपाही संवाददाता

संबलपुर। दक्षिण पूर्व सर्किल के रेल संरक्षा आयुक्त एएम चौधरी ने शुक्रवार को संबलपुर मंडल के संबलपुर-टिटिलागढ़ खंड के बडमाल से सिकिर स्टेशनों के बीच दोहरीकरण कार्य का निरीक्षण किया। श्री चौधरी ने ओवरहेड उपकरणों, पुलों, सिग्नल और दूरसंचार उपकरणों, रेलवे ट्रैक आदि जैसे सुरक्षा संबंधी पहलुओं का निरीक्षण किया और बडमाल से सिकिर स्टेशनों के बीच स्पीड ट्रायल भी किया। मंडल में इस खंड के दोहरीकरण और विद्युतीकरण के बाद यह ट्रेनों

के सुचारू संचालन की सुविधा प्रदान करेगा। निरीक्षण के दौरान संबलपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक विनीत सिंह, पूर्व तट रेलवे के प्रधान मुख्य इंजीनियर एनएस उइके और पूर्व तट रेल मुख्यालय और संबलपुर मंडल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी साथ थे।

पूर्व मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के तरफ से निम्न कार्य हेतु ई–निविदा आमंत्रित की जाती है: **(1) कार्य का नाम एवं स्थानः** धनबाद मंडल के बालुमाथ एवं शिवपुर में नव निर्मित रनिंग रूम का विद्युतीकरण कार्य और विभिन्न इलेक्ट्रिकल इन्फ्रिन्ज्मेंट के रिमूवल/मॉडिफिकेशन कार्य, प्रोपोजड टोरी शिवपुर तीसरी लाइन के अंतर्गत सभी प्रकार के 11/33 के.वी. ओवरहेड लाइन्स एवं गोमो फ्लाई ओवर के निर्माण से सम्बंधित जमुनिया–टेलो खण्ड के इलेक्ट्रिकल कोन्नेक्टिविटी के विस्थापन एवं उप मुख्य विद्युत अभियंता/निर्माण/दक्षिण के अंतर्गत अन्य दूसरे कार्यस्थल में अन्य बिजली संबन्धित कार्य हेतु। निविदा संख्याः EL/C/S/ MHX/ETEN/07/22-23, **अनुमानित कार्य की लागतः** रू. 9,85,66,444/– **जमा किए जाने वाले वयाना राशि एवं निविदा प्रपत्र का मूल्यः** NIT के अनुसार एवं रू शून्य/–, **कार्य पूर्ण करने का समयः** 05 माह, **निविदा बंद होने का तिथि एवं समयः** 30.11.2022 दोपहर 12:00 बजे तक। **(2) कार्य का नाम एवं स्थानः** धनबाद मंडल के कोडरमा में डी.एफ.सी.सी.एल के दोहरी लाइन निर्माण के प्रोपोजड एलाइनमेंट के इन्फ्रिन्ज्मेंट से संबन्धित नव निर्मित (G+4) स्टेशन भवन, गोदाम, स्टोर, उपरी पुल, पप हाउस, जेनरेटर रूम, ए इ न ऑफिस, ऑफिसर विश्राम गृह एवं दूसरे सर्विस बिल्डिंग के विद्युतीकरण कार्य और प्री कूलिंग सुविधा, संपर्क पथ, सर्कुलेटिंग एरिया के लाइटिंग एवं पानी की सुविधा कार्य हेतु एवं जरनडीह–दनिया खण्ड दोहरीकरण से सम्बंधित राँची रोड में नव निर्मित टी एम सी कार्यालय, सेटेलाईट शेड, गैंग हट एवं बरकाकाना में न्यू स्टेब्लिंग लाइन, संपर्क पथ, सर्कुलेटिंग एरिया के लाइटिंग एवं पानी की सुविधा कार्य एवं उप मुख्य विद्युत अभियंता/निर्माण/दक्षिण के अंतर्गत अन्य दूसरे कार्यस्थल में अन्य बिजली संबन्धित कार्य हेतु। निविदा संख्याः EL/C/S/ MHX/ETEN/08/22-23, **अनुमानित कार्य की लागतः** रू. 09,56,43,286/– **जमा किए जाने वाले वयाना राशि एवं निविदा प्रपत्र का मूल्यः** NIT के अनुसार एवं रू शून्य/–, **कार्य पूर्ण करने का समयः** 05 माह, **निविदा बंद होने का तिथि एवं समयः** 30.11.2022 दोपहर 12:00 बजे तक। **(3) कार्य का नाम एवं स्थानः** ओबरा स्टेशन पर एलाइनमेंट में आने वाली भूमिगत केबल के माध्यम से एचटी औ एलटी ओवर हैड इलेक्ट्रिक लाइन को हटाना/स्थानांतरित करना और गढ़वा सेक्शन में नई आरओआर लाइन और कोडरमा में रिसेस/सरफेस लाइट एवं गढ़वा–सिंगरौली खण्ड के विभिन्न छोर के केबिन में बिजली आपूर्ति की व्यवस्था एवं उप मुख्य विद्युत अभियंता/निर्माण/दक्षिण के अंतर्गत अन्य दूसरे कार्यस्थल में अन्य बिजली संबन्धित कार्य हेतु। निविदा संख्याः EL/C/S/MHX/ETEN/09/22-23, **अनुमानित कार्य की लागतः** रू. 08,30,87,976/– **जमा किए जाने वाले वयाना राशि एवं निविदा प्रपत्र का मूल्यः** NIT के अनुसार एवं रू शून्य/–, **कार्य पूर्ण करने का समयः** 05 माह, **निविदा बंद होने का तिथि एवं समयः** 30.11.2022 दोपहर 12:00 बजे तक। **(4) वेबसाइट विवरण, नोटिस बोर्ड का स्थान जहाँ निविदा की पूर्ण जानकारी देखा जा सकता है तथा कार्यालय का पता जहाँ से निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकता है:** आई.आर.इ.पी.एस. बेवसाईट पर, www.ireps.gov.in पर निविदा डाउन लोड किया जा सकता है एवं सीईई/कॉन महेन्द्रघाट, कार्यालय सीएओ/कॉन ईसीआर ऑफिस परिषर, पटना 800004 में निविदा पट पर देखा जा सकता है। हिन्दी एवं अंग्रेजी की सूचना में किसी प्रकार की भिन्नता पाये जाने पर अंग्रेजी में प्रकाशित सूचना को सही माना जायेगा।

उप मुख्य विद्युत अभियंता/निर्माण/साउथ
पूर्व मध्य रेल/महेंद्रूघाट/पटना

पीआर/01430/सीओएनएस/ईएलईसी/टी/22–23/84

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, लालगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित।
संपादक : हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक* :** विनोद कुमार, ***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**